শর্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 189 | गुवाहाटी | बुधवार, 7 फरवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बराक घाटी को बांग्लादेश बनाने की कोशिश : चाय जनगोष्ठी ने चेताया — पेज 2
भ्रष्ट कांग्रेसियों के मुंह से प्रधानमंत्री की आलोचना शोभा नहीं देती : मनोज बरुवा — पेज 3
लोस चुनाव : सबसे बड़ी जीत की इबारत लिखेगी भाजपा, दिल्ली में बनाएगी रणनीति — पेज 5
सतीशा-आद्या ने किया कमाल, ईरान फजर अंतर्राष्ट्रीय चैलेंज में मिश्रित युगल... — पेज 7

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

## सुप्रभात

*भाग्य पुरुषार्थी के पीछे चलता है।*

– आचार्य चाणक्य

## भारत-म्यांमार सीमा पर होगी फेंसिंग मणिपुर में शुरू हो चुका है काम

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की है कि भारत में मुक्त आवाजाही को प्रतिबंधित करने के लिए भारत म्यांमार से लगी सीमा पर बाड़ लगाएगा। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब बड़ी संख्या में म्यांमार के सैनिक जातीय संघर्षों से बचने के लिए भारत की ओर भाग रहे हैं। अमित शाह ने साफ तौर पर कहा कि मोदी सरकार अभेद्य सीमाएँ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि सरकार ने पूरी 1643 किलोमीटर लंबी भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का फैसला किया है। बेहतर निगरानी की सुविधा के लिए सीमा पर एक गश्ती ट्रैक भी बनाया जाएगा। शाह ने कहा कि सीमा की कुल लंबाई में से, मणिपुर के मोरेह में 10 किमी की दूरी पर पहले ही बाड़ लगाई जा चुकी है। इसके अलावा, हाइब्रिड सर्विलांस सिस्टम (एचएसएस) के माध्यम से बाड़ लगाने की दो पायलट परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि वे अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में प्रत्येक 1 किमी की दूरी पर बाड़ लगाएंगे। इसके अतिरिक्त, मणिपुर में लगभग 20 किलोमीटर तक बाड़ लगाने के काम को भी मंजूरी दे दी गई है और काम जल्द ही शुरू हो जाएगा। पिछले तीन महीनों में म्यांमार सेना के लगभग 600 सैनिक भारत में घुस आए हैं। सरकारी सूत्रों ने कहा कि पश्चिमी म्यांमार राज्य रखाइन में एक जातीय सशस्त्र समूह अराकन आर्मी (एए) के -शेष पृष्ठ दो पर

## रखाइन प्रांत को तुरंत छोड़ें भारतीय नागरिक

**नई दिल्ली।** म्यांमार के रखाइन प्रांत में सेना और विद्रोही गुट अराकान आर्मी के बीच संघर्ष तेज हुआ है। जिससे वहां रह रहे लोगों की सुरक्षा की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। इस बीच, विदेश मंत्रालय (एमईए) ने उन भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है, रखाइन प्रांत की यात्रा करने वाले हैं या वहां रह रहे हैं। मत्रालय ने कहा कि सभी भारतीय -शेष पृष्ठ दो पर

## पेपरलीक पर नकेल कसने का बिल लोकसभा से पास

### 10 साल की जेल और न्यूनतम एक करोड़ रुपए जुर्माना

**नई दिल्ली।** सरकारी भर्ती और प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक तथा फर्जी वेबसाइट जैसी अनियमितताओं के खिलाफ तीन साल से 10 साल तक की जेल और न्यूनतम एक करोड़ रुपए के जुर्माने के प्रावधान वाले लोक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) विधेयक, 2024 को मंगलवार को लोकसभा ने पारित कर दिया। लोकसभा में विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थी या अभ्यर्थी इस कानून के दायरे में नहीं आते और ऐसा संदेश नहीं जाना चाहिए कि इसके माध्यम से उम्मीदवारों का उत्पीड़न होगा। उन्होंने कहा कि यह कानून उन लोगों के विरुद्ध लाया गया है जो इस परीक्षा प्रणाली के साथ छेड़छाड़ करते हैं। जितेंद्र सिंह ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

## संसद का बजट सत्र एक दिन बढ़ा

**नई दिल्ली।** संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि संसद के मौजूदा बजट सत्र को एक दिन बढ़ाकर शनिवार तक किया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि सरकार श्वेत पत्र लाने की तैयारी कर रही है। इस श्वेत पत्र में 2014 से पहले और बाद में भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति की तुलना की जाएगी। बता दें कि बजट सत्र की शुरुआत 31 जनवरी को हुई थी। इसे नौ फरवरी को समाप्त होना था। अब बजट सत्र 10 फरवरी तक चलेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने अंतरिम बजट भाषण में कहा -शेष पृष्ठ दो पर

## असम मानव तस्करी मामले में एनआईए ने किया 24 के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

**नई दिल्ली (हि.स.)।** राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जाली भारतीय पहचान पत्र के साथ मानव तस्करी मामले में 24 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। इसमें चार बांग्लादेशी नागरिक और एक म्यांमार मूल का रोहिंग्या है। एनआईए ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए इन लोगों के खिलाफ सोमवार को असम के गुवाहाटी स्थित एनआईए की विशेष अदालत में आरोप पत्र दायर किया गया। आरोपितों के खिलाफ विभिन्न भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा और विदेशी पासपोर्ट -शेष पृष्ठ दो पर

## न्यूज गैलरी

### एक राष्ट्र-एक चुनाव भारत में तानाशाही लाने का गुप्त एजेंडा : टीएमसी

**कोलकाता।** तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रतिनिधिमंडल ने *एक राष्ट्र, एक चुनाव* की संभावना तलाशने के लिए गठित समिति से मंगलवार को कहा कि यह भारत में *तानाशाही* लाने का एक *गुप्त एजेंडा* है। टीएमसी के नेता सुदीप बंद्योपाध्याय और कल्याण बनर्जी पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति की बैठक में शामिल हुए। इससे पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बैठक में शामिल होने वाली थीं, लेकिन उन्होंने राज्य के बजट संबंधी कार्यों के चलते अंतिम समय में दिल्ली का दौरा रद्द कर दिया। कल्याण बनर्जी ने बैठक के बाद मीडिया से कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

### उत्तराखंड विस में यूसीसी विधेयक पेश

**देहरादून।** उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू होने के बाद लिव इन रिलेशनशिप (सहवासी संबंध) के नियम कायदे सख्त होंगे। लिव इन रिलेशनशिप के लिए पंजीकरण अनिवार्य किया गया है तो नियमों की अवहेलना करने पर अर्थदंड और सजा का प्रविधान किया गया है। यही नहीं, महिला के अधिकार को सुरक्षित करते हुए प्रविधान किया गया है कि यदि कोई पुरुष अपनी पार्टनर को छोड़ देता है तो महिला को भरण पोषण -शेष पृष्ठ दो पर

## सुशासन का पाठ पढ़ाएंगे आदित्यनाथ और हिमंत विश्व शर्मा

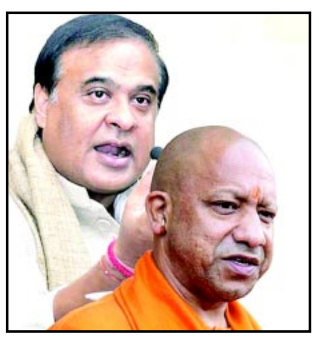

**नई दिल्ली।** भाजपा की सरकारें केंद्र के साथ-साथ कई राज्यों में भी लगातार रिपीट हो रही हैं। गुजरात-मध्यप्रदेश की सरकारें लगभग दो-ढाई दशकों से सत्ता में जमी हुई हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में भी भाजपा ने प्रो इनकंबेंसी फैक्टर के सहारे लगातार सत्ता में आने में सफलता हासिल की है। केंद्र में भी भाजपा की सरकार लगातार दो बार (2014 और 2019 में) पूर्ण बहुमत के साथ आ चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अभी से यह दावा कर रहे हैं कि भाजपा तीसरी बार भी केंद्र में सरकार बनाने जा रही है। भाजपा के इस आत्मविश्वास का कारण क्या है? 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलने के बाद वरिष्ठ पत्रकार शेखर गुप्ता ने माना था कि इस सफलता का राज योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में छिपा हुआ है। शेखर गुप्ता ने कहा कि केंद्र सरकार की पीएम आवास योजना, राशन योजना और पीएम किसान सम्मान निधि की लोगों तक पहुंच ने मोदी सरकार का रास्ता आसान बना दिया और वह विपक्षी दलों के आक्रामक हमले के बाद भी पूर्ण बहुमत की सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

## हरदा : अवैध पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, 11 मरे, 60 घायल

**हरदा (हि.स.)।** मध्य प्रदेश के हरदा जिले में मंगलवार को एक अवैध पटाखा फैक्टरी में विस्फोट के बाद आग लग गई। फैक्टरी में आतिशबाजी के इस्तेमाल के लिए रखे गए बारूद के संपर्क में आकर आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। इससे पूरा इलाका दहल गया। हादसे में अबतक 11 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है। उन्होंने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही जांच के लिए छह सदस्यीय समिति का गठन भी कर दिया है। जानकारी के अनुसार, शहर में मगरधा रोड पर ग्राम बैरागढ़ में स्थित एक अवैध पटाखा फैक्टरी में मंगलवार को जोरदार धमाके के बाद भीषण आग लग गई। आग तेजी से फैली और आसपास के 50 से ज्यादा घरों -शेष पृष्ठ दो पर

## राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति पीएम, खड़गे ने हादसे पर जताया दुख

**नई दिल्ली (हि.स.)।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मध्य प्रदेश के हरदा जिले में मंगलवार को एक पटाखा फैक्टरी में हुई दुर्घटना पर दुख जताया है। राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि मध्य प्रदेश के हरदा में आग लगने से अनेक लोगों की मृत्यु होने का समाचार अत्यंत दुखद है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करती हूं और घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना -शेष पृष्ठ दो पर

## अजित पवार को चुनाव आयोग से मिला एनसीपी

**नई दिल्ली।** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की लड़ाई को लेकर मंगलवार को चुनाव आयोग ने अपना फैसला सुनाया, जिससे शरद पवार गुट को बड़ा झटका लगा है। छह महीने से अधिक समय तक चली सुनवाई में चुनाव आयोग ने (एनसीपी) में जारी विवाद का निपटारा किया। चुनाव आयोग ने अजित पवार गुट के पक्ष में फैसला सुनाया और अजित पवार गुट को ही असली एनसीपी बताया है। चुनाव आयोग ने एनसीपी की लड़ाई को लेकर 10 से अधिक सुनवाई की और आज अपना फैसला सुनाया है। चुनाव आयोग ने अजित गुट को असली एनसीपी मानते हुए -शेष पृष्ठ दो पर

## 12 बांग्लादेशी नागरिक त्रिपुरा से निर्वासित

फाइल फोटो

**अगरतला (हि.स.)।** त्रिपुरा से 12 बांग्लादेशी नागरिकों को उनकी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करने और 2 साल से अधिक समय हिरासत में बिताने के बाद वापस उनके देश भेज दिया गया। वे रोजगार की तलाश में अवैध रूप से त्रिपुरा में दाखिल हुए थे। इनमें छह महिलाएं और छह पुरुष शामिल हैं। वे रोजगार की तलाश में दलालों की मदद से अवैध रूप से त्रिपुरा में दाखिल हुए थे। उन्हें अगरतला-अखौरा एकीकृत चेक पोस्ट के रास्ते वापस भेज दिए गए। ज्ञात हो कि आज उन्हें बांग्लादेश वापस भेजने की सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद वापस भेज दिया गया। बांग्लादेश के उच्चायुक्त ने भारत और त्रिपुरा सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि छह महिलाओं और छह पुरुषों सहित 12 बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेज दिया गया। उन्होंने मीडिया को बताया कि उनमें से 11 वयस्क हैं, और एक नाबालिग लड़की है। वे काम की तलाश में वैध दस्तावेजों के बिना -शेष पृष्ठ दो पर

## विस से कांग्रेस विधायक शर्मन अली निलंबित

**गुवाहाटी।** असम विधानसभा में बजट सत्र के दौरान मंगलवार को अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी ने कार्यवाही में बाधा डालने को लेकर कांग्रेस विधायक शर्मन अली अहमद को दिन भर के लिए निलंबित कर दिया। अहमद को इसके बाद मार्शल ने सदन से बाहर निकाल दिया। कांग्रेस विधायक ने दावा किया कि इस दौरान उन्हें मामूली चोट लग गई। राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) -शेष पृष्ठ दो पर

## पीओके के लोगों ने कश्मीर एकजुटता दिवस को किया खारिज

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के लोगों ने 5 फरवरी को *कश्मीर एकजुटता दिवस* के इस्लामाबाद के आह्वान को खारिज कर दिया और प्रदर्शन किया है। पीओके और गिलगित बाल्टिस्तान के निवासियों ने कश्मीर एकजुटता दिवस का विरोध किया, जिसे पाकिस्तान में अपना समर्थन दिखाने के लिए भ्रामक रूप से मनाया जा रहा है। स्थानीय लोग पीओके और भारत के केंद्र शासित प्रदेश विकासशील जम्मू-कश्मीर के बीच स्पष्ट अंतर को उजागर कर रहे हैं। कश्मीर पर पाकिस्तान के धोखे को उजागर करते हुए पीओके के निवासी इस्लामाबाद को इस मुद्दे पर दुष्प्रचार करने के बजाय अपनी कमियों पर गौर करने का सुझाव दे रहे हैं। पीओके के राजनीतिक कार्यकर्ता तौकीर गिलानी ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के मुताबिक, पाकिस्तान यहां के लोगों की जरूरतों का ख्याल रखने के लिए बाध्य है। एक तरफ पाकिस्तान 5 फरवरी को कश्मीर के साथ एकजुटता व्यक्त करने की घोषणा करता है। दूसरी तरफ सरकार अपने नियंत्रण वाले लोगों को बुनियादी अधिकारों से वंचित करती है। हम देख सकते हैं कि इस साल कश्मीर का प्रचार तेजी से किया जा रहा है। तौकीर गिलानी ने आगे कहा कि पाकिस्तान यहां चल रहे आंदोलन से ध्यान भटकाने के लिए ऐसा कर रहा है। हालांकि जम्मू-कश्मीर पर पाकिस्तान के दुष्प्रचार को कोई मानने वाला नहीं है, फिर भी उसने दशकों से दुष्प्रचार और प्रचार को बढ़ावा देना जारी रखा है। दुर्भाग्य से पाकिस्तान में शासकों ने ऐसे समय में स्वार्थी बने रहना चुना है, जब वहां के लोगों के पास खाने के लिए खाना भी नहीं है। गेहूं सब्सिडी, -शेष पृष्ठ दो पर

## लखनऊ की जेल में 63 कैदी मिले एचआईवी पॉजिटिव

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां जेल में 63 कैदी एचआईवी संक्रमित पाए गए हैं। जेल प्रशासन ने कैदियों के मेडिकल टेस्ट करवाए थे। जिसमें यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। जेल अधिकारियों ने साझा किया कि अधिकांश संक्रमित कैदियों का नशीली दवाओं की लत का इतिहास रहा है। उन्होंने दावा किया कि जेल परिसर के बाहर दूषित सीरिंज के इस्तेमाल से कैदी इस वायरस के संपर्क में आए। अधिकारियों ने ये भी दावा किया कि जेल के अंदर रहने के दौरान कोई भी कैदी इस वायरस की चपेट में नहीं आया। अधिकारियों ने दावा किया कि पिछले पांच वर्षों में किसी भी संक्रमित कैदी की मौत नहीं हुई है। डीजी-जेल एस एन साबत ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में जिला जेल लखनऊ में एचआईवी संक्रमण के कारण किसी भी कैदी की मौत नहीं हुई है। हम उत्तर प्रदेश -शेष पृष्ठ दो पर

**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771**
**86382-00107**

**MURTI AVAILABLE**

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

**CHANGE OF DATE OF BIRTH**

I, NO 4363388 H RANK HAV NAME - KH, ISHWAR SINGH, RESIDENT OF Awang Sekmai, Makha Leikai, IMPHAL, WEST MANIPUR, PIN-795136 CHANGE MY- SON'S ICHATHOI KAWAI-RAKPAM DATE OF BIRTH AS 15 JANUARY 2009 TO-15 JANUARY 2010 VIDE AFFIDAVIT DATE 29 JANUARY 2024 BEFORE THE OATHS COMMISS-IONER MANIPUR AT IMPHAL

# बराक घाटी को बांग्लादेश बनाने की कोशिश : चाय जनगोष्ठी ने चेताया

**सिलचर ( हिंस )।** राष्ट्रभाषा चाय जनगोष्ठी उन्नयन मंच ने बराक घाटी को बांग्लादेश बनाने की कोशिश करने वालों को चेतावनी दी है। मंच के मुख्य संयोजक दिलीप कुमार ने मंगलवार को एक बयान जारी कर कहा कि कुछ लोग बराक घाटी को असम से अलग करके एक नया बांग्लादेश बनाने की कोशिश कर रहे हैं। चाय जनगोष्ठी के लोग इस कोशिश को किसी भी कीमत पर कामयाब नहीं होने देंगे। कुमार ने इंडियन टी एसोसिएशन के अध्यक्ष ईश्वर भाई उवाडिया के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि चाय बागान की जमीन पर अवैध रूप से अतिक्रमण का कार्य चल रहा है। तथाकथित बांग्लादेशी घुसपैठियों ने बराक घाटी के कई चाय बागानों की अधिकांश जमीन पर कब्जा कर लिया है। इस संबंध में उन्होंने उदाहरण के रूप में बताया है कि करीमगंज जिले के चरगोला चाय बागान, बुबरी घाट चाय बागान, हैलाकंदी का मोनाछोड़ा चाय बागान, सरसपुर चाय बागान, चंडीपुर चाय बागान तथा कछार के हाथीछोड़ा चाय बागान शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बराक घाटी में जो अवैध घुसपैठ करने वाले बांग्लादेशियों के समर्थक हैं, उन्हें उवाडिया की बात से तकलीफ हो रही है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान का खाना और बांग्लादेश का गाना यहां नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो इस मुद्दे पर चाय जनगोष्ठी के लोग सड़क पर उतरने से पीछे नहीं हटेंगे।

# असम विस : शून्य काल शुरू होने से पहले एक घंटे के लिए सभा स्थगित

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम विधानसभा के चालू बजट कालीन अधिवेशन के दूसरे दिन आज प्रश्नकाल के बाद शून्यकाल शुरू होने से पहले ही सभा को अध्यक्ष विश्वजीत दैमरी द्वारा एक घंटे के लिए स्थगित कर दिया गया। शून्यकाल में सभा स्थगन का प्रस्ताव लाते हुए आईयूडीएफ विधायक अमीनुल इस्लाम ने ग्वालपाड़ा तथा धुबड़ी जिले में चल रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान पर चर्चा करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस ठंड के मौसम में महिलाओं बच्चों के साथ अनेक परिवारों को आश्रयहीन कर दिया गया है। लोगों की मौत भी हो रही है। इस पर चर्चा निश्चित ही होनी चाहिए। इस मांग पर एआईयूडीएफ तथा कांग्रेस के अन्य विधायक भी सदन में एक साथ बोलने लगे। कांग्रेस विधायक अब्दुल हुसैन मंडल ने कहा कि हम न्याय की मांग कर रहे हैं। हमारी मांगे जायज हैं। सदन में निश्चित ही इस विषय पर चर्चा होनी चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष बिश्वजीत दैमारी ने रूल का हवाला देते हुए कहा कि बजट पर चल रही चर्चा के बीच एडजर्नमेंट मोशन लाया नहीं जा सकता है। अध्यक्ष के इस बात पर विरोधी दल के विधायक हल्ला करने लगे। अध्यक्ष की लाख कोशिशों के बाद भी जब विपक्षी विधायक शांत नहीं हुए तो अध्यक्ष ने एक घंटे के लिए सदन को स्थगित कर दिया। इससे पहले विधानसभा में दूसरे नंबर के जल जीवन मिशन संबंधी विद्या सिंह इंग्लेंग के प्रश्न पर विभागीय मंत्री जयंतमल बरुवा के उत्तर से संतुष्ट नहीं हुए विपक्षी विधायक हंगामा करने लगे। इसके बाद 10 मिनट के लिए हाउस को स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद फिर से हालांकि, प्रश्नोत्तर काल चला। कांग्रेस विधायक अब्दुल कलाम राशिद आलम के खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग संबंधी प्रश्न पर चर्चा के साथ ही अब्दुल बातें करके वित्त विभाग संबंधी प्रश्न एवं रवींद्र नारायण कलिता के दिपोर बिल से संबंधित प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने उत्तर दिया। आज विधानसभा की करवाई सुबह 9:30 बजे शुरू हुई। मौखिक उत्तर से संबंधित प्रश्न काल की शुरुआत विधायक अखिल गोगोई के वित्त विभाग संबंधी प्रश्न से हुई।

# *नो ओपीएस* नो वोट स्लोगन के साथ शुरू होगा आंदोलन

**इटानगर ( हिंस )।** नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम की अरुणाचल प्रदेश इकाई ने नई पेंशन योजना (एनपीएस) को खत्म करने और पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को बहाल करने की अपने मांग को दोहराते हुए राज्य सरकार के खिलाफ *नो ओपीएस* नो वोट विषय के साथ एक लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू करने का फैसला किया। आज यहां अरुणाचल प्रेस क्लब में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए दकमे अबो ने कहा कि नई पेंशन योजना (एनपीएस) को खत्म करने और पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को बहाल करने की मांग करते हुए हम 2021 से अपना ज्ञापन सौंप रहे हैं, लेकिन राज्य सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन हाल ही में हमें लेखा निदेशालय अरुणाचल प्रदेश से एक पत्र मिला जिसमें लिखा था कि एनपीएस प्रणाली अच्छी है, जो यह संकेत दे रहा है कि राज्य सरकार हमारी मांगों को सुनने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि एनपीएस प्रणाली अच्छी है तो सभी मंत्री, विधायक और सांसद एनपीएस प्रणाली में शामिल क्यों नहीं हैं, जबकि वे ओपीएस के तहत अपनी पेंशन का लाभ उठा रहे हैं। भारत में कई राज्य हैं जो ओपीएस ले रहे हैं, लेकिन राज्य सरकार ओपीएस क्यों नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि हमने जांच की है कि एनपीएस सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए अच्छा नहीं है, जिसका हम पुरजोर विरोध करते हैं और इसे खत्म करने की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि हम समूह ए से एमटीएस तक के सभी सरकारी कर्मचारियों ने आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में *नो ओपीएस, नो वोट* की थीम के साथ राज्य सरकार के खिलाफ लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू करने का फैसला किया। इसके अलावा उन्होंने राष्ट्रीय पेंशन योजना के दोषों और प्रणालियों पर भी प्रकाश डाला।

## पक्के नाले में मिला युवक का शव

**दरंग ( हिंस )।** दरंग जिला के दलगांव में आज सुबह पक्के नाले से एक युवक का शव बरामद किया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि नाले में गिरने के चलते ही युवक की मौत हुई होगा। युवक की बीती रात के समय दलगांव के आश्रमपट्टी में सड़क के किनारे पक्के नाले में गिरने से मौत होने की बात कही जा रही है। इस बीच, स्थानीय लोगों ने आज सुबह नाले में पड़े शव को देखा और पुलिस को सूचित किया। दलगांव थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। युवक की पहचान गांव के प्राणकृष्ण बसाक (पनू) के रूप में हुई है। हालांकि, यह पता नहीं चल सका है कि युवक नाले में कैसे गिरा।

# गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर रेल कोच रेस्टोरेंट खुला

**गुवाहाटी ( हिंस )।** यात्रियों को व्यंजन का एक अद्वितीय माहौल प्रदान करने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) अपने प्रमुख स्टेशनों और केंद्रों पर रेल कोच रेस्टोरेंट खोल रहा है। रेल कोच रेस्टोरेंट के शुभारंभ के साथ गुवाहाटी स्टेशन पर आहार का एक अनोखा अनुभव मिलेगा। यह पहल अद्वितीय पाक-व्यंजनों के अनुभव की चाह रखने वाले यात्रियों का ध्यान आकर्षित कर रही है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने आज बताया है कि चित्रों, सुखद रोशनी और आरामदायक सीटों से सुसज्जित गुवाहाटी स्टेशन पर नव संचालित कोच रेस्टोरेंट क्षेत्रीय जायके के साथ अन्य भारतीय व्यंजनों का भी आनंद लिया जा सकेगा। अत्याधुनिक बुनियादी संरचना से लैस यह नया कोच रेस्टोरेंट खाद्य प्रेमियों के लिए एक अनूठा माहौल प्रदान करने का वादा करता है। लोग ट्रेन कोच में परिवार और दोस्तों के साथ भोजन करने का अनुभव प्राप्त करने का आनंद ले सकते हैं। कोच रेस्टोरेंट में आहार, स्नैक्स और पेय पदार्थ के खरीदने की सुविधा होगी। इस समय संपूर्ण पूसीरे में 14 कोच रेस्टोरेंट चल रहे हैं। ऐसे कोच रेस्टोरेंट शुरू करने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेलवे पर 62 स्थानों का चयन किया गया है। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन, पूर्वोत्तर के सबसे महत्वपूर्ण स्टेशनों में से एक है।

## छापेमारी में हेरोइन और अफीम के साथ एक गिरफ्तार

**कार्बी आंग्लांग ( हिंस )।** असम-नगालैंड सीमा पर जिले के खटखटी में पुलिस द्वारा तलाशी के दौरान हेरोइन और अफीम के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। खटखटी पुलिस ने आज बताया है कि पड़ोसी राज्य डिमापुर से पूजा नामक एक नाइट सुपर बस (एएस-25एसी-0094) की खटखटी पुलिस द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग-39 पर रूटीन नाका पर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान यात्री के रूप में बस में यात्रा कर रहे एक ड्रग्स तस्कर मनखानलाल गुइते के बैग से 13 साबुनदानी के साथ पकड़ा गया।

# *पृष्ठ एक का शेष*

### *भारत-म्यांमार सीमा ...*

उग्रवादियों द्वारा उनके शिविरों पर कब्जा करने के बाद उन्होंने मिजोरम के लांग्टलाई जिले में शरण ली। सीमा पर बाड़ लगाकर भारत दोनों देशों के बीच मुक्त आवाजाही व्यवस्था (एफएमआर) को खत्म कर देगा। सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को जल्द ही दूसरे देश में प्रवेश के लिए वीजा की आवश्यकता होगी।

### *रखाइन प्रांत को...*

नागरिकों को सलाह दी जाती है कि लगातार बिगड़ती सुरक्षा स्थिति, लैंडलाइन सहित दूरसंचार के साधनों में व्यवधान और जरूरी वस्तुओं की गंभीर कमी के मद्देनजर म्यांमार के रखाइन प्रांत की यात्रा न करें। वे भारतीय नागरिक जो पहले ही रखाइन प्रांत में हैं, उन्हें तुरंत प्रांत को छोड़ने की सलाह दी जाती है।

### *पेपरलीक पर नकेल...*

यह विधेयक राजनीति से ऊपर है और देश के बेटे-बेटियों के भविष्य से जुड़ा है। मंत्री के जवाब के बाद सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को पारित कर दिया। सिंह ने अनियमितता के कारण परीक्षा रद्द होने पर पुनर्परीक्षा के लिए समय-सीमा तय करने के कुछ सदस्यों के सुझाव पर कहा कि इस तरह के मामलों में सीबीआई जांच और अन्य तरह की प्रक्रियाएं शुरू हो जाती हैं, इसलिए सीमारेखा तय करना संभव नहीं, लेकिन सरकार का प्रयास इन्हें समय पर कराना होगा। उन्होंने द्रविण मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के सदस्य कथिर आनंद के सदन में चर्चा के दौरान दिए बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि तमिलनाडु के सांसद ने सरकार पर आरोप लगाया कि भाषा के कारण छात्रों के साथ भेदभाव होता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) और अन्य परीक्षाओं को तमिल समेत 13 भाषाओं में कराना शुरू किया है और उम्मीद है कि आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 22 भाषाओं में भर्ती परीक्षाएं आयोजित कराई जाएंगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि द्रमुक पार्टी जब संप्रग सरकार में थी तब भी ऐसा नहीं हुआ। परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ अलग सख्त कानून की जरूरत पर कुछ विपक्षी सदस्यों के सवाल उठाए जाने पर सिंह ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता में अलग से इस तरह के प्रावधानों का उल्लेख नहीं है, इसलिए अलग से कानून लाया गया है।

### *संसद का बजट ...*

था कि केंद्र सरकार 2014 से पहले और बाद की भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति की तुलना करते हुए श्वेत पत्र जारी करेगी। वित्त मंत्री ने कहा था कि केवल उन वर्षों के कुप्रबंधन से सबक लेने के उद्देश्य से अब यह देखना उचित है कि हम 2014 तक कहां थे और अब कहां हैं। सरकार सदन के पटल पर श्वेत पत्र रखेगी।

### *असम मानव तस्करी ...*

अधिनियम 1920 के तहत आरोप पत्र दाखिल किए हैं। एनआईए के मुताबिक राज्य पुलिस एजेंसियों के सहयोग से त्रिपुरा, असम, जम्मू-कश्मीर और पश्चिम बंगाल में 39 स्थानों पर की गई व्यापक छापेमारी के दौरान शुरुआत में 29 लोगों को गिरफ्तार किया था। छापेमारी के दौरान बड़ी संख्या में आपत्तिजनक दस्तावेज, जाली भारतीय पहचान दस्तावेज, बैंक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए थे। पूछताछ और जांच के आधार पर बाद में छापेमारी के दौरान त्रिपुरा से चार की गिरफ्तारी के साथ आरोपितों की संख्या 33 हो गई। एनआईए प्रवक्ता ने बताया कि कुछ असामाजिक तत्वों के खिलाफ असम पुलिस द्वारा शुरू में पासपोर्ट अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। एनआईए ने बाद में मामले को अपने हाथ में लिया और इसे फिर से दर्ज किया। एनआईए की जांच से पता चला कि अंतर्राष्ट्रीय मानव तस्करी सिंडिकेट त्रिपुरा, असम, पश्चिम बंगाल और अन्य क्षेत्रों में भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सक्रिय थे। ये सिंडिकेट नियमित रूप से रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की तस्करी कर रहे थे और उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों में बसाने के लिए जाली भारतीय पहचान दस्तावेज तैयार कर रहे थे। एनआई की जांच में यह भी बात सामने आई है कि सीमा के दोनों ओर के सिंडिकेट ने साजिश रची और तस्करी किए गए व्यक्तियों को प्रलोभन देते थे, उनके लिए जाली भारतीय पहचान दस्तावेज तैयार करते थे। इसके साथ ही रहने, खाने और यात्रा के लिए यात्रा की व्यवस्था भी करते थे। तस्करी की गई लड़कियों और महिलाओं का धोखे से कई अन्य तरीकों से शोषण किया गया। इसके साथ ही कुछ रोहिंग्या महिलाओं को शादी के लिए भी बेच दिया गया। जांच में पाया गया है कि स्थानीय अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत नकली या जाली सहायक दस्तावेजों और प्रमाणपत्रों पर स्थानीय निकायों की मिलीभगत से बांग्लादेशी नागरिकों द्वारा भारतीय आईडी दस्तावेज प्राप्त किए गए थे।

### *सुशासन का पाठ ...*

बनाने में सफल रही। भाजपा इसे *सुशासन* का नाम देती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सफलता इसी में छिपी हुई है कि उन्होंने तकनीक का बेहतर प्रयोग करके योजनाओं को उचित लाभार्थियों तक पहुंचाने में मदद हासिल की है। चार करोड़ प्रधानमंत्री आवास, 50 करोड़ के लगभग जनधन खाते, लगभग 8.16 करोड़ किसानों तक पीएम किसान निधि का पात्र किसानों तक लाभ पहुंचाने में केंद्र ने तकनीक का बेहतर इस्तेमाल किया है। यही कारण है कि देश के करोड़ों लोगों को केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ बिना किसी भ्रष्टाचार के मिला है। 2019 के लोकसभा चुनाव की तरह ये लाभार्थी भाजपा के वोटर बनकर उभरें, तो किसी को आश्चर्य नहीं होगा। पीएम नरेंद्र मोदी का सत्ता में लगातार वापसी का आत्मविश्वास इसी कारण बना हुआ है। सुशासन के इस तरीके से न केवल भ्रष्टाचार को कम करने में मदद मिली है, बल्कि उचित लाभार्थियों तक मदद पहुंचाकर उनका जीवन स्तर बेहतर करने में भी सफलता मिली है। इससे गरीबों का जीवन स्तर बेहतर होता है और उनके बेहतर नागरिक बनने के बाद देश के विकास में उनका योगदान भी मिलता है। यानी कल तक जो गरीब देश की अर्थव्यवस्था पर बोझ बना हुआ था, उसे अच्छे जीवन स्तर पर लाकर देश के लिए एक *असेट* बनाने में सफलता मिली है। किसी सुशासन का यह सबसे सफल परिणाम हो सकता है। राम भाऊ म्हालगी प्रबोधिनी के वाइस चेयरमैन विनय सहस्रबुद्धे ने बताया कि भाजपा की प्रमुख सोच में शामिल यह विचार अलग-अलग प्रदेशों की सरकारों ने अपने-अपने राज्यों में इस्तेमाल किया है। अब सुशासन के इसी विचार और इससे मिलने वाली सफलता को लोगों तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। 9-10 फरवरी को सुशासन महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन लाल यादव और कई अन्य केंद्रीय मंत्री लोगों को इस कार्यक्रम में सुशासन के विषय में जानकारी देंगे।

### *हरदा : अवैध पटाखा ...*

को अपनी चपेट में ले लिया। इसकी वजह से क्षेत्र में अफरातफरी का माहौल हो गया और लोग इधर-उधर भागते नजर आए। फैक्टरी से उठती आग की लपटें और धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर से देखा जा सकता है। बताया जाता है कि विस्फोट के वक्त फैक्टरी परिसर में 250 से ज्यादा मजदूर काम कर रहे थे। हादसे में 11 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। मौके पर यहां-वहां शव पड़े देखे जा रहे हैं। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भेजा जा रहा है। बताया जाता है कि 100 से अधिक लोग अभी भी इस फैक्टरी परिसर के भीतर फंसे हुए हैं। फैक्टरी में रह-रहकर अभी भी धमाकों की आवाज सुनाई दे रही है। हमीदिया में डॉक्टरों को हाई अलर्ट पर रखा गया। घायलों को भोपाल और इंदौर भी भेजा जाएगा। हरदा से भोपाल तक ग्रीन कॉरिडोर बनाया जाएगा। हरदा में पटाखा फैक्टरी में हुए हादसे को लेकर बैतूल जिले से चार एंबुलेंस और चिकित्सकों की टीम रवाना की गई है। बैतूल कलेक्टर के निर्देश पर सीएमएचओ रविकांत उईके ने चार चिकित्सकों की टीम, दवाइयों के साथ भेज दी है। सीएमएचओ ने बताया कि चार 108 एंबुलेंस भी भेजी गई है और हरदा जिले के स्वास्थ्य अधिकारियों से लगातार संपर्क किया जा रहा है। इधर, नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देश पर अमला मुस्तैद है। नर्मदापुरम के डॉक्टरों की टीम ने संभाला मोर्चा। स्वास्थ्य विभाग, पुलिस, प्रशासन की टीम जुटी मदद में। नर्मदापुरम कलेक्टर के निर्देश पर दो एंबुलेंस और एक दमकल वाहन और हरदा के लिए भेजा गया है। जिले की मेडिकल टीम हरदा पहुंच गई है और वहां राहत एवं उपचार कार्य जारी है। मगरधा रोड सहित पटाखा फैक्टरी के करीब एक किलोमीटर के दायरे में आवागमन प्रतिबंधित कर दिया गया है। नर्मदा पुरम- खंडवा स्टेट हाईवे पर भी बैरिकेड्स लगाकर वाहनों को निकाला जा रहा है। जानकारी मिलने के बाद पूर्व मंत्री कमल पटेल ने अस्पताल पहुंच कर घायलों के हालचाल जाने और परिजनों को मदद का आश्वासन दिया। घायलों की मदद के लिए कई लोग खुद रक्तदान करने जिला अस्पताल पहुंच रहे हैं। हरदा में हुए भीषण हादसे को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को दोपहर में आपात बैठक बुलाई। उन्होंने मंत्री प्रद्युम्न तोमर व उदय प्रताप सिंह, एसीएस अजीत केसरी, डीजी होम गार्ड अरविंद कुमार को तत्काल हरदा जाने के निर्देश दिए। इसके अलावा भोपाल, इंदौर में मेडिकल कालेज और एम्स भोपाल में बर्न यूनिट को आवश्यक तैयारी करने को कहा। इंदौर, भोपाल से फायर ब्रिगेड की दमकलों को भी हरदा भेजा जा रहा है। इसके साथ-साथ राहत कार्यों के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश जारी किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि, घायलों का बेहतर से बेहतर उपचार हमारी पहली प्राथमिकता है। मृतकों और घायलों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए सहायता देने की बात कही गई है। घटना की जांच के लिए स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव मोहम्मद सुलेमान की अध्यक्षता में एक समिति का गठन कर दिया है। इसमें धार्मिक न्यास विभाग के अपर मुख्य सचिव अजीत केसरी, गृह विभाग के प्रमुख सचिव संजय दुबे, नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई, होमगार्ड महानिदेशक अरविंद कुमार और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आलोक रंजन को सदस्य नियुक्त किया गया है। यह समिति अपनी जांच रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपेगी।

### *राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, पीएम...*

करती हूं। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने एक्स पर लिखा कि मध्य प्रदेश के हरदा में एक पटाखा फैक्टरी में आग लगने की घटना के कारण लोगों की मृत्यु से अत्यंत दुख हुआ। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मध्य प्रदेश के हरदा जिले में मंगलवार को एक पटाखा फैक्टरी में हुई दुर्घटना पर दुख जताया। प्रधानमंत्री ने पीएम राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपए के मुआवजे की घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पोस्ट में लिखा कि मध्य प्रदेश के हरदा में एक पटाखा फैक्टरी में दुर्घटना के कारण हुई लोगों की मृत्यु से व्यथित हूं। उन सभी के प्रति संवेदना जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। जो घायल हुए हैं वे जल्द से जल्द ठीक हों। स्थानीय प्रशासन सभी प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से दो लाख रुपए दिए जाएंगे। घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मध्य प्रदेश के हरदा में पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट पर दुख जताया है। खड़गे ने मंगलवार को एक्स पर लिखा कि हरदा में पटाखा फैक्टरी में हुए ब्लास्ट से कई लोगों की मृत्यु की खबर बहुत ही पीड़ादायक है। 100 से ज्यादा लोग घायल हैं। मृतकों के परिवारों के प्रति वह संवेदना प्रकट करते हैं। ईश्वर उनको इस कठिन समय में शक्ति प्रदान करें। खड़गे ने कहा कि आस-पास के घरों में आग लगने से जान-माल का नुकसान हुआ है, उसके लिए राज्य सरकार को उचित मुआवजा प्रदान करने की हम मांग करते हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि वो घायलों के उपचार व मदद के लिए हर संभव कदम उठाएं।

### *अजित पवार को...*

उन्हें *एनसीपी का नाम और प्रतीक* सौंप दिया। बता दें कि चुनाव आयोग ने आगामी राज्यसभा चुनावों को देखते हुए शरद पवार गुट को अपने राजनीतिक दल के लिए एक नाम का दावा करने का समय दिया है। साथ ही चुनाव आयोग ने कहा कि पार्टी के नाम और चिह्न को लेकर एक बार दावा करने का विकल्प दिया गया है और बुधवार दोपहर तक तीन प्राथमिकताएं देने के लिए कहा है। चुनाव आयोग ने कहा कि निर्णय में ऐसी याचिका की रखरखाव के निर्धारित परीक्षणों का पालन किया गया, जिसमें पार्टी संविधान के लक्ष्यों और उद्देश्यों का परीक्षण, पार्टी संविधान का परीक्षण और संगठनात्मक और विधायी दोनों बहुमत के परीक्षण शामिल हैं। चुनाव आयोग ने कहा, विधायी विंग में बहुमत के परीक्षण को मामले की इस परिस्थिति में अनुकूल पाया गया, जहां दोनों समूहों को पार्टी संविधान और संगठनात्मक चुनावों के बाहर काम करते पाया गया है। बता दें कि अजित पवार ने एनसीपी में बगावत की थी। उन्होंने पार्टी से अलग होकर अपने गुट के साथ पार्टी पर दावा किया था और अपने विधायकों के साथ महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना सरकार को समर्थन दिया था।

### *12 बांग्लादेशी नागरिक ...*

भारत में दाखिल हुए थे। इसीलिए उन्हें स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने पकड़ लिया और कानूनी प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। उन्होंने खुलासा किया कि नाबालिग को उसके रिश्तेदारों द्वारा अवैध रूप से ले जाया गया था और यातना और उत्पीड़न का सामना करते हुए अपने घर में काम करने के लिए मजबूर किया गया था। हालांकि, उन्होंने घर छोड़ दिया और पुलिस की शरण ली और आज 3 साल बाद वह घर लौट रही हैं। वापस भेजे गए बांग्लादेश के जमालपुर निवासी सोहन मियां (24) ने कहा कि वह एक कपड़ा कंपनी में काम करने के लिए त्रिपुरा में दाखिल हुए थे। उन्होंने बताया कि एक दलाल ने उसे प्रवेश करने में मदद की, लेकिन, बीएसएफ ने पकड़ लिया। 15 महीने के बाद वह आज घर लौट रहा है। वापस भेजे गए एक अन्य व्यक्ति एमडी रियाज हुसैन ने बताया कि उन्होंने दलालों के कारण भारत में प्रवेश किया और उन्हें बीएसएफ को सौंप दिया गया। 15 महीने बाद अब वे घर लौट रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें आज बहुत अच्छा लग रहा है कि वह अपने परिवार से मिलने के लिए घर जा रहे हैं। वह काम के लिए 2022 में अवैध रूप से त्रिपुरा में प्रवेश किया। दलाल ने उसे अच्छे पैसे दिलाने का वादा किया था। अपनी मां और भाई को लेने आए साजू राय ने कहा कि वे दलालों के जाल में फंस गए थे, जो उन्हें ईलाज के लिए अवैध रूप से त्रिपुरा ले गए, लेकिन बीएसएफ ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

### *विस से कांग्रेस ...*

के विधायक रूपक सरमाह ने अपना भाषण पूरा किया तो कांग्रेस विधायक तुरंत खड़े हो गए और बोलना शुरू कर दिया। अहमद ने सरमाह द्वारा साझा की गई जानकारी को अनुचित बताते हुए इसमें सुधार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरमाह ने 11,600 करोड़ रुपए की परियोजनाओं के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया, जिनकी आधारशिला दो दिन पहले यहां रखी गई थी। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं में केंद्र सरकार का निवेश केवल 250 करोड़ रुपए है और शेष खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। अहमद ने कहा कि ऐसे में प्रधानमंत्री को धन्यवाद देना गलत होगा क्योंकि यह राज्य का पैसा है जो इन परियोजनाओं पर खर्च किया जा रहा है। अध्यक्ष दैमारी ने अहमद को बोलने के लिए दिए जाने वाले समय के दौरान अपनी बात रखने को कहा लेकिन जब कांग्रेस विधायक चुप नहीं हुए तो अध्यक्ष ने उन्हें निलंबित करने का आदेश दिया। अहमद ने बाद में पत्रकारों से बात करते हुए दावा किया कि जब मार्शल ने उन्हें बाहर निकाला तो उनकी उंगली में चोट लग गई। अध्यक्ष ने यह स्पष्ट नहीं किया कि अहमद को कितने समय के लिए निलंबित किया गया है, लेकिन कांग्रेस विधायक ने कहा कि वह बुधवार को सदन में वापस आएंगे।

### *पीओके के लोगों ...*

लोड शेडिंग, खराब शिक्षा और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर गिलगित, मुजफ्फराबाद और पाकिस्तान के अवैध नियंत्रण वाले अन्य क्षेत्रों में व्यापक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इन क्षेत्रों में लोग कश्मीर एकजुटता दिवस को अस्वीकार कर रहे हैं और इस बात पर जोर दे रहे हैं कि वर्तमान परिदृश्य में इसका कोई महत्व नहीं है। न तो 5 फरवरी का कोई धार्मिक महत्व है और न ही इसका कोई ऐतिहासिक महत्व है। इसका न तो राजनयिक महत्व है और न ही कानूनी महत्व। जम्मू-कश्मीर ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी के नेता शौकत नवाज मीर ने अपने संबोधन में कहा- पाकिस्तान के साथ हमारा वर्षों से विवाद रहा है कि ये बांध हमारी संपत्ति हैं और इन संसाधनों पर हमारा नियंत्रण होना चाहिए। पिछले 76 वर्षों से हम हमारे अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं। पीओके में राजनेता हमें ये अधिकार प्रदान करने में विफल रहे हैं, जिसके कारण हमें सड़कों पर बैठने के लिए मजबूर होना पड़ा है। पाकिस्तान में कश्मीर एकजुटता दिवस के मौके पर पीओके में स्थानीय लोगों और कई संगठनों को आजादी के नारे लगाते देखा जा रहा है। इलाके में *कश्मीर बनेगा खुदमुख्तार* या *कश्मीर आजाद होगा* जैसे नारे गूंज रहे हैं। पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले पीओके और गिलगित बाल्टिस्तान में लोगों को खाना खिलाया जा रहा है और वे पाकिस्तानी सेना और प्रशासन से क्षेत्र छोड़ने की मांग कर रहे हैं।

### *लखनऊ की जेल...*

की सभी जेलों में समय-समय पर एचआईवी संक्रमित लोगों की जांच करते हैं। लखनऊ जेल में भर्ती होने के बाद एक भी व्यक्ति एचआईवी संक्रमित नहीं हुआ है। वे पहले से ही संक्रमित थे। अधिकांश प्रभावित कैदी नशीली दवाओं के दुरुपयोग के कारण संक्रमित हुए थे। ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस (एचआईवी) संक्रमित व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित करता है और उसे पंगु बना देता है। अगर रोगी का इलाज नहीं किया जाता है, तो यह वायरस गंभीर बीमारी एक्वायर्ड इम्यून डेफिशिएंसी सिंड्रोम का कारण बन सकता है, जिसे एड्स भी कहा जाता है। एचआईवी संक्रमण का सबसे गंभीर चरण एड्स है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, एचआईवी, संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थ से फैलता है, जिसमें रक्त, स्तन का दूध, वीर्य और योनि तरल पदार्थ शामिल हैं। यह चुंबन, आलिंगन या भोजन साझा करने से नहीं फैलता है। यह मां से उसके बच्चे में भी फैल सकता है।

### *एक राष्ट्र-एक चुनाव ...*

उन्होंने ममता बनर्जी के लिखे एक पत्र का जिक्र करते हुए एक राष्ट्र, एक चुनाव के विचार का विरोध किया। उन्होंने कहा कि हम पूर्व राष्ट्रपति की अध्यक्षता वाली समिति के साथ हुई बैठक में शामिल हुए। हमने अपनी नेता ममता बनर्जी के लिखे पत्र का जिक्र किया। हमने बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि हम एक राष्ट्र, एक चुनाव के विचार का विरोध कर रहे हैं। यह भविष्य में तानाशाही सरकार बनाने का एक गुप्त एजेंडा है। कल्याण बनर्जी ने कहा कि पहले पूरे भारत में व्यावहारिक रूप से दो राष्ट्रीय राजनीतिक दल थे। अब अनेक क्षेत्रीय दल हैं। संविधान स्वयं कहता है कि जहां तक राज्य विधायिका का सवाल है, यह जनता की इच्छा है कि वह पांच साल के लिए अपनी सरकार चुने। इसी तरह लोग पांच साल के लिए केंद्र सरकार चुनेंगे। ये दो प्रावधान संविधान की मूल संरचना हैं। उन्होंने कहा कि इन संवैधानिक प्रावधानों में हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता और एक राष्ट्र एक चुनाव की अवधारणा पेश कर जनता की शक्ति को कम नहीं किया जा सकता। टीएमसी के नेता ने कहा कि मान लीजिए कि कोई राज्य सरकार गिर जाती है। ऐसा अब हर जगह हो रहा है। उस स्थिति में, क्या वह राज्य सरकार बरकरार रहेगी या शेष अवधि के लिए राष्ट्रपति शासन लगाया जाएगा? उस स्थिति में लोगों की पसंद से समझौता किया जाएगा... यह विचार वास्तव में देश के संघीय ढांचे में ही हस्तक्षेप है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से विपक्षी दल कह रहे हैं कि केंद्र सरकार देश के संघीय ढांचे में हस्तक्षेप कर रही है। इसलिए, हम इस विचार का विरोध कर रहे हैं। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने पिछले महीने एक राष्ट्र, एक चुनाव को लेकर उच्चस्तरीय समिति को पत्र लिखकर कहा था कि वह इस अवधारणा से सहमत नहीं हैं।

### *उत्तराखंड विस में ...*

का दावा करने का अधिकार होगा। यही नहीं, सहवासी संबंध से जनित कोई भी बच्चा उस युगल की वैध संतान माना जाएगा और उसे सभी अधिकार प्राप्त होंगे। विधेयक में लिव इन रिलेशनशिप को लेकर सख्त प्रविधान करने के साथ ही इसकी परिभाषा को भी रेखांकित किया गया है। एक वयस्क पुरुष व महिला ही लिव इन रिलेशनशिप में रह सकते हैं। वह भी तब, जबकि वे पहले से अविवाहित हों अथवा किसी अन्य के साथ लिव इन में न रह रहे हों। साथ ही निषेध संबंधों की डिग्री में न आते हों।

# भ्रष्ट कांग्रेसियों के मुंह से प्रधानमंत्री की आलोचना शोभा नहीं देती : मनोज बरुवा

**गुवाहाटी ( हिंस )।** भाजपा के मुख्य प्रवक्ता मनोज बरुवा ने कहा कि केंद्र सरकार पिछले साढ़े नौ वर्षों में असम के समग्र विकास के लिए एक बड़ी धनराशि आवंटित कर चुकी है और बुनियादी ढांचे के निर्माण के माध्यम से इसे विकास के नए क्षितिज पर पहुंचाया है। ऐसे में हताश असम प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व आरोप पूरी तरह से निराधार, मनगढ़ंत और राजनीति से प्रेरित हैं। भ्रष्टाचार का रिकॉर्ड बनाने वाले नेता को नरेंद्र मोदी की आलोचना शोभा नहीं देती। बशिष्ठ स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय पर मंगलवार को भाजपा के मुख्य प्रवक्ता मनोज बरुवा एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी नीत एनडीए सरकार असम और पूर्वोत्तर के समग्र विकास के लिए संकल्पबद्ध और प्रतिबद्ध है। बरुवा ने कहा कि छह दशक से अधिक समय तक सत्ता में रही कांग्रेस पार्टी ने पूरे देश के लोगों को धोखा दिया है। उस कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व के मुंह से धोखे और विश्वासघात की बात जनता स्वीकार नहीं करेगी। मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान वर्ष 2014 में बजट 12 लाख करोड़ रुपए था। मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार का हालिया बजट 44 लाख करोड़ रुपए है। दोनों सरकारों के बजट में जमीन-आसमान का अंतर है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2004 से 2014 के बीच हिंसा की 11, 121 घटनाएं हुईं। केंद्र में भाजपा की सरकार आने के बाद संघर्षग्रस्त असम और पूर्वोत्तर में शांति स्थापित हुई है। 2014 से 2023 तक, भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के दौरान ऐसे मामलों की संख्या घटकर 3, 114 हो गई। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही शांति प्रक्रिया के परिणामस्वरूप पूर्वोत्तर का 75 प्रतिशत हिस्सा वर्तमान में सशस्त्र बल अधिनियम की विशेष शक्तियों से मुक्त है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार का छह दशक से अधिक समय से धोखाधड़ी का इतिहास रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा के नेतृत्व में पूरे राज्य में वास्तविक विकास हो रहा है। इसलिए कांग्रेस नेता अब चिंतित हैं। संवाददाता सम्मेलन में असम प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता कल्याण गोगोई व अन्य प्रवक्ता सुभाष दत्ता भी मौजूद रहे। प्रवक्ता दत्ता ने प्रदेश कांग्रेस नेता और विधायक भरत नरह पर कटाक्ष करते कहा कि नरह इन दिनों ढकुआखाना जाने में शर्माते हैं। पहले हर वर्ष मातमारा में रेत से तटबंध बांधकर सरकारी खजाने का पैसा लूटने वाले भरत नरह अब एक बार मातमारा जाकर नरेंद्र मोदी सरकार के विकास का मॉडल देख लें। पार्टी प्रवक्ता सुभाष दत्ता ने कहा कि लुटेरों के मुंह से नीति की बातें शोभा नहीं देती हैं। यूपीए शासन के दौरान 13वें वित्त आयोग ने असम को केवल 58 हजार करोड़ रुपए आवंटित किए थे लेकिन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने 14वें वित्त आयोग के माध्यम से असम को 1 लाख 55 हजार करोड़ रुपए जारी किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कच्चे तेल की रॉयल्टी का धन 7, 770 करोड़ रुपए जारी किए। असम के प्रति प्रधानमंत्री मोदी की ईमानदारी दिखाते हुए नुमालीगढ़ रिफाइनरी की शोधन क्षमता को तीन मिलियन मीट्रिक टन से बढ़ाकर नौ मिलियन मीट्रिक टन कर दिया और नुमालीगढ़ में जैव-रिफाइनरी का निर्माण शुरू कर दिया। कांग्रेस की अनदेखी के बदले भाजपा सरकार ने पिछले साढ़े नौ वर्षों में असम के विकास के लिए 4 लाख 70 हजार करोड़ रुपए जारी किए हैं। सुभाष दत्ता ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल के दौरान असम में रहने वाले 36 प्रतिशत अति दरिद्र लोगों में से 22.5 प्रतिशत लोग गरीबी से बाहर निकलने और बेहतर जीवन प्राप्त करने में सक्षम हुए हैं।

# 2001 से 14 तक लिया गया ऋण प्राय : लौटा चुकी है सरकार: अजंता

**गुवाहाटी ( हिंस )।** राज्य के वित्त आदि मामलों की मंत्री अजंता नेउग ने कहा है कि उनकी सरकार ने वर्ष 2001 से लेकर 2014 तक असम सरकार द्वारा लिए गए ऋण का अधिकांश हिस्सा लौटा चुकी है। शेष राशि सरकार शीघ्र चुकाने जा रही है। वित्त मंत्री अजंता नेउग आज असम विधानसभा के बजटकालीन अधिवेशन के दूसरे दिन प्रश्नकाल के दौरान विधायक अखिल गोगोई के वित्त विभाग संबंधी प्रश्नों का सदन में उत्तर दे रही थीं। उन्होंने कहा कि असम सरकार को इसके लिए धन्यवाद दिया जाना चाहिए। एक प्रश्न के उत्तर में वित्त मंत्री ने कहा कि असम सरकार ने अब तक जितना ऋण लिया है वह सभी एएफआरबीएम एक्ट के अनुकूल है। एक्ट के अनुसार असम सरकार अपने सकल घरेलू उत्पाद का 3.5 फीसदी ऋण ले सकती है। वहीं, एक्ट के अनुसार सकल घरेलू उत्पाद और लिए गए ऋण की राशि का अनुपात 32 फीसदी तक हो सकता है। जबकि, असम सरकार द्वारा इस अनुपात को 23.47 फीसदी पर रखा गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि देश के अन्य राज्यों की तुलना में इस मामले में असम 27वें स्थान पर है। असम सरकार चाहे तो और ज्यादा ऋण ले सकती है। मंत्री अजंता ने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में बताया कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 293 (3) के अनुसार वित्तीय संस्थान नाबार्ड के तहत आरआईडीएफ, डब्ल्यूआईएफ, एलटीआईएफ से असम सरकार द्वारा लिया गया है। इसके अलावा असम सरकार ने केंद्रीय बजट में निर्धारित राशि के अनुसार केंद्रीय ऋण के रूप में ब्लॉक लोन (ईएपी) लिया है, जिसमें 90 फीसदी केंद्रीय अनुदान तथा 10 फीसदी लोन शामिल है। इसके अलावा असम सरकार ने केंद्र सरकार से विशेष सहायता ऋण लिया है, जिसपर 50 वर्ष तक ब्याज नहीं देना पड़ेगा। इनके अलावा असम सरकार ने भविष्य निधि के नियम के अनुसार राज्यिक भविष्य निधि से लिया है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में वित्त मंत्री ने बताया कि असम का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2015-16 में 2, 27, 959 करोड़ रुपए था, जबकि 2022-23 में राज्य का सकल घरेलू उत्पादन बढ़कर 4, 93, 167 करोड़ रुपए हो गया। यही वजह है कि राज्य सरकार को और अधिक ऋण लेने की सुविधा मिल गई। वित्त मंत्री अजंता ने बताया कि 2016-17 में असम सरकार ने 5, 649.45 करोड़ रुपए का ऋण लिया था। जबकि, 2017-18 में 10, 476.02 करोड़ रुपए, 2018-19 में 14, 003.88 करोड़ रुपए, 2019-20 में 16, 634.53 करोड़ रुपए, 2020-21 में 19, 256.59 करोड़ रुपए, जबकि 2021-22 में 17, 148.41 करोड रुपए एवं 2022-23 में 25, 902.16 करोड़ रुपए का ऋण प्राप्त किया। मंत्री अजंता ने बताया कि 31 मार्च 2016 तक असम सरकार के ऊपर कुल 35, 690.22 करोड़ रुपए का ऋण था, जिसमें से 2022-23 तक असम सरकार 22, 790 करोड़ रुपए चुका चुकी है। शेष ऋण की राशि को भी समय पर चुका दिया जाएगा।

# पद्मश्री प्रो एचसी वर्मा ने बच्चों को भौतिक विज्ञान का अर्थ बताया

**गुवाहाटी ( हिंस )।** केंद्रीय विद्यालय, पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी, लेखक और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर के पूर्व प्रोफेसर सुप्रसिद्ध शिक्षाविद पद्मश्री प्रो. हरीश चंद्र वर्मा के साथ *फिजिक्स प्रसपेक्टिव और इंटरैक्शन* पर एक संवाद सत्र आयोजित किया। मुख्य अतिथि प्रो. एचसी वर्मा और पूसीरे के लमडिंग के डीआरएम प्रेम रंजन कुमार ने छात्रों के साथ विचार-विमर्श किया। इस संवाद सत्र में लमडिंग के तीन विभिन्न स्कूलों के कुल 340 छात्रों ने हिस्सा लिया। इस सत्र की शुरुआत प्रो एचसी वर्मा ने भौतिक विज्ञान क्या है और यह रोजमर्रा की जिंदगी से कैसे संबंधित है, पर विस्तार से चर्चा की। दैनिक जीवन में उपयोग में आने वाले विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा और वास्तविक जीवन के प्रयोगों का प्रदर्शन कर उन्होंने सत्र को और अधिक रोचक बना दिया। उन्होंने छात्रों को दैनिक जीवन अवलोकन और घटनाओं के महत्व के बारे में भी बताया।

# असम के 24, 152 गांवों में पहुंचाया गया पेयजल : जयंत मल्लबरुवा

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम सरकार के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने कहा है कि असम के 24, 152 गांवों में पेयजल पहुंचाया जा रहा है। मंत्री मल्लबरुवा आज असम विधानसभा के चालू बजटकालीन अधिवेशन के दूसरे दिन प्रश्नकाल के दौरान विधायक विद्या सिंह इंग्लेंग के पेयजल आपूर्ति संबंधी प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। मंत्री ने कहा कि पूरे राज्य में जल जीवन मिशन के अधीन 70, 36, 793 परिवारों के 3, 27, 53, 261 लोगों को पेयजल उपलब्ध करवाने का सरकार का लक्ष्य है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने बताया कि कार्बी आंग्लांग जिले में अबतक 611 गांवों में जल जीवन मिशन के तहत शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की जा चुकी है, जबकि शेष बचे 1177 गांवों में चालू वर्ष के अंदर पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था कर दी जाएगी। मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने बताया कि जल जीवन योजना के लिए शुरू से लेकर अब तक केंद्र सरकार द्वारा 35, 088.40 करोड़ रुपए धार्य किए गए। जिसमें से अबतक 14, 136.20 करोड़ रुपए आवंटित कर दिए गए। इसमें से चालू वर्ष की 30 जनवरी तक केंद्रीय अनुदान का 13161.59 करोड़ रुपए यानी 93.10 फीसदी खर्च किए जा चुके हैं। मंत्री द्वारा दिए जा रहे मौखिक तथा पूरक प्रश्नों के उत्तर के दौरान विपक्षी सदस्यों द्वारा शोर-शराबा किए जाने के करण अध्यक्ष बिश्वजीत दैमारी ने सदन की कार्यवाही को 10 मिनट के लिए स्थगित कर दिया।

# हत्या के आरोप में महिला समेत दो गिरफ्तार

**गुवाहाटी ( हिंस )।** राजधानी गुवाहाटी के पांच सितारा होटल रेडिशन ब्लू में हुई एक लोमहर्षक हत्याकांड के मामले में पुलिस ने एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आज एक संवाददाता सम्मेलन में गुवाहाटी पुलिस कमिश्नर दिगंत बोरा ने बताया कि हत्या के दोनों ही आरोपितों को लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा पर जाते समय घात लगाकर रास्ते में गिरफ्तार किया गया। दोनों पर पुणे निवासी संदीप सुरेश कुंबले (44) की हत्या करने का आरोप है। इस सिलसिले में राजधानी के जालकुबारी थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान पश्चिम बंगाल निवासी अंजलि साव (25) तथा उसके प्रेमी विकास कुमार साव (23) के रूप में की गई है। पुलिस ने बताया कि मृतक संदीप से अंजलि की मुलाकात एक हवाईअड्डे पर हुई थी, जहां से दोनों के बीच संबंध स्थापित हो गया। दोनों एक दूसरे के साथ मिलते थे तथा उनके बीच अंतरंग संबंध भी था। लेकिन, कुछ समय बाद मृतक संदीप ने अंजलि के सामने शादी का प्रस्ताव रखा। जिसपर अंजलि सहमत नहीं हो रही थी। संदीप के पास अंजलि के साथ अंतरंग पलों की तस्वीरें थीं, जिसको लेकर वह अंजलि को ब्लैकमेल करते हुए शादी के लिए मजबूर करने लगा। आखिरकार अंजलि ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर संदीप से उसका मोबाइल फोन छीनने की योजना बनाई। इसी योजना के तहत संदीप को कोलकाता बुलाया गया। लेकिन, वह कोलकाता आने से इनकार किया। बाद में गुवाहाटी आने पर उसकी सहमति हुई। योजना के अनुसार तीनों अलग-अलग से गुवाहाटी पहुंचे। संदीप और अंजलि की मुलाकात योजना के अनुसार हवाईअड्डे पर हुई। जहां से संदीप और अंजलि राजधानी के रेडिसन ब्लू होटल के कमरा नंबर 922 में पहुंचे। अंजलि ने दरवाजा खुला छोड़ दिया था, जिसमें उसका प्रेमी विकास जाकर घुस गया।

## 31 करोड़ की ड्रग्स के साथ महिला सहित दो गिरफ्तार

**एजल ( हिंस )।** मिजोरम में पुलिस ने जोखावथार थाना अंतर्गत मेलबुक इलाके में छापेमारी कर 31 करोड़ रुपए की 10.385 किलोग्राम नशीली दवा *क्रिस्टल मेथ* के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला है। राज्य पुलिस मुख्यालय के अनुसार मंगलवार सुबह करीब साढ़े दस बजे एक सूचना के आधार पर सीआईडी (एसबी) और चंपाई जिले डीईएफ की संयुक्त टीम ने जोखावथार थाना अंतर्गत मेलबुक इलाके में छापेमारी की।

# विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कल से

**गुवाहाटी।** गुवाहाटी के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उच्च अध्ययन संस्थान में 8 फरवरी से 10 फरवरी तक सतत चिकित्सा शिक्षा एवं स्नेकसिंप 2024 के अंतर्गत तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा, आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में सर्प दंश की घटनाओं के प्रबंधन से जुड़ी बहुमुखी चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक सहयोगी मंच प्रदान करना है। आईएएसएसटी इंडियन मेडिकल एसोसिएशन असम चैप्टर के सहयोग से सर्पदंश समस्या और अस्पताल प्रबंधन विषय पर केंद्रित सतत चिकित्सा शिक्षा सत्र की भी मेजबानी करेगा सीएम सत्र में राज्य के एचएम मिशन निदेशक, स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक, चिकित्सा शिक्षा निदेशक, एनएचएम के कार्यकारी निदेशक, राज्य निगरानी अधिकारी, आईडीएसपी और एनएचएम के सर्पदंश रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी सहित और कई प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल होंगे, तीन दिवसीय कार्यक्रम में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं को एक मंच पर लाने का प्रयास किया गया है, विश्व औषधि विज्ञान तथा औषधी खोज नामक यह विषय विशेष रूप से गंभीर बीमारियों को लक्षित करने वाली दवाएं तैयार करने के लिए सर्प विष के विषाक्त पदार्थ में अनुसंधान को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, कार्यक्रम में नेशनल यूनिवर्सिटी आफ सिंगापुर, मलय विश्वविद्यालय मलेशिया, पोर्टो विश्वविद्यालय पुर्तगाल, सहित कई भारतीय संस्थान जिनमें मैसूर विश्वविद्यालय, आईआईसीबी कोलकाता, एसआरएमआईएसटी चेन्नई, आईआईएस बेंगलुरु, एवीवी कोची के साथ ही आईएएसएसटी गुवाहाटी, डेमो मॉडल अस्पताल सह स्वास्थ्य केंद्र तेजपुर विश्वविद्यालय दरंग कॉलेज असम एवं नेहू शिलांग जैसे प्रसिद्ध वैश्विक संस्थाओं के प्रतिष्ठित शिक्षाविद भाग ले रहे हैं। आईएएसएसटी के निदेशक तथा प्रसिद्ध विष विज्ञानी प्रोफेसर आशीष कुमार मुखर्जी ने बताया कि सर्प दंश के मुद्दों के समाधान के लिए उन्नत रणनीति बनाने एवं समझने के लिए यह मंच एक बहुत ही कारगर समाधान पर पहुंचने का आधार बनेगा, यह आयोजन कैंसर, उच्च रक्तचाप व अन्य गंभीर बीमारियों के इलाज पर ध्यान केंद्रित करते हुए क्षेत्र में अनुसंधान और समाधान को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

# असम में 2, 31, 84, 599 राशन कार्ड धारक हैं : रंजीत दास

**गुवाहाटी ( हिंस )।** राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री रंजीत कुमार दास ने बताया कि राज्य में कुल 2, 31, 84, 599 राशन कार्ड धारक हैं। मंत्री दास असम विधानसभा के बजट कालीन अधिवेशन के दूसरे दिन आज विधायक आबुल कालाम रशीद आलम द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। मंत्री ने यह भी बताया कि कैबिनेट में लिए गए निर्णय के अनुसार इसी बीच 42, 85, 745 नए लोगों के नाम राशन कार्ड में शामिल करने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि कैबिनेट के निर्णय के अनुसार अब केंद्र तथा राज्य सरकार की सेवाओं से अवकाश प्राप्त कर चुके चतुर्थ वर्गीय कर्मचारियों को भी राशन कार्ड की सुविधा दी जाएगी। एक प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि राशन कार्ड आवंटन की व्यवस्था विधानसभा क्षेत्र के हुए पुनर्निर्धारण के आधार पर की गई है। इस बीच कांग्रेस विधायक आलम ने कहा कि वह विधानसभा के पुराने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, इसलिए उनके कार्यकाल तक विधानसभा के पुराने क्षेत्र के आधार पर राशन कार्ड की व्यवस्था की जानी चाहिए। मंत्री ने कहा कि राज्य के 74.4 फीसदी लोगों को राशन कार्ड उपलब्ध करवा दिया जाएगा। विजिलेंस कमेटी की बैठक के संदर्भ में पूछे गए एक सवाल पर मंत्री दास ने कहा कि चार तरह के विजिलेंस एवं मॉनिटरिंग कमेटी है। जिला स्तर पर, विधानसभा क्षेत्र के स्तर पर, ब्लॉक स्तर पर तथा राशन कार्ड के दुकान के स्तर पर कमेटियां बनाई गई हैं।

# जीगा इलेक्ट्रिकल्स को *इलेक्ट्रोफेस्ट* एक्सपो में मिला पुरस्कार

**गुवाहाटी ( विभास )।** पलटन बाजार स्थित आशी अप्सरा में संपन्न हुए इलेक्ट्रोफेस्ट एक्सपो में गुवाहाटी इलेक्ट्रिक मर्चेंट्स एसोसिएशन (जेमा) की ओर से आयोजित सर्वश्रेष्ठ स्टॉल प्रतियोगिता में सिलिगुड़ी की जीगा इलेक्ट्रिक्लस द्वितीय रनरअप रही। जीगा की ओर से यह पुरस्कार निदेशक अतुल गोयल, प्रणय गोयल व उनकी टीम ने ग्रहण किया। इस मौके पर श्री गोयल ने कहा कि जीगा इलेक्ट्रिकल्स सिलिगुड़ी की कंपनी है, जो एलईडी व ईलेक्ट्रिकल सल्यूशन के लिए विख्यात है। इनमें स्वीच, एसोसरिज, स्वीच गेयर, पीवीसी केसिंग, प्रोफाइल लाइट्स, स्मार्ट लाइटिंग सिस्टम, सेंसर, सभी तरह के एलईडी तथा स्मार्ट लाइटिनिंग की रेंज का उत्पाद करती है। राज्य भर में जीगा के डीलर्स मौजूद है। जीगा इलेक्ट्रिकल्स की विशेष बात यह है कि कंपनी मोबाइल एप बेज्ड लाइटिंग सिस्टम तैयार करती है जो बदलते दौर व समय की मांग को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। तीन दिवसीय इलेक्ट्रोफेस्ट एक्सपो के दौरान वहां आने वाले लोगों ने जीगा के मोबाइल एप बेज्ड लाइटिंग की रेंज को काफी सराहा।

**NOTIFICATION**

On the basis of the performance of the candidate in the written examination held on 28-01-2024 and on the basis of recommendation of the Selection Board the following candidates have been found eligible for appearing for viva voce to be held on 18-02-2024.

| SL. NO. | ROLL NO. | SL. NO. | ROLL NO. |
|---|---|---|---|
| 1 | 1603 | 39 | 0888 |
| 2 | 1077 | 40 | 0959 |
| 3 | 0557 | 41 | 1021 |
| 4 | 0684 | 42 | 1155 |
| 5 | 0816 | 43 | 0982 |
| 6 | 1047 | 44 | 1023 |
| 7 | 1610 | 45 | 1030 |
| 8 | 0111 | 46 | 1193 |
| 9 | 1122 | 47 | 0838 |
| 10 | 1485 | 48 | 1045 |
| 11 | 0212 | 49 | 1067 |
| 12 | 0434 | 50 | 1103 |
| 13 | 0468 | 51 | 1115 |
| 14 | 0735 | 52 | 1135 |
| 15 | 1395 | 53 | 1173 |
| 16 | 1396 | 54 | 1340 |
| 17 | 1540 | 55 | 1447 |
| 18 | 0005 | 56 | 1457 |
| 19 | 0267 | 57 | 1475 |
| 20 | 0416 | 58 | 1291 |
| 21 | 0506 | 59 | 1594 |
| 22 | 0527 | 60 | 1615 |
| 23 | 0587 | 61 | 1589 |
| 24 | 0631 | 62 | 1593 |
| 25 | 0786 | 63 | 1596 |
| 26 | 0989 | 64 | 1621 |
| 27 | 1093 | 65 | 1651 |
| 28 | 1130 | 66 | 1675 |
| 29 | 1283 | 67 | 1611 |
| 30 | 1302 | 68 | 1680 |
| 31 | 1517 | 69 | 1667 |
| 32 | 1783 | 70 | 1703 |
| 33 | 0870 | 71 | 1739 |
| 34 | 1166 | 72 | 1719 |
| 35 | 1195 | 73 | 1737 |
| 36 | 0952 | 74 | 1718 |
| 37 | 0895 | 75 | 1731 |
| 38 | 1055 | | |

The candidates are directed to bring all the original testimonials of educational qualification, age proof, caste certificate, if any.

Candidates are directed to report before the interview Board at 9 a.m. for scrutiny of their documents.

The candidates shall have to execute an undertaking as regards their qualification as per the advertisement.

Calling of the aforementioned candidates at the viva voce / interview is purely provisional and does not mean acceptance of their candidature, which shall be further scrutinized by the appointing authority who reserves the right to reject the candidature of the candidate at any time.

The candidates shall be subject to fulfillment of all the criteria mentioned in the advertisement dated 10-08-2022

No TA/DA will be paid to the candidates.

Sd/-
District and Sessions Judge,
Cachar, Silchar

*-- Janasanyog /D/17351/23/7-Feb-24*

संपादकीया

## ज्ञानवापी परिसर में पूजा के मायने

**भगवान** शिव की नगरी काशी में अब हर-हर महादेव की गूंज है। वर्षों से न्याय की प्रतिक्षा कर रहे हिन्दुओं के लिए मानो अच्छे दिन आ गए हों। अयोध्या में भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर श्रीरामलला का मंदिर बनने के बाद काशी को लेकर उत्साहजनक संकेत मिल रहे हैं। काशी में ज्ञानवापी परिसर को लेकर पहले भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की रिपोर्ट सामने आई, जिससे यह सत्य स्थापित होता है कि तथाकथित मस्जिद का ढांचा मंदिर के ऊपर ही बनाया गया है। एक समय में वहाँ विशाल हिन्दू मंदिर था। सर्वेक्षण में ऐसे अनेक प्रमाण मिले हैं, जिन्हें देखने के बाद कोई भी निर्दोष व्यक्ति यह कहेगा ही कि मंदिर को तोड़कर यह मस्जिदनुमा ढांचा खड़ा किया गया है। हिन्दू समाज की सहनशीलता है कि सच जानते हुए इतने वर्षों से उसने कभी अवैध कब्जे को हटाया नहीं अपितु अपने ही अधिकार के लिए न्याय के मार्ग का अनुसरण किया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की रिपोर्ट के बाद मुस्लिम समुदाय के उदार बंधुओं को एकजुट होकर सामने आना चाहिए और कट्टरपंथी धड़े को आईना दिखाते हुए ज्ञानवापी परिसर को पूरी तरह हिन्दू समाज को सौंप देना चाहिए। हिन्दू समाज इस पहल की वर्षों से प्रतीक्षा कर रहा है। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुस्लिम समाज का उदार वर्ग कभी भी एकजुट होकर सामने नहीं आता जबकि कट्टरपंथी तत्व आगे बढ़कर समूचे मुस्लिम समाज का चेहरा बन जाते हैं। ऐसे कट्टरपंथी तत्वों के कारण ही सदैव से मुस्लिम समाज की छवि धूमिल होती रही है। हैरानी होती है कि कोई समाज अपने आप के धर्मांत आतातायियों के साथ कैसे जोड़ सकता है? औरंगजेब ने जो अपराध किए, उन पर गौरव करने की जगह, शर्मिंदगी महसूस करनी चाहिए। इतने प्रमाण सामने आने के बाद भी मुस्लिम पक्ष ने व्यासजी की पूजा-अर्चना पर रोक लगाने के लिए उच्च न्यायालय की ओर दौड़ लगाई। कुछ भी करके सच को बदला तो नहीं जा सकता। उच्च न्यायालय ने भी मुस्लिम पक्ष की माँग को खारिज करके पूजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। ऐसा प्रतीत होता है कि मुस्लिम समुदाय अपनी मानसिकता में बदलाव लाने के लिए तैयार नहीं है। बहरहाल, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की रिपोर्ट के साथ ही एक और अच्छी खबर वाराणसी से आई। न्यायालय ने ज्ञानवापी परिसर के भूगर्भगृह में, जिसे व्यासजी तहखाना कहा जा रहा है, वहाँ पूजा करने की अनुमति दे दी है। न्यायालय ने प्रशासन को सात दिन का समय दिया था लेकिन प्रशासन ने उसी दिन से पूजा करने की व्यवस्था कर दी। इस निर्णय से सरकार-सरकार का फर्क दिखायी देता है। एक सपा सरकार थी, जिसने ज्ञानवापी में पूजा पर रोक लगावा दी थी, वहीं एक योगी सरकार है जिसने न्यायालय के निर्णय के बाद तत्काल पूजा शुरू करा दी। ज्ञानवापी परिसर के प्रकरण में भी हिन्दुओं की आस्था एवं भावनाओं के साथ भाजपा ही खड़ी दिखायी दे रही है जबकि अन्य राजनीतिक दल अभी भी दूर खड़े हैं। सब कुछ तथ्य उजागर होने के बाद भी हिन्दुओं की भावनाओं का साथ देने की अपेक्षा चुप्पी साधने को न्यायपूर्ण नहीं कहा जा सकता। कथित न्याय यात्रा निकाल रही कांग्रेस भी ज्ञानवापी प्रकरण पर न्याय की बात करती हुई दिखायी नहीं दे रही है। यदि सब राजनीतिक दल मिलकर प्रमाणों एवं तथ्यों के साथ खड़े दिखायी दें, तो संभव है कि मुस्लिम समुदाय के कट्टरपंथी धड़े के तेवर कमजोर पड़ जाएं और वहाँ भी उदारवादी मुस्लिमों को आगे आने का संबल मिल जाए। मुस्लिम पक्ष जिस सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल अयोध्या में स्थापित करने से चूक गया, उसे वह वाराणसी और मथुरा में कर सकता है। ईश्वर ने उसे एक मौका फिर से दिया है।

काशी में ज्ञानवापी परिसर को लेकर पहले भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की रिपोर्ट सामने आई, जिससे यह सत्य स्थापित होता है कि तथाकथित मस्जिद का ढांचा मंदिर के ऊपर ही बनाया गया है। एक समय में वहाँ विशाल हिन्दू मंदिर था। सर्वेक्षण में ऐसे अनेक प्रमाण मिले हैं, जिन्हें देखने के बाद कोई भी निर्दोष व्यक्ति यह कहेगा ही कि मंदिर को तोड़कर यह मस्जिदनुमा ढांचा खड़ा किया गया है। हिन्दू समाज की सहनशीलता है कि सच जानते हुए इतने वर्षों से उसने कभी अवैध कब्जे को हटाया नहीं अपितु अपने ही अधिकार के लिए न्याय के मार्ग का अनुसरण किया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की रिपोर्ट के बाद मुस्लिम समुदाय के उदार बंधुओं को एकजुट होकर सामने आना चाहिए और कट् टरपंथी धड़े को आईना दिखाते हुए ज्ञानवापी परिसर को पूरी तरह हिन्दू समाज को सौंप देना चाहिए। हिन्दू समाज इस पहल की वर्षों से प्रतीक्षा कर रहा है। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुस्लिम समाज का उदार वर्ग कभी भी एकजुट होकर सामने नहीं आता जबकि कट् टरपंथी तत्व आगे बढ़कर समूचे मुस्लिम समाज का चेहरा बन जाते हैं। ऐसे कट् टरपंथी तत्वों के कारण ही सदैव से मुस्लिम समाज की छवि धूमिल होती रही है। हैरानी होती है कि कोई समाज अपने आप के धर्मांत आतातायियों के साथ कैसे जोड़ सकता है? औरंगजेब ने जो अपराध किए, उन पर गौरव करने की जगह, शर्मिंदगी महसूस करनी चाहिए।

### नए अंतरिम बजट से ऐसे विभिन्न जरूरतमंद वर्ग जो तत्काल रियायतों की अपेक्षा कर रहे थे

## विकसित भारत के पक्के इरादों का बजट

डा. जयंतीलाल भंडारी

**यकीनन** वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा पेश किया गया वर्ष 2024-25 का अंतरिम बजट आम आदमी की खुशहाली और देश के तेजी से विकास के दावों, वादों, इरादों और वित्तीय अनुशासन का आदर्श गुलदस्ता है। इस बजट में गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, ग्रामीण विकास और बुनियादी ढांचा क्षेत्र के लिए जो अहम घोषणाएं की गई हैं, उनसे विकास और आर्थिक कल्याण का नया अध्याय लिखा जा सकेगा। साथ ही यह अंतरिम बजट विकास का ऐसा रोडमैप भी है, जिससे अगले तीन वर्षों में देश पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनकर दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 तक दुनिया का विकसित देश बनने की डगर पर आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे सकेगा। यदि हम वित्तमंत्री सीतारमण के द्वारा अंतरिम बजट में प्रस्तुत किए गए वर्ष 2023-24 के आय-व्यय से संशोधित अनुमान की स्थिति देखें तो पाते हैं कि उधार को छोड़क़र कुल प्राप्तियों का संशोधित अनुमान 27.56 लाख करोड़ रुपए है जिसमें से कर प्राप्ति 23.24 लाख करोड़ रुपए है। कुल व्यय का संशोधित अनुमान 44.90 लाख करोड़ रुपए है। 30.03 लाख करोड़ रुपए की राजस्व प्राप्ति बजट अनुमान से अधिक रहने की उम्मीद है, जो अर्थव्यवस्था में मजबूत विकास दर और इसके औपचारीकरण को दर्शाता है। इसी तरह वर्ष 2024-25 के बजट के तहत उधारी से इतर कुल प्राप्तियां और कुल व्यय क्रमशः 30.80 लाख करोड़ रुपए और 47.66 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है।

कर प्राप्तियां 26.02 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। निःसंदेह देश की आजादी के बाद से अब तक जितने अंतरिम बजट आए हैं, उन सभी बजटों में वित्तीय अनुशासन के मद्देनजर वित्तमंत्री सीतारमण का यह बजट चमकता हुआ दिखाई दे रहा है। खासतौर पर वर्ष 2000 के बाद प्रस्तुत हुए तीन अंतरिम बजटों में लोकलुभावन घोषणाएं की गई थी और कर उपायों की अनदेखी की गई थी। साथ ही पिछले लोकसभा चुनाव के पहले कार्यवाहक वित्तमंत्री पीयूष गोयल के वर्ष 2019-2020 के अंतरिम बजट में किसान सम्मान निधि व आयकर राहत देने जैसे जरूरी प्रावधान शामिल किए थे। लेकिन लोकसभा चुनाव 2024 के पूर्व प्रस्तुत किए गए इस अंतरिम बजट में वित्तमंत्री सीतारमण ने वैसी छोटी-बड़ी लोक लुभावन योजनाओं और रियायतों के कोई तोहफे नहीं दिए हैं। सीतारमण ने कहा कि मोटे तौर पर अंतरिम बजट लेखानुदान की तरह ही है। अंतरिम बजट में नई सरकार बनने तक की व्यय जरूरतों को पूरा करने का उद्देश्य ही प्रमुख है। पूर्ण बजट जुलाई 2024 में संभावित है जो कि विकसित भारत का रोडमैप होगा। निःसंदेह अंतरिम बजट 2024-25 की तस्वीर में यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, ग्रामीण विकास बुनियादी ढांचा विकास के सशक्तिकरण और प्रगति के अध्याय को आगे बढ़ाया है। कहा गया है कि कोविड संबंधी चुनौतियों के बावजूद पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के तहत तीन करोड़ मकानों का लक्ष्य जल्द ही हासिल किया जाएगा। अगले पांच वर्षों में 2 करोड़ अतिरिक्त मकानों का लक्ष्य लिया जाएगा। छत पर सौर प्रणाली लगाने से 1 करोड़ परिवार हर महीने 300 यूनिट तक निशुल्क बिजली प्राप्त कर सकेंगे। इससे हरेक परिवार को सालाना 15000 से 18000 रुपए की बचत होने का अनुमान है। आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य सेवा सुरक्षा में सभी आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को भी शामिल किया जाएगा। रक्षा उद्देश्यों के लिए डीप-टेक प्रौद्योगिकी को मजबूती देने और आत्मनिर्भरता में तेजी लाने के लिए एक नई योजना शुरू की जाएगी। बुनियादी ढांचा के विकास और रोजगार सृजन के लिए पूंजीगत व्यय के परिव्यय को 11.1 प्रतिशत बढ़ाकर..... करोड़ रुपए किया जा रहा है। यह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.4 प्रतिशत होगी। लॉजिस्टिक्स कुशलता को बेहतर करने और लागत घटाने के लिए पीएम गतिशक्ति के तहत तीन प्रमुख आर्थिक गलियारा कार्यक्रमों की पहचान की गई है। ऊर्जा, खनिज एवं सीमेंट गलियारा पत्तन संपर्कता गलियारा, अधिक यातायात वाला गलियारा, 40000 सामान्य रेल डिब्बों को 'वंदे भारत' मानकों के अनुरूप बदला जाएगा।

वर्ष 2030 तक 100 मीट्रिक टन की कोयला गैसीकरण और तरलीकरण क्षमता स्थापित की जाएगी। परिवहन के लिए कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) और घरेलू प्रयोजनों के लिए पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) में कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) के चरणबद्ध अधिदेशात्मक मिश्रण को अनिवार्य किया जाएगा। राज्यों को प्रतिष्ठित पर्यटक केन्द्रों का संपूर्ण विकास शुरू करने. उनकी वैश्विक पैमाने पर ब्रांडिंग और मार्केटिंग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस समय जब दुनिया में भारत पर्यटकों के नए आकर्षक देश के रूप में आगे बढ़ा रहा है, तब अंतरिम बजट पर्यटन को बड़े प्रोत्साहन देते हुए दिखाई दे रहा है। देश के पर्यटन केन्द्रों को वहां उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं की गुणवत्ता के आधार पर रेटिंग देने के लिए एक फ्रेमवर्क बनाया जाएगा। इस प्रकार की गतिविधियों का वित्त पोषण करने के लिए राज्यों को मैचिंग के आधार पर ब्याजमुक्त दीर्घावधि ऋण दिया जाएगा। 'विकसित भारत' के लिए राज्यों में सुधार के तहत राज्य सरकारों द्वारा विभिन्न पड़ावों से जुड़े सुधार के लिए 50 वर्ष के ब्याजमुक्त ऋण के रूप में 75000 करोड़ रुपए के प्रावधान का प्रस्ताव है। ब्लू इकोनॉमी 2.0 के लिए नई जलवायु गतिशील योजना आरंभ की जाएगी। डेयरी किसानों की सहायता के लिए व्यापक कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई जाएगी। नए मेडिकल कॉलेजों के विभिन्न विभागों में वर्तमान अस्पतालों की बुनियादी सुविधाओं को उपयोग में लाया जाएगा। मौजूदा अस्पतालों की बुनियादी सुविधाओं का निरीक्षण करने और मेडिकल कॉलेज खोलने के बारे में सिफारिश के लिए समिति का गठन किया जाएगा। सरकार माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए विभिन्न योजनाओं में तालमेल स्थापित करेगी। डिजिटल इंडिया पहल को और मजबूती देने के लिए नया यू-विन प्लेटफॉर्म शुरू होगा। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए 9 से 14 वर्ष की आयु की बालिकाओं के लिए टीकाकरण कार्यक्रम चलाया जाएगा। बेहतर पोषण उपलब्ध कराकर प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख एवं विकास के लिए 'सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0' के अंतर्गत आंगनवाड़ी केन्द्रों के उन्नयन में तेजी लाई जाएगी।

वर्ष 2024-25 का अंतरिम बजट आम आदमी की खुशहाली और देश के तेजी से विकास के दावों, वादों, इरादों और वित्तीय अनुशासन का आदर्श गुलदस्ता है। इस बजट में गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, ग्रामीण विकास और बुनियादी ढांचा क्षेत्र के लिए जो अहम घोषणाएं की गई हैं, उनसे विकास और आर्थिक कल्याण का नया अध्याय लिखा जा सकेगा।

दृष्टि कोण

## जवानी के खिलाफ चल रहा खामोश युद्ध

**अतीतकाल** से नशा एक चर्चित लफ्ज रहा है। नशे के प्रचलन की तारीख चश्मदीद है कि जिस आंगन में नशे का शजर उग जाए वहां इबादत के चिराग व मन्नतों के धागे भी बेअसर हो जाते हैं, केवल नाशादगी भरा तमस छा जाता है। नशा इनसान की जिंदगी में कई रूपों में दस्तक देता है। नशा चाहे धन दौलत का हो, सरकारी पद का हो, सियासी कद का हो, आब-ए-तल्ख का हो या फरोग-ए-हुस्न का हो, नशा जब सिर चढक़र बोलता है तो नशे में मदहोश शख्स को कुछ नजर नहीं आता। मगर नशा इनसान के असल चरित्र को बेनकाब जरूर करता है। देश पर हुक्मरानी करने वाले सियासी रहनुमाओं पर इक्तदार के रसूख का नशा हावी रहता है। लेकिन सबसे तशवीशनाक पहलू यह है कि किसी भी क्षेत्र में इंकलाब लाने की सलाहियत रखने वाला मुल्क का युवावेग स्मैक के धुएं में सुलग रहा है। नशीले व मादक पदार्थों की आंधी में यौवन मफलूज हो रहा है। नशे के अजाब से अभिभावक दुश्वारियों के दौर से गुजर कर अपनी गर्दिश-ए-तकदीर को कोस रहे हैं। अभिभावकों के अरमान होते हैं कि उनके बच्चे अच्छे शिक्षण संस्थानों से तालीम हासिल करके उनकी अपेक्षाओं को साकार करें, परंतु निजी शिक्षण संस्थानों की महंगी फीस ने अभिभावकों के अर्थतंत्र का तवाजुन बिगाड़ दिया है। छात्रों के भविष्य को बेहतर बनाने वाले कई शिक्षण संस्थान ड्रग्स माफिया के राडार पर आ चुके हैं। नशाखोरी की गर्त में जा रही प्रतिभाओं के हुनर का नाश हो रहा है। नशीले पदार्थों के व्यसन व जहरीली शराब के सेवन से हो रही अकाल मौतों से कई परिवार उजड़ रहे हैं। नशे के दर्द से उपजे अश्कों का हिस्सेदार कोई नहीं बनता। घरों के चश्मो-चिराग बुझने पर गम-ए-हिज्र अभिभावकों को ही झेलना पड़ता है। नशे के कारण अभिभावकों के सपने टूट रहे हैं। देश के लिए दुर्भाग्य की बात यह है कि आतंक की परवरिश तथा नशीले पदार्थों की अवैध तिजारत का मुख्य सरगना विश्व का सबसे बड़ा बेगैरत मुल्क पाकिस्तान भारत का हमसाया है। दहशतगर्दी की दारुल हुकूमत बन चुके पाकिस्तान में आतंक व नशे का चोली-दामन का साथ रहा है। पाकिस्तान के मजहबी रहनुमाओं की आग उगलती तकरीरों ने युवाओं को जन्नत में बहत्तर हूरों का ख्वाब दिखाकर उनके जहन में मजहबी कट्टरवाद का नशा इस कदर भर दिया कि पाक आतंक तथा नशे के लिए दुनिया में कुख्यात हो गया। पाकिस्तान से सटे देश के कुछ राज्यों की सरहदें हिमाचल प्रदेश से भी लगती हैं। नतीजतन आस्था के धरातल हिमाचल की वादियों में ड्रग्स तस्करों ने पनाह लेकर नशे के अवैध धंधे को अंजाम देकर पहाड़ की जवानी के खिलाफ खामोश युद्ध का आगाज कर दिया। नशीले पदार्थों की तस्करी में गैर हिमाचली व विदेशी लोगों की गिरफ्तारियां तस्दीक करती हैं कि राज्य में नशा नेटवर्क के तार विदेशों तक जुड़े हैं। मौजूदा दौर में पहाड़ की भोली-भाली विरासत के लोगों के लिए नशा परेशानी का सबब बन चुका है। पहाड़ी राज्य में अंधाधुंध तरीके से फैल रहा नशे का जहरनुमा कारोबार तथा नशीले पदार्थों की खरीद-फरोख्त की आसानी से उपलब्धता चिंताजनक सूरतेहाल है। मादक पदार्थ निषेध अधिनियम के तहत दर्ज होने वाले मामलों में वृद्धि हो रही है। पर्यटन व धार्मिक स्थलों के लिए विख्यात राज्य में नशे का यह खतरनाक तनाजुर पहाड़ की रुसवाई का अस्बाब बन रहा है। नशाखोरी के खिलाफ विश्व भर में कई जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। नशे की लत को छुड़ाने के लिए नशा मुक्ति केन्द्र चल रहे हैं। कई निजी संस्थाएं देश में नशामुक्त समाज के निर्माण में काम कर रही हैं, मगर नशा माफिया के इख्तिलाफ में कोई भी हिकमत कारगर साबित नहीं हो रही, बल्कि युवतियां भी नशे की तलबगार बन रही हैं। दूसरी विडंबना यह है कि युवा पीढ़ी ज्यादातर मायानगरी के अदाकारों को अपना आदर्श मानती है। नशाखोरी जैसी बुराई को सिल्वर स्क्रीन के जरिए बेनकाब करके दुनिया को नशे के दुष्परिणाम से मुखातिब कराने वाली मनोरंजन जगत की नगरी बॉलीवुड के दामन पर भी ड्रग्स की इल्लत के बदनुमां दाग लग चुके हैं। नशे के लिए बदनाम हुक्का बार व रेव पार्टियों में सितारों की मदहोशी का मजहर कई न्यूज चैनलों की सुर्खियां बनता है। बीड़ी-सिगरेट व भांग से आगाज करने वाला नशा मौजूदा वक्त में चिट्टा, हेरोइन, स्मैक, कोकीन व ब्राउन शुगर जैसे घातक नशीले पदार्थों की बुलंदी पर पहुंच चुका है। इनसानी शरीर में फैलने वाली बीमारियां तथा समाज में हो रहे फसाद के पीछे ज्यादातर पसमंजर नशे का है। नशाखोरी के दर्दनाक अंजाम का इल्म होने के बावजूद मौत की इबारत लिखने वाले नशीले पदार्थों से तौबा नहीं की जा रही। स्मरण रहे बुराई को यदि समय पर रुखसत न किया जाए, तो बुराई कयामत का सबब बनकर इनसान के सुनहरे वक्त को जुल्मत के दौर में तब्दील करके आखिरत के सफर को जहन्नुम की तरफ मोड़ देती है।

कुछ अलग

## बदल रहा है उच्च शिक्षा का माहौल

**एक** वक्त था, जब विश्वविद्यालयों में ज्यादातर राजनीतिक नियुक्तियां होती थीं और दूसरे पदों पर नियुक्तियों में भी काफी पैसा चलता था। ऐसे में अजा/अजजा जैसे कमजोर वर्गों के लोगों का शैक्षिक पदों में समावेश बेहद मुश्किल था, क्योंकि उनके पास इतने आर्थिक संसाधन नहीं थे, कि वे नियुक्ति के सपने देख सकें। जाहिर है कि इन पदों पर कमजोर वर्गों का प्रतिनिधित्व भी तकरीबन शून्य ही हुआ करता था। अर्हता के मानक और व्यवस्था की नकारात्मक दृष्टि के कारण करोड़ों की आबादी वाले ये समुदाय एक फीसदी भी समावेश पाने से वंचित थे। किसी को पता भी नहीं चलता था, और बगैर किसी शैक्षिक मूल्यांकन के चोर दरवाजे से विश्वविद्यालय रूपी मंदिर में उच्च पदों पर नियुक्तियां होती थीं। नतीजा यह होता था कि कमजोर वर्गों के छात्र व छात्राएं काफी हतोत्साहित रहते थे और उच्च शिक्षा के प्रति काफी उदासीन भी। लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। आज बाकायदा पदों के विज्ञापन छपते हैं। सर्च कमेटियां बैठती हैं। रिसर्च एडमिनिस्ट्रेटिव अनुभव और बौद्धिक विकास की संकल्पना को साकार करते सत्यनिष्ठ आचार्यों की उपलब्धियों से विश्वविद्यालयों के उच्चतम पदों की गरिमा में वृद्धि की संभावनाएं बढ़ रही हैं। अब राजनीतिक प्रतिबद्धता से मुक्त, अपने अकादमिक दायित्वों, विद्या-विकास के प्रति निष्ठा और सामूहिकता की भावना जैसे गुणों को नियुक्ति के वक्त तरजीह दी जाती है। उल्लेखनीय है कि शिक्षा, साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र की समृद्धि राष्ट्र की सामाजिक समृद्धि की रीढ़ होती है। उन आचार्यों को प्रमुखता दी जा रही है, जिनके पास अपेक्षित उच्च स्तरीय उपाधियां हों, जिन्होंने उच्च स्तरीय रिसर्च किया हो, जिनकी कला-विज्ञान या मीडिया विषयक पुस्तकें विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल हों, जिनके अनुवाद देशी-विदेशी भाषाओं में हों और जिनके रचना कर्म को लेकर देश के अनेक विश्वविद्यालयों में दर्जनों एम.फिल., पीएच.डी. के रूप में शोध कार्य हो चुके हों। हाल ही में आरक्षित श्रेणी के फर्जी प्रमाण पत्र जारी करने और उनका इस्तेमाल पश्चिम बंगाल के चिकित्सा महाविद्यालय में किए जाने के संबंध में सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता उच्च न्यायालय की कार्यवाही पर रोक लगाई है। फर्जी जाति प्रमाण पत्र ऐसा भ्रष्टाचार है, जिससे अजा/अजजा के शिक्षा क्षेत्र में समावेश की संभावना को न्यूनतम किया जाता रहा है। निराशा और नाउम्मीदी को परास्त कर सभी के लिए आशाजनक खबर आई, कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के 'अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण' के अनुसार, देश में नामांकन बढ़कर 4.33 करोड़ हुआ है। 2014 के बाद हुई 26.5 फीसदी की वृद्धि आशातीत है। 2014-2015 से अब तक 341 विश्वविद्यालय स्थापित हुए हैं। आंकड़ों की मानें, तो 2021-22 में सकल नामांकन अनुपात 28.4 तक पहुंच गया है। समानांतर रूप से स्थापित प्राइवेट सेक्टर की शिक्षा व्यवस्था में एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों/शिक्षकों, कुलसचिवों, कुलगुरुओं में राजकीय और निजी क्षेत्र का समावेशी अनुपात कितना संतोषजनक है, इसका कोई ब्योरा नहीं है। निजी क्षेत्र की अंग्रेजी माध्यम की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पाना कमजोर वर्गों के लिए दुर्लभ होता जा रहा है। वहां सामान्य वर्ग की तुलना में आरक्षित वर्ग के छात्रों का अनुपात नगण्य है। परंतु राजकीय शिक्षा में पहले से स्थिति बेहतर हुई है। मीडिया में जारी आंकड़े बताते हैं, 2014-15 में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों का नामांकन 46.07 लाख था, जो 2021-22 में बढ़कर 66.23 लाख हो गया है। अर्थात 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

देश दुनीया से

## जहां प्रकृति के बीच से गुजरता है खुदको जानने का रास्ता

**शहर** के बीच हरित स्थान प्रकृति की खली पाठशाला है। अगर इन स्थानों में समय गुज़ार कर हम प्रकृति की स्वचालित पद्दति को देखें कि किस तरह प्रकृति में कुछ भी व्यर्थ नहीं हैं। पेड़ के पत्ते नीचे गिरकर खाद बन जाते हैं। चिड़यि और भवरें एक जगह से दूसरी जगह बीज गिराकर एक नए फूल को जन्म देते हैं। बारिश की बूंदे जमीन को हरा-भरा बनाकर फिर वापस ओस बन जाती हैं। ऐसा लगता है यह कौन वास्तुकार है जो बिना रुके, बिना किसी प्रयास के सहजता से चलता रहता है। प्रकृति को और नज़दीक से जानने के लिए मैं शहर में स्थित एक ' नेचर वॉक' ग्रुप के साथ जुड़ गई। 'नेचर वॉक' ग्रुप हर शहर में प्रकृति प्रेमी लोगों के समूह होते हैं जो कि शहर के भीतर और शहर से बाहर हरित स्थानों (ग्रीन स्पसे से) का भ्रमण करते हैं, उनका अवलोकन करते हैं और साथ में मिलकर प्रकृति और प्राकृतिक स्थानों को बचाने का सतत प्रयास करते हैं। नेचर वॉक' ग्रुप के साथ शहर में कंक्रीट जंगल के बीचों-बीच एक ऐसे ग्रीन स्पसे से परिचय हुआ, जिसकी कशिश ही अलग थी, उसकी सौंधी-सौंधी महक हर किसी को आकर्षित कर रही थी। उस स्थान का नाम था 'सावित्री अर्बन फ़ूड फॉरेस्ट'। यहां पर न केवल पड़े-पौधे और घूमने की जगह थी, बल्कि हर फल के एक या दो वृक्ष लगे हुए थे। तने पर लटके हुए केले, अंगुर की बेल से बातें कर रहे थे। रात की रानी, मोगरा, रजनीगंधा, तलु सी, और लमेन ग्रास की महक, चिड़यिों, तितलियों और भवरों को आमंत्रण दे रही थी। इस अर्बन फ़ूड फॉरेस्ट में 90-100 तक अलग-अलग तरह के फल-फूल ,घास, वृक्ष सब्ज़ियां और बेल लगी हुई थी। वहां पर एक छोटी सी 'आयर्वेदिक डिस्पसेंरी' भी थी जिसमें तलुसी, अडूसी, शतावरी, ब्राह्मी, इन्सलिुलिन जैसै अन्य आयर्वेदिक प्लांट लोगों को बरबस अपनी ओर खींच रहे थे। पेड़ों के नीचे पालक, मेथी और सरसो की छोटी-छोटी क्यारियां बनी हुई थीं और साथ में टमाटर और भिंडी की फ़सलें झूमकर अपने होने का एहसास करा रहीं थी। पक्षियों के लिए पानी का छोटा सा पौंड था। उसमें तैरती हुई छोटी-छोटी मछलियां तलाब केऊपर लगे हुए शहततू के पेड़ के साथ अठखलियां कर रही थी। ये खाद्य वन आंखों के लिए एक ट्रस्ट, जीभ के लिए क्षुधा-शांति, और मन के लिए एक अच्छा सुकून था। हरित स्थान एक 'ऑक्सीजन फैक्ट्री' होते हैं जो शरीर और मन, दोनों में रक्त-संचार करते हैं। शहरी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के लिए हरित क्षेत्र फल, फूल और वृक्षों का 'लाइव डेमो होते हैं। मिटटी को छूना और उस पर नंगे पांव चलना, अपने आप में ही एक थेरेपी है। इसके अलावा स्पेशल चिल्ड्रन, 'दिव्यागं ' के लिए भी अर्बनर्ब ग्रीन स्पेस ही एक ऐसा स्थान होते हैं, जहां पर वे सामान्य बच्चों के साथ मिलजुल कर खेल सकते हैं, तथा उनके साथ मित्रता-पूर्ण व्यवहार सीख सकते हैं। इसके अलावा, हरित स्थान में बने 'ससेंरी गार्डन', ऑटिस्म और ADHD के बच्चों की पांचों इंद्रियों को जागृत करके उनके लिए वरदान साबित होते हैं। बुजुर्ग वर्गों के लिए हरित स्थान अथवा 'अर्बन गार्डन' उनकी उम्र के लोगो के लिए मिलने-जुलने का सबसे अच्छा साधन है। यहां पर इकट्ठा होकर, अपनी उम्र के लोगों के साथ मिल-जुलकर योग और प्राणायाम करना, मिलना-मिलाना, हंसना-हंसाना और गार्डन में अपना बर्थडे मनाना, उन्हें जीने की नई राह दिखाता है। अर्बन गार्डन्स के बाहर बैठे हुए सब्जी बचेने वाले एक तरफ छोटे-छोटे किसानों को रोजगार उपलब्ध कराते हैं तो वहीं दूसरी तरफ शहरी लोगों को ताज़ा फल और सब्ज़ियों का प्राप्त करने का स्त्रोत प्रधान करते हैं। हरित स्थान पर लगे हुए नीम, जामुन, बरगद, पीपल के वृक्ष न केवल हवा को शुद्ध करते हैं बल्कि हरा रंग खुशहाली का भी प्रतीक होता है, जोकि तनाव को कम करके, मसल्स को रिलैक्स करने में मदद करता है। इससे मांसपेशियों को सुकून मिलता है और तनाव का स्तर भी कम होता है, इसलिए मनोवैज्ञानिक तनाव और एंग्जायटी में गार्डन में चलने का सुझाव देते हैं, जिससे सांस हल्की होती है। हरा रंग शान्ति देता है, इसलिए हॉस्पिटल में हरे रंग के पर्दे लगाए जाते हैं। एक प्रसिद्ध अनसुंधान के अनुसार, दुनियाभर में ऐसे कुछ 'ब्लूज़ोन्स' पहचाने गए हैं जहां लोगों की आयु सौ वर्ष से अधिक होती है। 'ब्लूज़ोन्स' में रहने वाले लोगों की लम्बी उम्र के राज़ से जब पर्दा हटाया गया, तो पता चला की यह लोग अपना अधिक से अधिक समय, हरित स्थानों में एक साथ मिलकर व्यतीत करते हैं और ये हरित स्थान ही उनके स्वस्थ जीवन और दीर्घायु का राज़ होते हैं।

बारिश की बूंदे जमीन को हरा-भरा बनाकर फिर वापस ओस बन जाती हैं। ऐसा लगता है यह कौन वास्तुकार है जो बिना रुके, बिना किसी प्रयास के सहजता से चलता रहता है। प्रकृति को और नज़दीक से जानने के लिए मैं शहर में स्थित एक ' नेचर वॉक' ग्रुप के साथ जुड़ गई। 'नेचर वॉक' ग्रुप हर शहर में प्रकृति प्रेमी लोगों के समूह होते हैं जो कि शहर के भीतर और शहर से बाहर हरित स्थानों (ग्रीन स्पसे से) का भ्रमण करते हैं, उनका अवलोकन करते हैं और साथ में मिलकर प्रकृति और प्राकृतिक स्थानों को बचाने का सतत प्रयास करते हैं।

आप का नजरीया

## निवेश प्राथमिकताएं

**सिद्ध** होना था कि हिमाचल निवेश के काबिल है और अगर इसी उद्देश्य से अरब हैल्थ एक्सपो से प्रदेश के उद्योग मंत्री हर्षवर्धन व उनकी टीम परिणाम ला रही है, तो यह सरकार के प्रयत्नों में मील पत्थर साबित होगा। दुबई से कुल 2345 करोड़ के निवेश का अर्थ सर्वप्रथम बल्क ड्रग पार्क का दायरा बढ़ा रहा है, जबकि इससे मेडिकल डिवाइस पार्क का औचित्य भी सलामत हुआ है। ड्रग पार्क के लिए 1100 करोड़ तथा डिवाइस पार्क के 295 करोड़ के अलावा हिमाचल की ग्रीन एनर्जी में आ रहे 350 करोड़ निवेश की प्राथमिकताओं का उदय करते हैं। हैल्थ केयर के लिए 250 करोड़ व पर्यटन व आयुष के तहत 350 करोड़ की डील के मायने हिमाचल में विदेशी निवेश की राहें खोल रहे हैं। हालांकि निवेश के लक्ष्य में छह हजार करोड़ तक पहुंचने की ख्वाहिश अभी बाकी है, फिर भी खबर का उत्साह कहीं तो संसाधन विहीन हिमाचल को आशान्वित करता है। चिन्हित क्षेत्रों में निवेश का सहयोग राज्य को इस तरह परिभाषित भी कर रहा है कि आने वाले समय में पर्वतीय प्रदेश तक इन्हीं राहों से संसाधन पहुंच सकते हैं। हिमाचल में पिछले कुछ दशकों से निजी या अंतरराष्ट्रीय निवेश की जगह ढूंढी जा रही है, लेकिन निरंतरता की कमी के कारण हर सरकार अपने-अपने तौर तरीके आजमाती रही और सियासत के कारण भी परियोजनाएं निरस्त होती रहीं। मसलन फोर्ड कंपनी ने मनाली स्की विलेज की हामी भरी, लेकिन राजनीतिक कारणों से इस महत्त्वाकांक्षी योजना का श्रीगणेश नहीं हो पाया। कई बार एसई जेड के मार्फत संकल्प जोड़े गए या बायोटेक्नालोजी पार्क की स्थापना से निवेश लाने की इच्छा दिखाई दी, लेकिन शून्यता ही हाथ लगी। बहरहाल बल्क ड्रग पार्क और मेडिकल डिवाइस पार्क अपनी ढांचागत सुविधाओं के कारण निवेशक का ध्यान आकृष्ट कर सकते हैं। इसी तरह प्रदेश में आईटी सेक्टर के लिए पार्क स्थापित किए जाते हैं, तो कई नामी कंपनियां यहां आना चाहेंगी। सरकार पहले ही कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के जरिए कनेक्टिविटी का ऊंचा डग भर चुकी है, जबकि विभिन्न फोरलेन परियोजनाओं के मार्फत हिमाचल का आर्थिक नक्शा उन्नत हो रहा है। ऐसे में निवेशक के लिए जमीन, पानी और बिजली की उपलब्धता के साथ-साथ प्रशिक्षित-शिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता भी रहेगी। हिमाचल में धारा 118 के तहत अनुमतियां तथा पर्यावरणीय दिक्कतों से अगर छूट मिलती है, तो निवेशक के लिए पहाड़ चढना मुश्किल नहीं। होना तो यह चाहिए कि तमाम फोरलेन की परिधि में कम से कम आधा दर्जन निवेश केंद्र विकसित किए जाएं। राज्य में थीम, मनोरंजन पार्क के अलावा फिल्म सिटी, सेटेलाइट टाउन, ट्रांसपोर्ट नगर व साइंस सिटी बसाने जैसी परियोजनाएं सीधे पर्यटन को सशक्त करेंगी, जबकि साहसिक एवं वाटर स्पोर्ट्स में भी काफी संभावना है। पैराग्लाइडिंग की दृष्टि से बीड़-बिलिंग का उदय अब एक वैश्विक स्थल के रूप में चर्चित हो रहा है। ऐसे में जबकि हम निवेश के लिए छलांगें मार रहे हैं, प्रदेश को अपने रुचि के क्षेत्र तय कर लेने चाहिएं। बहुत पहले डा. वाईएस परमार ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल में परवाणू जैसे औद्योगिक नगर के अलावा कालाअंब से संसारपुर टैरस तक कई परिसर विकसित किए।

# लोस चुनाव : सबसे बड़ी जीत की इबारत लिखेगी भाजपा, दिल्ली में बनाएगी रणनीति

## रिकॉर्ड जीत के लिए कार्यकर्ता भरेंगे हुंकार, भाजपा देगी पैनी धार

**लखनऊ ( हिंस )।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का राष्ट्रीय अधिवेशन दिल्ली में होने जा रहा है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले होने वाला अब तक का यह सबसे बड़ा अधिवेशन होगा। इसमें लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड जीत के लिए कार्यकर्ता और पदाधिकारी हुंकार भरेंगे। दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में भाजपा का यह राष्ट्रीय अधिवेशन 17 फरवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के भाषण से शुरू होगा और 18 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीत के मंत्र वाले भाषण से समापन होगा। पहली बार राष्ट्रीय अधिवेशन में देशभर के पदाधिकारी के साथ ही जनप्रतिनिधि भी जुटेंगे। राजनीतिक विश्लेषक डॉ. दिलीप चंद्र अग्निहोत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत भाजपा अपने सभी मोर्चों की धार पैनी करना चाहती है। यही वजह है कि पार्टी ने लोकसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित करने जा रही है। माना जा रहा है कि इस अधिवेशन से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव

की भाजपा की सबसे बड़ी जीत की इबारत लिखी जाएगी। स्वर्णाक्षरों से प्रभु रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह हो या धारा 370 हटाना या उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता जैसे ज्वलंत मुद्दों को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जिस तरह से भाजपा सरकार ने धरातल पर लाने का काम किया है उससे देश की बहुसंख्यक आबादी काफी पॉजीटिव मानी जा रही है, इसलिए इस अधिवेशन की शुरूआत में जहां भाजपा अध्यक्ष श्री नड्डा इन मुद्दों पर कार्यकर्ताओं में जोश भरने का काम करेंगे। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी कार्यकर्ताओं में जोश के साथ होश में जमीनी स्तर पर पार्टी उम्मीदवारों के लिए काम करने की प्रेरणा भरने का काम करेंगे। इस अधिवेशन में राष्ट्रीय कार्यकारिणी, राष्ट्रीय परिषद के पदाधिकारियों के साथ पूरे देश के जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी, लोकसभा प्रभारी, क्लस्टर प्रभारी, लोकसभा संयोजक, लोकसभा विस्तारक, अनुशासन समिति, वित्त समिति, प्रदेशों के मुख्य प्रवक्ता, मीडिया सेल के संयोजक, आईटी सेल के संयोजक, सभी मोर्चों के अध्यक्ष, महामंत्री और प्रकोष्ठों के संयोजक, नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के अध्यक्षों, जिला पंचायतों के अध्यक्षों सहित देश भर के अलग-अलग स्तर के पार्टी पदाधिकारियों को बुलाया गया है। राष्ट्रीय अधिवेशन के जरिए दो दिन तक मंथन करके पूरी तैयारी के साथ भाजपा लोकसभा चुनाव में उतरेगी। लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी मशीनरी को तैयार किया जाएगा। इसके अलावा मोदी सरकार की उपलब्धियों पर प्रस्ताव पारित होगा। मोदी सरकार द्वारा राम मंदिर, अनुच्छेद 370 जैसे मुद्दों पर वादे पूरे करने पर धन्यवाद प्रस्ताव पास भी किया जाएगा। इस अधिवेशन में सरकार की उपलब्धियों के जरिए कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव-2024 में जीत के मंत्र भी दिए जाऐंगे। खास बात ये भी है कि इस अधिवेशन में आने वाले सभी पदाधिकारियों से 100 रुपए पंजीकरण शुल्क लिया जाएगा, जिसका डिजिटल भुगतान करने का निर्देश दिया गया है। राष्ट्रीय अधिवेशन का पंजीकरण और दोपहर का भोजन 17 फरवरी को सुबह 11 बजे शुरू होगा। उद्घाटन सत्र दोपहर तीन बजे शुरू होगा। राष्ट्रीय अधिवेशन 18 फरवरी को दोपहर दो बजे प्रधानमंत्री मोदी के समापन संबोधन के साथ समाप्त होगा। भाजपा राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने पत्रक के जरिए बताया है कि सभी प्रदेश अध्यक्षों व प्रदेश महामंत्रियों से नाम, पता, मोबाइल नंबर व ई-मेल के साथ प्रतिनिधियों की सूची मांगी है। साथ ही प्रदेश अध्यक्षों ने अनुरोध किया है कि राष्ट्रीय अधिवेशन से संबंधित सभी व्यवस्थाओं की देखरेख के लिए एक संयोजक के साथ चार व्यक्तियों की एक टीम नियुक्त करें।

## रामभक्त पर गोली चलवाने वाली सपा का 2024 में करेंगे इलाज : केशव प्रसाद मौर्य

**लखनऊ ( हिंस )।** उत्तर प्रदेश विधानसभा सत्र 2024-25 की मंगलवार को चौथे दिन सदन की कार्यवाही में शामिल होने सत्ता दल और प्रतिपक्ष के विधायक पहुंचे। सदन की कार्यवाही में भाग लेने उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी पहुंचे। उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) पर करारा हमला बोला है। केशव प्रसाद मौर्य ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि सपा का शिवद्रोही होने का, रामद्रोही और रामभक्तों को गोलियों से भूनने का इतिहास रहा है। अगर सदन में सपा पार्टी के 14 विधायक ऐसे निकल आए हैं जो भगवान श्री रामलला का भव्य मंदिर बनने के विरोध में हैं। ये देश के रामभक्तों की भावनाओं का सम्मान नहीं करना चाहते हैं, ऐसे लोगों का 2024 में रामभक्त इलाज करेंगे। इस दौरान पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के गठबंधन तोड़कर एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) के साथ आने की जानकारी उन्हें नहीं है। अगर कुछ ऐसा होगा तो बड़े स्तर का मामला है और दिल्ली व अन्य पार्टी के आलाकमान पदाधिकारियों को इसकी जानकारी होगी। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उत्तराखंड सरकार द्वारा यूसीसी (समान नागरिक संहिता) लाए जाने के सवाल पर कहा कि भाजपा के तीन वैचारिक मुद्दों थे। पहला अयोध्या में श्री रामलला का भव्य मंदिर, जम्मू-कश्मीर से धारा 370 को हटाना और समान नागरिक संहिता। उसकी शुरूआत अगर देवभूमि उत्तराखंड से हो रही है तो मैं भाजपा का कार्यकर्ता होने के नाते स्वागत करता हूं और पुष्कर सिंह धामी सरकार को बधाई देता हूं।

## पंजाब में जमीन रजिस्ट्रेशन के लिए एनओसी की शर्त खत्म

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** पंजाब के लोगों को बड़ी राहत देते हुये मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने किसी भी किस्म की जमीन-जायदाद का रजिस्ट्रेशन कराने के लिए कोई ऐतराज नहीं सर्टिफिकेट (एनओसी) की शर्त खत्म करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को कहा कि यह फैसला बड़े जनहित में लिया गया है जिससे लोगों को किसी भी किस्म की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि इस फैसले के लिए कानूनी प्रक्रिया को पहले ही जांच लिया गया है और इसके बारे में अन्य विवरण जल्दी साझा किये जाएंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह फैसला आम लोगों के साथ मशविरा करने के बाद लिया गया है और आम लोगों को इसका बड़ा फायदा होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा समय में एनओसी न होने की वजह से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस कारण जमीन-जायदाद की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में रुकावट पैदा होती है, जिससे आम व्यक्ति को मुश्किलें आती हैं।

## केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दिए द्वारका एक्सप्रेसवे खोलने के निर्देश

**गुरुग्राम ( हिंस )।** मंगलवार को केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के साथ केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने बैठक कर गुरुग्राम हिस्से के द्वारका एक्सप्रेसवे को खोलने की मांग की। नितिन गडकरी ने इस पर सहमति जताते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए की गुरुग्राम हिस्से में बने द्वारका एक्सप्रेसवे कोई यातायात के लिए खोल दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे जल्द ही एक्सप्रेस वे का दौरा कर इसे यातायात के लिए खोल दें। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत ड्क्षसह ने नितिन गडकरी के समक्ष कहा कि द्वारका एक्सप्रेसवे के गुरुग्राम हिस्से का कार्य पूरा हो चुका है। राव ने गडकरी से मुलाकात के दौरान विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं पर चर्चा की ओर देरी से चल रही योजनाओं को जल्द से पूरा करने की मांग की। केंद्रीय मंत्री ने गडकरी से गुरुग्राम के हीरो होंडा चौक से उमंग भारद्वाज चौक तक एलिवेटेड रोड बनाने की चर्चा करते हुए कहा कि 2017 के नोटिफिकेशन के अनुसार हीरो होंडा चौक से उमंग भारद्वाज चौक एनएचएआई का भाग था। उसके बावजूद अधिकारियों ने इसको एलिवेटेड बनाने के स्थान पर डी स्कोप कर दिया। राव ने गडकरी को 2017 का नोटिफिकेशन दिखाया गया, जिसमें इस रोड को एनएचएआई का भाग माना गया है। गडकरी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस रोड को पुराने नोटिफिकेशन के अनुसार एनएच का पार्ट माना जाए और इसे एलिवेटेड बनाने की योजना तैयार की जाए। बैठक में मौजूद जीएमडीए के अधिकारियों ने कहा कि हीरो होंडा चौक से उमंग भारद्वाज चौक तक भूमि अधिग्रहण का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। अतिक्रमण भी तेजी से हटाया जा रहा है। जीएमडीए के अधिकारियों ने गडकरी को बताया कि यूटिलिटी शिफ्टिंग का कार्य भी राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से ही किया जाता है जबकि राशि जीएमडीए की ओर से जमा कर दी जाएगी। खेडड़ी दौला टोल प्लाजा को हटाने की चर्चा करते हुए राव ने गडकरी से कहा कि टोल के लिए समय अवधि पूरी हो चुकी है।

## नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से लश्कर का आतंकी गिरफ्तार, कुपवाड़ा में था सक्रिय

**श्रीनगर ( हिंस )।** जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सक्रिय पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी रियाज अहमद राथर को नई दिल्ली स्टेशन से रेलवे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पाकिस्तान में बैठे लश्कर आकाओं के निर्देश पर रियाज अहमद राथर ने एलओसी के पार से हथियार व गोला बारूद प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। रेलवे पुलिस ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि कुपवाड़ा में हाल ही में भंडाफोड़ किए गए आतंकी मॉड्यूल के प्रमुख साजिशकर्ताओं में से एक रियाज अहमद को 04 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया है। वह नियंत्रण रेखा के पार से हथियार और गोला-बारूद हासिल करने में खुर्शीद अहमद राथर

और गुलाम सरवर राथर के साथ साजिश रचने में शामिल था। बयान में कहा गया कि जम्मू-कश्मीर की जांच एजेंसियों से विशेष जानकारी मिली थी कि जिला कुपवाड़ा की तहसील करनाह के ग्राम न्यू गबरा निवासी रियाज अहमद राथर हाल ही में भंडाफोड़ किए गए आतंकी मॉड्यूल के प्रमुख साजिशकर्ताओं में से एक है। इस आतंकी मॉड्यूल मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार करके 5 एके राइफल (शॉर्ट), 5 एके मैगजीन, 16 शॉर्ट एके राउंड सहित आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई थी। इस संबंध में एक मामला पुलिस स्टेशन करनाह, कुपवाड़ा (जम्मू-कश्मीर) में दर्ज किया गया था और जांच चल रही है। बयान में कहा गया कि ये हथियार और गोला-बारूद पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर स्थित लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी आकाओं मंजूर अहमद शेख उर्फ शकूर और काजी मोहम्मद खुशाल ने भेजे थे। दोनों सीमा पार से ऑपरेट कर रहे थे। इसी मामले में फरार रियाज अहमद के बारे में जानकारी दी गई कि वह 04 फरवरी को तड़के नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचेगा। इस पर एक टीम गठित करके नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के सभी प्रवेश, निकास और रणनीतिक बिंदुओं पर तैनात किया गया। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और भीड़ में रियाज अहमद की पहचान करके उस समय पकड़ लिया, जब वह सुबह के समय नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के निकास गेट नंबर 1 से भागने की कोशिश कर रहा था। सघन पूछताछ में पता चला कि वह अपने दोस्त अल्ताफ के साथ जबलपुर से महाकौशल एक्सप्रेस में सवार हुआ था और 3 फरवरी को लगभग 3 बजे हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पहुंचा था। वहां से उन्होंने ऑटो लिया और एनडीआरएस पहुंचे। रियाज अहमद राथर किसी दूसरे ठिकाने पर जाने वाला था। उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन और एक सिम कार्ड बरामद किया गया है। पूरी साजिश का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

## सारे उपदेशों से बेहतर है थोड़ा अभ्यास : एसएसपी

**भागलपुर ( हिंस )।** भारती शिक्षा समिति एवं शिशु शिक्षा प्रबंध समिति के तत्वावधान में पूरनमल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय नरगाकोठी में चल रहे प्रधानाचार्य सम्मेलन के दूसरे दिन मंगलवार का प्रारंभ भागलपुर के वरीय आरक्षी अधीक्षक आनंद कुमार, अखिल भारतीय मंत्री डॉ. किशन वीर सिंह, इंडियन बैंक के जोनल मैनेजर साकेत कुमार श्रीवास्तव, क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्यालीराम, क्षेत्रीय सचिव नकुल कुमार शर्मा और प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर वरीय आरक्षी अधीक्षक आनंद कुमार ने कहा कि बोर्ड परीक्षा का तनाव न लें। उन्होंने 12वीं फेल फिल्म की चर्चा करते हुए कहा कि छात्रों को प्रेरणा के लिए ऐसी मूवी दिखानी चाहिए। सभी अध्यापकों को बताना चाहिए कि कोई परीक्षा अंतिम नहीं है। स्ट्रेस के कारण हमारे सोचने की क्षमता, कार्य करने की क्षमता का ह्रास होता है। हमारी कैपेसिटी घटती है। इस संबंध में माता-पिता को समझने की अधिक आवश्यकता है। कोई जरूरी नहीं कि अधिक अंक लाने वाले बच्चे अच्छे इंसान ही बनेंगे। अच्छे व्यवहार को जीवन में उतारने की आवश्यकता है। अखिल भारतीय मंत्री किशनवीर सिंह शाक्य ने कहा कि प्रधानाचार्य जॉब नहीं कर्म कर रहे हैं। प्रधानाचार्य बहुआयामी प्रतिभा का धनी होता है।

## सांसद सीपी जोशी ने लोकसभा में पूछे पीवीटीजी विकास मिशन के संबंध में सवाल

**जयपुर/नई दिल्ली ( हिंस )।** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं चिक्कौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी ने लोकसभा में पीवीटीजी विकास मिशन के संबंध में प्रश्न पूछे। उन्होंने प्रधानमंत्री विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) मिशन के उद्देश्यों और लक्ष्यों का ब्यौरा, पीवीटीजी समूहों की स्थिति में सुधार करने, भारत में मान्यता प्राप्त 75 पीवीटीजी समूहों को लाभ प्रदान करने सहित अनेक प्रश्न पूछे। सांसद सीपी जोशी के सवालों का जवाब देते हुए जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा ने बताया कि प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान का उद्देश्य तीन वर्षों में कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) घरों और बस्तियों को सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता, शिक्षा तक बेहतर पहुंच, स्वास्थ्य और पोषण सड़क, दूरसंचार कनेक्टिविटी, गैर विद्युतीकृत घरों का विद्युतीकरण, स्थाई आजीविका के अवसरों जैसी बुनियादी सुविधाओं से एक मिशन मोड तरीके से संतृप्त करता है। प्रधानमंत्री जनमन राज्य और विभागों द्वारा एकत्रित किए जा रहे पहचाने गए अंतरों के आधार पर पात्र पीवीटीजी लाभार्थियों और बस्तियों को कवर करने के लिए 24 हजार करोड़ बजट आवंटन के साथ नौ मंत्रालयों द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे 11 महत्वपूर्ण उपायों पर केंद्रित हैं। पीएम जनमन के तहत 9 संबंधित मंत्रालयों द्वारा वर्ष बार लगभग 8000 करोड़ रुपए पीवीटीजी समुदायों

पर खर्च किए गए जो जनजातीय कार्य मंत्रालय के आवंटित बजट से अधिक है। जनजातीय कार्य मंत्रालय 6 से 12वीं कक्षा तक अनुसूचित जनजाति के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय क्रियान्वित कर रहा है। यहां 5 प्रतिशत पीवीटीजी छात्रों के लिए आरक्षित है। राष्ट्रीय अध्येतावृति की योजना में 750 स्लॉट में से 25 स्लॉट पीवीटीजी छात्रों के लिए आरक्षित है। जवाब में बताया गया कि राजस्थान सहित देश के अन्य राज्यों में अनुसूचित जनजाति के विकास के लिए स्वास्थ्य, स्वच्छता, आजीविका एवं कौशल विकास के लिए अनुदान प्रदान किया गया। जनजातीय कार्य मंत्रालय ने 2021-22 से 2025-26 के दौरान कार्यान्वयन के लिए जनजातीय उपयोजना को विशेष केंद्रीय सहायता मौजूदा योजना को प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना का नया नाम दिया है।

## विकास का खाका हेमंत बाबू ने खींचा था, उस पर ही काम आगे बढ़ेगा : चंपाई सोरेन

**रांची ( हिंस )।** झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि जो विकास का खाका हेमंत बाबू ने खींचा था, उस पर ही काम आगे बढ़ेगा। राज्य के आदिवासी, दलित, मूलवासियों के सामाजिक, आर्थिक विकास के लिए, भूमि पुत्रों के लिए विशेष योजना जो बनी, उसे ही आगे बढ़ाएंगे। वे भानु प्रताप शाही के सवाल पर जवाब दे रहे थे। भानु ने सवाल किया कि पार्ट-1 में 4 सालों में 6000 महिलाओं के खिलाफ बलात्कार के मामले दर्ज हुए। इसमें से 4000 आदिवासी, दलित महिलाएं हैं। क्या वर्तमान पार्ट-2 सरकार में इसे आगे बढ़ाया जाएगा? भानु ने कहा कि हर साल पांच लाख युवाओं मतलब अबतक 20 लाख युवाओं को नौकरी नहीं देने, बेरोजगारी भत्ता यह पार्ट-2 वाली सरकार भी नहीं देगी। राज्य में बालू, पत्थर, कोयला, जमीन की लूट, शराब घोटाला इस सरकार में भी होता रहेगा। मुख्यमंत्री को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। भानू प्रताप ने कहा कि वास्तव में चंपाई सोरेन 22 जनवरी को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के बाद ही मुख्यमंत्री बने। श्रीरामलला धरा पर आये और उसके बाद ही चंपाई मुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजमान हुए। हरे झंडे वाले और हरा चश्मा पहनने वालों को हरा दिखाई देता है। भानु ने सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर झारखंड के लिए आंदोलन किसके खिलाफ चल रहा था। उस समय तो भाजपा नहीं थी। पिछले चालीस सालों में आदिवासियों को कांग्रेस ने केवल लालीपॉप पकड़ाया। शिबू सोरेन यदि झारखंड आंदोलन के लिए लड़े तो छत्तीसगढ़, उत्तराखंड के लिए किसने लड़ाई लड़ी? यह भाजपा का विशाल हृदय था जो तीन तीन स्टेट बनवाए। यहां झारखंड बनने के बाद अटल बिहारी वाजपेयी, आडवाणी जी ने आदिवासी नेता बाबूलाल मरांडी को मुख्यमंत्री बनाया। फिर अर्जुन मुंडा बने, शिबू सोरेन को भी भाजपा के सहयोग से मुख्यमंत्री बनाया गया। फिर अर्जुन मुंडा के मुख्यमंत्री बनने पर डिप्टी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बनाया गया। आज राष्ट्रपति के पद पर आदिवासी महिला हैं जो बताता है कि भाजपा आदिवासी समाज के लिए क्या भाव रखती है। हेमंत सोरेन ने पांच फरवरी को सदन में भाजपा पर उन्हें जेल भेजे जाने का साजिश रचने की बात कही थी। कोई बताए कि चिरूडीह हत्याकांड, शशिनाथ झा हत्याकांड, नोट फॉर वोट में शिबू सोरेन को जेल किसने भेजा। कोयला घोटाले में उन्हें जेल भेजने वाली यही कांग्रेस पार्टी रही। उन्हें चार सालों तक जेल में रखकर उनके पॉलिटिकल जीवन को नुकसान पहुंचाया। कोई ऐसा सगा नहीं, जिसे कांग्रेस ने ठगा नहीं। शिबू सोरेन, मधु कोड़ा, बंधु तिर्की को भी कांग्रेस की साजिश से जेल जाना पड़ा। लालू यादव, ओमप्रकाश चौटाला, करुणानिधि जयललिता, वाईएस आर रेड्डी समेत कई अन्य नेताओं को भी कांग्रेस के चलते जेल जाना पड़ा। लोकतंत्र की सबसे पापी पार्टी कांग्रेस ही है। सत्ता पक्ष कहता है कि इस राज्य में सबसे अधिक शासन भाजपा ने किया, वे अपना हिसाब ठीक करें। 10 साल नौ माह ही भाजपा का नेतृत्व यहां दिखा जबकि बाकी समय कांग्रेस, झामुमो, राजद, राष्ट्रपति शासन रहा।

## सहायक अभियंता ( सिविल ) भर्ती : छह अभ्यर्थियों को काउंसलिंग का अंतिम अवसर

**जयपुर ( हिंस )।** राजस्थान लोकसेवा आयोग द्वारा सहायक अभियंता-सिविल (स्वायत्त शासन विभाग) के पदों के लिए आयोजित प्रतियोगी परीक्षा-2022 के तहत जारी विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों में से काउंसलिंग के लिए प्रदत्त अवसरों में अनुपस्थित रहे छह अभ्यर्थियों को अंतिम अवसर प्रदान किया गया है। इन अभ्यर्थियों को पात्रता जांच के लिए नौ फरवरी 2024 को प्रात: साढ़े 09 बजे आयोग कार्यालय में आवश्यक रूप से उपस्थित होना होगा। अभ्यर्थियों की सूची आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग के विशेषाधिकारी चेतन त्रिपाठी ने एक विज्ञप्ति में बताया कि आयोग द्वारा उक्त पदों के लिए 29 दिसंबर 2023 को पात्रता जांच के लिए अभ्यर्थियों की विचारित सूची जारी की गई थी। इस सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों की काउंसलिंग का आयोजन 16 जनवरी 2024 को निर्धारित कार्यक्रमानुसार किया गया। इसमें अनुपस्थित रहे नौ अभ्यर्थियों को अतिरिक्त अवसर प्रदान करते हुए पात्रता जांच के लिए एक फरवरी 2024 को उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया गया था। इस पर भी इनमें से छह अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। आयोग द्वारा इन अनुपस्थित रहे अभ्यर्थियों को पात्रता जांच के लिए अंतिम अवसर प्रदान किया गया है। उक्त अभ्यर्थियों को काउंसलिंग के लिए आयोग वेबसाइट से विस्तृत आवेदन-पत्र एवं आवश्यक दिशा-निर्देश डाउनलोड कर विस्तृत आवेदन-पत्र (दो प्रतियों में) समस्त प्रविष्टियां पूर्ण कर संबंधित शैक्षणिक, प्रशैक्षणिक, जाति, मूल निवास एवं अन्य दस्तावेजों की स्वप्रमाणित प्रतियां (एक प्रति में) संलग्न कर मूल दस्तावेजों के साथ निर्धारित दिनांक को आयोग कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा।

## आजमगढ़ में अराजक तत्वों ने क्षतिग्रस्त की अंबेडकर प्रतिमा, ग्रामीणों में आक्रोश

**आजमगढ़ ( हिंस )।** जिले के रौनापार थाना क्षेत्र के तवक्कलपुर गांव में बीती रात अराजक तत्वों ने अंबेडकर प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया। मंगलवार की सुबह ग्रामीणों को इसकी सूचना लगी तो तनाव का माहौल हो गया और घटना स्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस व प्रशासन के अधिकारी पहुंचें और ग्रामीणों को समझा बूझाकर क्षतिग्रस्त प्रतिमा के स्थान पर दूसरी प्रतिमा लगवाने का आश्वासन दिया। रौनापार थाना क्षेत्र के तवक्कलपुर गांव में बीती रात अराजक तत्वों ने अंबेडकर प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया। मंगलवार की सुबह जैसे ही इसकी जानकारी ग्रामीणों को लगी, मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। आक्रोशित ग्रामीण जमकर पुलिस व प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने के साथ मौके पर धरना देने लगे। सूचना पाकर मौके पर स्थानीय थाना की पुलिस, सीओ सगड़ी शुभम तोड़ी पहुंचे। ग्रामीणों को समझाने बुझाने में लग रहे और दूसरी प्रतिमा लगवाने का आश्वासन दिया। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि यह तीसरी बार घटना हुई है। अराजक तत्वों पर कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए। वहीं पुलिस घटना की छानबीन में जुटी हुई है और दोषियों पर कड़ी कार्यवाही का ग्रामीणों को भरोसा दिलाया है।

## रामलला का दर्शन कर भावविभोर हो गया अरुणाचल का मंत्रिमंडल

### उत्तर प्रदेश की अतिथि देवो भव की परंपरा से हुए आह्लादित

**अयोध्या ( हिंस )।** रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद श्रीराम जन्मभूमि पर मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश मंत्रिमंडल के सदस्यगण पहुंचे। संकटमोचन हनुमान के दिन मंगलवार को श्रीरामलला के दर्शन कर पूरा मंत्रिमंडल भावविभोर हो गया। अरुणाचल प्रदेश का पहला राजनीतिक प्रतिनिधिमंडल है, जिसने प्राण-प्रतिष्ठा के उपरांत श्रीरामलला का दर्शन-पूजन किया। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू कैबिनेट मंत्रियों, विधायकों और अधिकारियों के साथ राम मंदिर में दर्शन करने मंगलवार को अयोध्या पहुंचे। सबसे पहले महर्षि वाल्मीकि हवाई अड्डे पर उन्हें गार्ड ऑफ आनर दिया गया। उत्तर प्रदेश की अतिथि देवो भव की परंपरा देख सभी आगंतुक भावविभोर हो गए। दर्शन के उपरांत प्रतिनिधिमंडल अरुणाचल प्रदेश के लिए रवाना भी हो गया। योगी सरकार के कृषि व अयोध्या के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह,

महापौर गिरीशपति त्रिपाठी, अयोध्या मे पहले महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, जिलाधिकारी नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पेमा खांडू व उनके कैबिनेट मंत्रियों, विधायकों, अधिकारियों को माला पहनाया, अंगवस्त्र भेंट किया और माथे पर तिलक लगाकर स्वागत किया। सांस्कृतिक मंच के कलाकारों ने उनके स्वागत में लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। अरुणाचल प्रदेश से आए अतिथियों की सुरक्षा व्यवस्था के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने बताया कि उनके कैबिनेट सहयोगियों, विधायकों और अधिकारियों सहित 70 लोगों का प्रतिनिधिमंडल राम मंदिर दर्शन करने आया है। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि मैं दो साल पहले भी अयोध्या आया था, जब श्री राम मंदिर का निर्माण चल रहा था। बहुत उत्साहित हूं कि राम मंदिर बन गया है और मैं दर्शन करने आया हूं। उन्होंने बताया कि अयोध्या में अरुणाचल भवन निर्माण कराए जाने को लेकर हमने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है। 500 वर्षों बाद राम मंदिर बनकर तैयार हो गया है, यह देश के लिए बड़े गर्व की बात है। अब रामराज भी आ गया है। देश विकास की नई गाथा लिखेगा।

# बढ़ती महंगाई पर केंद्र सरकार की राहत, 29 रुपये प्रति किलो मिलेगा चावल, लॉन्च होगी ये योजना

**नई दिल्ली।**
भारत में चावल की खुदरा कीमतों में पिछले एक साल में तेजी देखने को मिली है। ऐसे में भारत सरकार उपभोक्ता को राहत देने के लिए रियायती दर पर चावल की बिक्री करना शुरू कर रही है।

इसमें उपभोक्ता को 29 रुपये प्रति किलोग्राम पर चावल दिया जाएगा। सब्सिडी वाला चावल 5 किलो और 10 किलो के पैक में उपलब्ध होगा। बता दें कि पिछले 1 साल में चावल की खुदरा कीमतों में 15 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिल रही है।

**भारत चावल को मिलेगी अच्छी प्रतिक्रिया** – एक आधिकारिक प्रेस रिलीज में कहा गया है कि खाद्य मंत्री पीयूष गोयल राष्ट्रीय राजधानी के कर्तुतव्य पथ पर भारत चावल लॉन्च करने वाले हैं। भारतीय खाद्य निगम दो सहकारी समितियों, नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर फेडरेशन ऑफ इंडिया के साथ-साथ केंद्रीय भंडार को खुदरा सीरीज 5 लाख टन चावल का फेज-1 शुरू करेगा। ये एजेंसियां चावल को 5 किलो और 10 किलो में पैक करेंगी और भारत ब्रांड के तहत अपने आउटलेट के माध्यम से खुदरा बिक्री करेंगी। चावल को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए भी बेचा जाएगा। खुले बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के माध्यम से समान दर पर थोक उपयोगकर्ताओं को चावल की बिक्री के लिए फीकी प्रतिक्रिया मिलने के बाद सरकार ने एफसीआई चावल की खुदरा बिक्री का सहारा लिया है। सरकार को उम्मीद है कि भारत चावल के लिए भी अच्छी प्रतिक्रिया मिलेगी, जैसा कि उसे भारत आटा के लिए मिल रहा है, जिसे समान एजेंसियों के माध्यम से 27.50 रुपये प्रति किलोग्राम और भारत चना 60 रुपये प्रति किलोग्राम पर बेचा जा रहा है। निर्यात पर प्रतिबंध और 2023-24 में बंपर उत्पादन के बावजूद खुदरा कीमतें अभी भी नियंत्रण में नहीं आई हैं। सरकार ने जमाखोरी रोकने के लिए खुदरा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं, प्रोसेसरों और बड़ी खुदरा श्रृंखलाओं से अपने स्टॉक का खुलासा करने को कहा है। विशेषज्ञों ने कहा कि ऐसे समय में जब सरकार 80 करोड़ गरीब राशन कार्ड धारकों को मुफ्त एफसीआई चावल प्रदान करती है, उच्च मुद्रास्फीति एफसीआई चावल में नहीं हो सकती ।

## न्यूज़ ब्रीफ

### एचडीएफसी समूह यस और इंडसइंड समेत चार बैंकों में 9.5 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगा, आरबीआई ने दी मंजूरी

**नई दिल्ली ।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एचडीएफसी बैंक को यस बैंक में 9.5 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए मंजूरी दे दी है, कंपनी ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी है। यस बैंक ने फाइलिंग में कहा, हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि यस बैंक लिमिटेड (बैंक) को 5 फरवरी, 2024 को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से एक सूचना मिली है, कि उसने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (आवेदक) को बैंक की चुकता शेयर पूंजी या मतदान अधिकारों के 9.50 प्रतिशत तक की कुल होल्डिंग प्राप्त करने के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। नियामकीय अनुपालन और बाजार की गतिशीलता पर विचार करने के बाद आरबीआई की ओर से यह मंजूरी दी गई है। वहीं, एचडीएफसी बैंक ने स्पष्टीकरण जारी कर कहा कि इंडसइंड बैंक में 9.5 फीसदी तक हिस्सेदारी खरीदने की आरबीआई की मंजूरी केवल एचडीएफसी बैंक पर लागू नहीं होती है, बल्कि पूरे एचडीएफसी बैंक समूह पर लागू होती है। भारतीय रिजर्व बैंक ने एचडीएफसी बैंक समूह को इंडसइंड बैंक, यस बैंक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक और बंधन बैंक में 9.50 प्रतिशत तक हिस्सेदारी खरीदने की अनुमति दी है। बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी), एचडीएफसी एर्गो और एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस की ओर से किए गए निवेश के लिए दी गई है। आरबीआई की ओर से दी गई यह मंजूरी एक वर्ष के लिए वैध है और यदि एचडीएफसी बैंक उस अवधि के भीतर शेयरधारिता का अधिग्रहण करने में विफल रहता है, तो यह अनुमोदन रद्द कर दिया जाएगा। आरबीआई की मंजूरी बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के प्रासंगिक प्रावधानों, आरबीआई के मास्टर डायरेक्शन और 16 जनवरी, 2023 को बैंकिंग कंपनियों में शेयरों या वोटिंग अधिकारों के अधिग्रहण और होल्डिंग से जुड़े दिशानिर्देशों, फेमा, सेबी नियमों और अन्य लागू नियमों के अनुपालन के अधीन है।

### सोने और चांदी की कीमतों में आई नरमी, सोने का वायदा भाव 62,250, चांदी लगभग 70,400 रुपए

**नई दिल्ली ।** इस सप्ताह लगातार दूसरे दिन सोने और चांदी के वायदा भाव में सुस्ती देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव 62,250 रुपये और चांदी के 70,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 55 रुपये की गिरावट के साथ 62,261 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह 76 रुपये की गिरावट के साथ 62,240 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्ती के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 29 रुपये की गिरावट के साथ 70,451 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह 74 रुपये की गिरावट के साथ 70,406 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट, चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,041.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,042.90 डॉलर था। फिलहाल यह 2.60 डॉलर की गिरावट के साथ 2,040.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 22.43 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 22.42 डॉलर था। फिलहाल यह हल्की गिरावट के साथ 22.42 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

### रुपया डॉलर के मुकाबले 83.03 पर स्थिर

**मुंबई ।** वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.03 पर स्थिर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि, भारतीय मुद्रा को घरेलू बाजारों में सकारात्मक रुख और विदेशी कोषों के निरंतर प्रवाह से बल मिला। उन्होंने कहा कि निवेशक इस सप्ताहांत में घोषित होने वाले भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति के निर्णय से पहले सतर्क हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.03 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 83.04 प्रति डॉलर पर फिसल गया। इसके बाद मामूली बढ़त के साथ 83.03 प्रति डॉलर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के बराबर है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.03 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.28 पर रहा।

# पेटीएम ने जियो फाइनेंशियल के साथ किसी भी डील से किया इनकार, रिपोर्ट्स को खारिज कर यह कहा

**नई दिल्ली ।**
जियो फाइनेंशियल की ओर से पेटीएम वॉलेट के संभावित अधिग्रहण की अटकलों के बीच, पेटीएम ने इन दावों का खंडन किया है। कंपनी ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा है कि इस तरह के अधिग्रहण की बातें करने वाली खबरें काल्पनिक, आधारहीन और तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। पेटीएम ने स्पष्ट किया कि इस संबंध में कोई बातचीत नहीं हुई है। पेटीएम की ओर से यह स्पष्टीकरण उसकी सहयोगी कंपनी, पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड के लिए भी जारी किया गया है। विज्ञप्ति के अनुसार, पेटीएम पेमेंट्स बैंक ने मुकेश अंबानी के साथ अनुमानित अधिग्रहण से संबंधित कोई भी बातचीत नहीं हुई है।

### जेएफएसएल ने पहले ही किया साफ- नहीं हो रही डील

पेटीएम ने कहा, हम स्पष्ट करते हैं कि उपरोक्त समाचार काल्पनिक, आधारहीन और तथ्यात्मक रूप से गलत है। हम इस संबंध में किसी से बातचीत नहीं कर रहे हैं। हमारी सहयोगी कंपनी पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड ने भी हमें सूचित कर दिया है कि वे भी इस संबंध में किसी तरह की बातचीत नहीं कर रहे हैं। यह स्पष्टीकरण अंबानी की जियो फाइनेंशियल सर्विसेज (जेएफएसएल) की ओर से यह साफ करने के एक दिन बाद आया है कि वह पेटीएम वॉलेट के अधिग्रहण के लिए संकटग्रस्त वन97 कम्युनिकेशंस के साथ कोई बातचीत नहीं कर रही है।

### आरबीआई की सख्ती के बाद पेटीएम के शेयरों में आ चुकी है 43 प्रतिशत तक की गिरावट

जेएफएसएल ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा, हम स्पष्ट करते हैं कि यह खबर काल्पनिक है और इस संबंध में हमारी कोई बातचीत नहीं हुई है। स्टॉक एक्सचेंज बीएसई की ओर से कंपनी को उन रिपोर्टों पर टिप्पणी करने के लिए कहा गया था जिसमें कहा गया है कि जेएफएसएल पेटीएम के वॉलेट व्यवसाय के अधिग्रहण के लिए वन 97 के साथ बातचीत कर रही है। इस रिपोर्ट के बाद एनबीएफसी का शेयर बीएसई पर 14 फीसदी चढ़कर 289 रुपये पर बंद हुआ। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को मार्च से अपने खातों या लोकप्रिय वॉलेट में ताजा जमा स्वीकार करना बंद करने के लिए कहा था, जिसके बाद से पेटीएम को लगभग 2.5 अरब डॉलर या उसके बाजार मूल्य का लगभग 43 प्रतिशत का नुकसान हुआ है।

### पिछले साल फरवरी में हुई एमपीसी की बैठक में आखिरी बार किया गया था रेपो रेट में बदलाव

भारतीय रिजर्व बैंक की एमपीसी यानी मौद्रिक नीति समिति ने लगभग एक साल से रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। पिछली बार फरवरी 2023 में रेपो रेट को 6.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया गया था। तब से यह 6.5 प्रतिशत पर स्थिर बना हुआ है। इस दौरान खुदरा महंगाई वर्ष 2023 के जुलाई महीने में 7.44 प्रतिशत के उच्चस्तर पर थी और उसके बाद इसमें लगातार गिरावट आई। हालांकि, यह अब भी आरबीआई के टॉलरेंस बैंठ के ऊपरी छोड़ के करीब बना हुआ है। खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर, 2023 में 5.69 प्रतिशत रही। सरकार ने देश के केंद्रीय बैंक आरबीआई को खुदरा महंगाई दर 2 प्रतिशत से 6 प्रतिशत के दायरे में रखने की जिम्मेदारी सौंपनी है।

### बड़ी बिकवाली के बाद हरे निशान पर कारोबर करते दिखे पेटीएम के शेयर

बीते तीन दिनों में लगभग 42 प्रतिशत की गिरावट के बाद निचले स्तरों से पेटीएम के शेयरों में खरीदारी लौटी। शुरुआती कारोबार में पेटीएम के शेयर लगभग 5 प्रतिशत की बढ़त के साथ 473.55 रुपये इंट्राडे हाई पर कारोबार करते दिखे।

### विलय के क्रियान्वयन से जुड़ी जी की याचिका पर एनसीएलटी ने जारी किया नोटिस, 12 मार्च को सुनवाई

**नई दिल्ली ।** राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ ने सोनी पिक्चर्स की भारतीय इकाई के साथ विलय को लागू करने की मांग करने वाली जी एंटरटेनमेंट की याचिका पर नोटिस जारी किया है। ट्रिब्यूनल 12 मार्च को मामले की सुनवाई करेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सोनी समूह की भारतीय इकाइयों ने भी एनसीएलटी के समक्ष आवेदन दायर किया था, जिसमें विलय के कार्यान्वयन से जुड़े जी के आवेदन को चुनौती दी गई थी। एनसीएलटी ने जी की याचिका को उसके शेयरधारक मैड मैन फिल्म वेंचर्स के साथ जोड़ दिया है, जिसे भारतीय ब्रॉडकास्टर का प्रॉक्सी कहा गया है। मैड मैन फिल्म वेंचर्स ने इससे पहले सोनी और जी के बीच विलय योजना लागू करने के लिए एनसीएलटी से संपर्क किया था। ट्रिब्यूनल ने कल्वर मैक्स और बांग्ला एंटरटेनमेंट को भी नोटिस जारी कर जी के आवेदन पर जवाब दाखिल करने को कहा है। एनसीएलटी की ओर से याचिका सूचीबद्ध होने के बाद, जी के शेयरों की कीमतों में निचले स्तरों से 1.4 प्रतिशत तक का उछाल आया है।

# खुद का बिजनेस शुरू करने के लिए पीएम स्वनिधि योजना करेगा आपकी मदद

**नई दिल्ली।**
भारत सरकार स्वरोजगार को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए सरकार कई योजना चला रही है। इन योजना में से एक पीएम स्वनिधि स्कीम पीएम स्वनिधि योजना) भी है। इस स्कीम में खुद का बिजनेस शुरू करने के लिए सरकार द्वारा आर्थिक सहायता दी जाती है।

केंद्र सरकार ने रेहड़ी-पटरी वालों के लिए इस स्कीम को शुरू किया है। चलिए, इस स्कीम के बारे में विस्तार से जानते हैं।

### पीएम स्वनिधि योजना

पीएम स्वनिधि योजना में क्रेडिट की सुविधा मिलती है यानी कि वह गिरवी रखकर लोन ले सकते हैं। इस लोन के जरिये वह अपना कोई नया बिजनेस शुरू कर सकते हैं। यह योजना कोविड महामारी के बाद शुरू की गई थी। इस योजना में सरकार 10,000 रुपये से 50,000 रुपये तक का लोन देती है।

अगर आप भी इस योजना का लाभ उठाने का सोच रहे हैं तो बता दें कि इसमें आपको पहली बार में 10,000 रुपये का लोन मिलेगा। दूसरी बार में 20,000 और तीसरी बार में 50,000 रुपये का लोन दिया जाएगा। इस स्कीम में मिल रही लोन की राशि को 12 महीने के भीतर वापस करना होता है।

### पीएम स्वनिधि योजना के फायदे

इसमें बिजनेस शुरू करने के लिए लोन दिया जाता है।

समय से पहले लोन चुकाने पर 7 फीसदी का सब्सिडी दिया जाता है।

डिजिटल पेमेंट करने पर सरकार कैशबैक का लाभ देती है।

लाभार्थी को 25 रुपये से 100 रुपये तक का कैशबैक मिलता है।

कैसे करें आवेदन

आप किसी भी सरकारी बैंक में जाकर इस योजना के लिए आवेदन दे सकते हैं।

इस योजना के लिए आपको एक फॉर्म दिया जाएगा। उस फॉर्म को भरने के बाद आप उसके साथ जरूरी डॉक्यूमेंट अटैच करेंगे।

अब आपको बताना होगा कि आप यह लोन किस बिजनेस के लिए ले रहे हैं।

इसके बाद आपके डॉक्यूमेंट को वेरिफाई करने के बाद आपको लोन दे दिया जाता है।

क्या है जरूरी डॉक्यूमेंट

- आधार कार्ड
- बैंक अकाउंट नंबर
- एड्रेस प्रूफ
- मोबाइल नंबर
- पैन कार्ड ।

# मारूती के बाद ये ऑटो कंपनी बाजार में होगी लिस्ट, जुटाएगी 25000 करोड़, एलआईसी के बाद दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ

**नई दिल्ली ।**
शेयर बाजार में खुद को लिस्ट कराने के लिए एक और कंपनी आ रही है. देश की दूसरी सबसे बड़ी ऑटो मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी जल्द ही शेयर बाजार में आईपीओ लेकर आ रही है. इस साल के अंत तक हुनडई अपना आईपीओ लेकर आ रही है, जिसमें हुनडई अपना 15-20 फीसदी हिस्सा बेच सकती है. बता दें कि मारुति सुजुकी के बाद ये दूसरी ऑटो कंपनी है, जो प्राइमरी मार्केट के जरिए शेयर बाजार में एंट्री ले रही है और लिस्ट कराने के लिए आईपीओ लेकर आ रही है. हालांकि कंपनी की ओर से जुटाई जाने वाली रकम काफी ज्यादा है. अगर ऐसा होता है तो ये एलआईसी के बाद दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बन जाएगी।

### 25000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना

कंपनी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, इस आईपीओ के जरिए कंपनी 3 बिलियन डॉलर यानी कि 25000 करोड़ रुपए जुटाने वाली है. सूत्रों ने यह जानकारी दी, उन्होंने कहा कि हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) 3.3-5.6 अरब डॉलर तक पूंजी जुटाने के लिए अपनी 15-20 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच सकती है। एलआईसी के पछाड़ बन सकती है दूसरी कंपनी कंपनी अगर आईपीओ के लिए आगे बढ़ती है तो यह 21,000 करोड़ रुपये के एलआईसी के आईपीओ को पीछे छोड़कर भारत में सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम बन जाएगा ।

# डीपफेक का शिकार हुई कंपनी 25.6 मिलियन डॉलर का नुकसान

**हांगकांग ।**
एक बहुराष्ट्रीय कंपनी की हांगकांग शाखा डीपफेक का शिकार हो गई है। डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल करने वाले घोटालेबाजों ने खुद को एक मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) के रूप में पेश किया। एक वीडियो कॉन्फ्रेंस कॉल के जरिए इस तरह के काम को अंजाम दिया। इस डीपफेक के चलते कंपनी की हांगकांग शाखा को 25.6 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। यह अपनी तरह का हांगकांग पहला मामला बताया जा रहा है।

मामला सामने आने के बाद हांगकांग पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। दो फरवरी को हांगकांग पुलिस ने कहा कि कि पैसे के लेन-देन का आदेश एक बैठक के दौरान दिया गया था। बताया गया इस फर्जी वीडियो कॉल में सिर्फ पीड़ित ही वास्तव में था, बाकी सभी मौजूद लोग डीपफेक थे। पुलिस ने इस मामले को हांकांग में अपनी तरह का पहला मामला बताया है। पुलिस ने हालांकि कंपनी का नाम उजागर नहीं किया है। कार्यवाहक वरिष्ठ अधीक्षक बैरन चान शुन-चिंग ने कहा कि पिछले मामलों में घोटाले के पीड़ितों को वीडियो कॉल करके धोखा दिया गया था। लेकिन पुलिस ने कहा कि ये मामला अलग है, क्योंकि इस वीडियो कॉल में दिखने वाले सभी आदमी ही नकली है। एक कर्मचारी को कंपनी के यूनाइटेड किंगडम स्थित सीएफओ से कथित तौर पर संदेश मिलने के बाद से संदेह हुआ था और पहली बार जनवरी में इसे फ़िशिंग ईमेल के रूप में खारिज कर दिया था। कार्यकर्ता ने वीडियो कॉल के बाद संदेह को खारिज कर दिया क्योंकि उपस्थित अन्य लोग बिल्कुल सहकर्मियों की तरह दिख रहे थे और कुछ अन्य लोगों को वह पहचान रहा था। ऐसी कई घटनाओं के बीच, चैन ने कहा कि पुलिस ने अब तक छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

# चुनावी वर्ष में राजकोषीय प्रबंधन...,भारत के अंतरिम बजट पर क्या बोला अमेरिकी व्यापार संगठन

**वॉशिंगटन ।**

**केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल एक फरवरी को संसद में अंतरिम बजट 2024 पेश किया था। अंतरिम बजट में वृद्धि पर ध्यान देने के लिए अमेरिका स्थित भारत-केंद्रित व्यापार वकालत समूह ने सीतारमण की सराहना की। साथ ही कहा कि यह अंतरिम बजट चुनावी वर्ष में जिम्मेदार राजकोषीय प्रबंधन को दर्शाता है।**

अमेरिका-भारत रणनीतिक और साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) ने बढ़ते अमेरिका-भारत वाणिज्यिक संबंधों के अनुरूप बुनियादी ढांचे, समावेशी विकास और राजकोष पर सरकार के लगातार ध्यान रखने की सराहना की। यूएसआईएसपीएफ ने कहा, अंतरिम बजट में कोई बड़ी नीतिगत घोषणा नहीं की गई है, यह चुनावी वर्ष में जिम्मेदार राजकोषीय प्रबंधन को दर्शाता है।

**बता दें, भारत में अप्रैल और मई के बीच आम चुनाव होने की उम्मीद है।**

राजकोषीय घाटा 5.1 फीसदी तक होगा सीमित बजट अनुमानों के अनुसार, आगामी वित्त वर्ष 2025 के लिए राजकोषीय घाटा 5.1 फीसदी तक सीमित हो जाएगा और जीडीपी की वृद्धि छह से सात फीसदी के बीच रहेगी। वहीं, सरकार की प्राथमिकताएं सामाजिक सुरक्षा और रोजगार सृजन के लिए अल्पकालिक खर्च पर केंद्रित रहेंगी और पूंजीगत व्यय में मध्यम अवधि की वृद्धि होगी।

### इसमें करेगी मदद

यूएसआईएसपीआईएफ ने कहा, हमारा मानना है कि राजकोषीय मजबूती की रूपरेखा के तहत ये प्राथमिकताएं भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, सरकार की कर्ज लेने की लागत को कम करने और विदेश व्यापार तथा निवेश को समर्थन देने में मदद करेंगी, जो अमेरिका-भारत साझेदारी की नींव है।

### बजट ने पूंजीगत व्यय को बढ़ाया

समूह ने कहा, अमेरिका-भारत के बढ़ते वाणिज्यिक संबंधों के अनुरूप हम बुनियादी ढांचे, समावेशी विकास और राजकोषीय मजबूती पर सरकार के निरंतर ध्यान की सराहना करते हैं। साल 2024 के बजट ने पूंजीगत व्यय को बढ़ा दिया है, जो 133.9 अरब डॉलर हो गया है। यह आर्थिक विकास के इंजन को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

साथ ही, सरकार ने बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए वित्त पोषण को प्राथमिकता दी है, जिसमें सड़कों, रेलों, बंदरगाहों और हवाई अड्डों के लिए 130 अरब डॉलर आवंटित किए गए हैं। इन सभी निवेशों से इन क्षेत्रों में निजी निवेश को आकर्षित करने में मदद मिलेगी, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी शामिल है।

### इसकी भी की सराहना

यूएसआईएसपीआईएफ ने कहा, हम बजट में शामिल महत्वपूर्ण सामाजिक खर्च को भी पहचानते हैं और उसका समर्थन करते हैं जैसे कि अगले पांच वर्षों में 20 मिलियन किफायती घरों का निर्माण, जो नई नौकरियों और निर्माण क्षेत्र के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा। इसके अलावा, समूह ने भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में निरंतर कदमों की सराहना की, जिसमें 10 मिलियन घरों को मुफ्त रूफटॉप सौर-जनित बिजली प्रदान करने की परियोजना भी शामिल है।

# सतीशा–आद्या ने किया कमाल, ईरान फजर अंतरराष्ट्रीय चैलेंज में मिश्रित युगल का जीता खिताब

**नई दिल्ली ।**
सतीश कुमार करुणाकरन और आद्या वारियाथ की जोड़ी ने 32वें ईरान फजर अंतरराष्ट्रीय चैलेंज टूर्नामेंट में मिश्रित युगल का खिताब जीत लिया। दोनों ने अनुभवी भारतीय जोड़ी एन सिक्की रेड्डी और बी सुमित रेड्डी को 22-20, 21-14 से खिताबी मुकाबले में पराजित किया। भारत के लिए ईरान के याज्द में खेला जा रहा यह टूर्नामेंट शानदार रहा। के साई प्रतीक और कृष्ण प्रसाद की जोड़ी ने पुरुष युगल का खिताब भी अपने नाम किया।

इस भारतीय जोड़ी ने फाइनल में मेक्सिको के जोब कैस्टिलो और लुइस अरमांडो मोंटोया को 21-18, 21-19 से पराजित किया। हालांकि सतीश दोहरा खिताब जीतने से चूक गए। उन्होंने पुरुष एकल के फाइनल में भी जगह बनाई, जहां उन्हें हांगकांग के एनगुएन हाईदांग के हाथों 17-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।

सतीश ने अपना पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 100 का खिताब बीते वर्ष दिसंबर में ओडिशा ओपन के रूप में जीता था। भारत की तस्नीम मीर ने महिला एकल के फाइनल में भी जगह बनाई, लेकिन उन्हें भी हांगकांग की प्रतिद्वंद्वी सिन यान हैपी लो से पराजय मिली। मीर यह मुकाबला 14-21, 12-21 से हारीं।

## कमाई में भी अव्वल हैं मैक्सवेल

**नई दिल्ली ।** ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल खेल के साथ ही कमाई में भी आगे हैं। तेजी से रन बनाने की तरह ही मैक्सवेल पैसे भी कमाते हैं। मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह से उन्हें भारी कमाई होती है। उन्होंने अपने अब तक के सफर में जमकर संपत्ति बनायी है। मैक्सवेल की आय ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीम, आईपीएल और विज्ञापनों से होती है। इसके अलावा उनके पास काफी अचल संपत्ति है। वह निवेश से भी हैं कमाई करते हैं। इस प्रकार उनकी कुल कमाई करीब 98 करोड़ रुपये है। उनकी मासिक आय करीब 1.5 करोड़ रुपये है। वहीं, उनकी सालाना आय 18 करोड़ रुपये के करीब है। हर एकदिवसीय मैच के लिए उन्हें 8.5 लाख रुपये मिलते हैं। हर टी-20 मैच 5.6 लाख रुपये और टेस्ट मैच के लिए 11 लाख रुपये मिलते हैं। आईपीएल में उन्होंने कई अलग फ्रेंचाइजी से खेला है। इनमें मुंबई इंडियन्स, दिल्ली डेयरडेविल्स, किंग्स इलेवन आदि हैं। उनके पास 10 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। उनके पास कई देशों में रियल एस्टेट प्रॉपर्टी है। वह ऑस्ट्रेलिया में एक लग्जरी घर में रहते हैं। उनके पास 7 करोड़ रुपये की कार हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### वेस्टइंडीज के क्रिकेटर फेबियन के साथ लूटपाट ,एसए 20 लीग खेलने गये हैं दक्षिण अफ्रीका

**जोहांसबर्ग ।** वेस्टइंडीज के क्रिकेटर फेबियन एलन के साथ दक्षिण अफ्रीका में खेली जा रही एसए 20 लीग के दौरान लूटपाट का मामला सामने आया है। फेबियन यहां पार्ल रॉयल्स की ओर से खेल रहे हैं और सैंडटन सन होटल में रह रहे हैं। इसी होटल के बाहर उन्हें अपराधियों ने निशाना बनाया। लुटेरों ने उन्हें घेर लिया और उनका फोन, बैग और अन्य निजी सामान भी छीन लिया। इस घटना के बाद से ही ये क्रिकेटर सदमे में है। वहीं क्रिकेट वेस्टइंडीज , पार्ल रॉयल्स की ओर से कहा गया कि इस घटना में एलन को कोई नुकसान नहीं हुआ। उन्होंने यह भी बताया कि उनसे संपर्क हो गया है और वह ठीक हैं। इस घटना के बाद दक्षिण अफ्रीका टी20 लीग में खिलाड़ियों की सुरक्षा पर भी अब सवाल उठने लगे हैं। इसके इस घटना को लेकर पुलिस जांच में लगी है हालांकि अब तक घुटेरों का पता नहीं चला है। लीग के दूसरे सत्र में दूसरी बार ऐस हुआ है जब खिलाड़ियों की सुरक्षा खतरे में पड़ी है। खेल की बात करें तो फेबियन का प्रदर्शन रॉयल्स के लिए अब तक अच्छा नहीं रहा है। 8 मैचों में उसने 7.60 के औसत और 140.74 के स्ट्राइक रेट से केवल 38 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 17 रन रहा है। वहीं 8.87 की इकोनॉमी रेट से उसने केवल 2 विकेट लिए हैं। फैबियन एलन वेस्टइंडीज के गेंदबाज ऑलराउंडर हैं। उन्होंने अपनी टीम की ओर से 20 एकदिवसीय और 34 टी20 मैच खेल हैं। एकदिवसीय में उन्होंने 200 रन बनाने के साथ 7 विकेट भी लिए हैं। हैं। इसके अलावा टी20 में उन्होंने 267 रन बनाने के साथ 24 विकेट भी लिए हैं। रॉयल्स ने अभी तक 10 मैचों में से 5 में जीत हासिल की है और 22 अंकों और -0.544 के नेट रन रेट के साथ वह लीग चरण के अंत में तालिका में चौथे स्थान पर रहकर प्लेऑफ में पहुंच गयी है। रॉयल्स को अपने पहले 7 मैचों में से केवल एक मैच में हार का सामना करना पड़ा है। वहीं डरबन सुपर जाइंट्स और सनराइजर्स ईस्टर्न केप के हाथों लगातार 4 मैच हारने से उसका मनोबल घटा है।

### गांगुली के टर्निंग ट्रैक बयान पर द्रविड़ का करारा जवाब

**मुम्बई ।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में मिली जीत के बाद कहा कि जिस प्रकार हमारे गेंदबाज प्रदर्शन कर रहे हैं उसको देखते हुए मुझे लगता है कि हमें

टर्निंग ट्रैक तैयार करने की जरूरत ही नहीं है। गांगुली ने सोशल मीडिया में लिखा, जब मैं बुमराह, सिराज और मुकेश कुमार को गेंदबाजी करते देखता हूं तो सोचता हूं कि हमें भारत में टर्निंग ट्रैक तैयार करने की जरूरत ही क्या है। अच्छे विकेट पर मैच खेलने की मेरी चाहत हर एक मैच के साथ और ज्यादा बेहतर होती जाती है। ये गेंदबाज किसी भी सतह पर आपके लिए 20 विकेट ले सकते हैं। उनको कुलदीप और अक्षर जैसे स्पिनरों का साथ चाहिए। साथ ही कहा कि घर पर टर्निंग पिच के कारण पिछले कुछ साल में बल्लेबाजी का स्तर थोड़ा नीचे गिरा है। इसलिए अच्छे विकेट का होना तो बेहद जरूरी है। गांगुली के सोशल मीडिया पर दिये इस बयान पर टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने करार जवाब देते हुए कहा, '' क्यूरेटर पिच तैयार करते है।

### रविचंद्रन अश्विन सिर्फ अपने लिए... 500 टेस्ट विकेट से चूकने के बाद केविन पीटरसन ने भारतीय स्पिनर की ली चुटकी

**नई दिल्ली।** केविन पीटरसन को लगता है कि रविचंद्रन अश्विन अपने रिकॉर्ड के चक्कर में अपना बेस्ट प्रदर्शन नहीं कर पाए। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान का मानना है कि अगर ऐसा नहीं होता तो अनुभवी स्पिनर और अधिक प्रभावित कर सकते थे अगर वह रिकॉर्ड के पीछे नहीं जाते। अश्विन 500 टेस्ट विकेट लेने से एक विकेट दूर रह गए। बता दें कि अश्विन ने चौथे दिन इंग्लैंड की दूसरी पारी में भारत को पहली सफलता दिलाई। बेन डकेट को आउट कर पहली सफलता हासिल की। फिर ओली पोप और जो रूट को आउट किया। अश्विन टेस्ट करियर में 499 विकेट ले चुके हैं। वह अपना 500वां विकेट लगभग ले ही चुके थे, जब उन्होंने टॉम हार्टले को कैच आउट कर दिया था, लेकिन डीआरएस ने इंग्लैंड के टेल-एंडर को बचा लिया।

# एशिया कप के बढ़े हुए खर्च को लेकर पीसीबी ओर एसएलसी आमने-सामने आये

**लाहौर ।**
गत वर्ष हुए एशिया कप को टूर्नामेंट के ठीक पहले श्रीलंका में स्थानांतरित करने में आये खर्च को लेकर पाकिस्तान और श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड में विवाद हुआ है। एशिया कप पहले पाक में होना था पर भारतीय टीम के खेलने से इंकार करने के कारण उसे श्रीलंका में भी संयुक्त रुप से रखा गया था। भारतीय टीम के सभी मैच श्रीलंका में हुए थे। इस प्रकार स्थानांतरण में करीब तीन से चार मिलियन डॉलर लगभग 25 से 33 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च आया था। अब इसी खर्च को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) आमने-सामने हैं। एसएलसी का कहना है कि वह इस खर्च को नहीं उठाएगा।

बीसीसीआई ने पाकिस्तान में सुरक्षा मामले को लेकर टीम भेजने से इंकार कर दिया था। इसके बाद मेजबान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एशिया कप का आयोजन हाइब्रिड मॉडल पर करना तय किया था। इसके तहत टूर्नामेंट के ज्यादातर मैचों का आयोजन श्रीलंका में हुआ जबकि इसके कुछ मुकाबले पाकिस्तान में खेले गए। इसके कारण चार्टर्ड विमान, होटल बुकिंग, स्थल किराये की फीस और यात्रा सहित अन्य पर अतिरिक्त खर्च हुआ।

श्रीलंकाई बोर्ड (एसएलसी) ने गत सप्ताह ही बाली में एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की बैठक के दौरान कहा था कि वह बढ़े हुए खर्च का बोझ नहीं उठाएगा। इसका कारण है कि उसे इस आयोजन से अतिरिक्त कमाई नहीं हुई है और वह टूर्नामेंट का आधिकारिक मेजबान भी नहीं था। इस आयोजन का खर्च इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि पीसीबी के पूर्व अध्यक्ष जका अशरफ ने पहले मैच को लाहौर की जगह मुल्तान में कराया था। वहीं पीसीबी का कहना है कि एसीसी अतिरिक्त खर्चों को उठाये क्योंकि उसी ने पाक से मेजबानी अधिकार वापस लिया था।

दूसरी ओर एसीसी प्रमुख जय शाह ने स्पष्ट किया कि एसीसी बोर्ड ने पूरे टूर्नामेंट को श्रीलंका में स्थानांतरित करने का फैसला किया था पर पीसीबी ने चार मैचों की मेजबानी करना चाहता था, इसी कारण खर्च बढ़ा। उन्होंने कहा कि शाह ने अधिकारियों से कहा कि पीसीबी इस आयोजन का मेजबान बना रहा और श्रीलंका के आयोजन स्थल और सुविधाओं का उपयोग किया गया, इसलिए एसएलसी का बकाया पीसीबी द्वारा चुकाया जाना चाहिए।

## दिल्ली चरण को जीत के साथ खत्म करना चाहती है यूपी योद्धा

**नई दिल्ली।** यूपी योद्धा त्यागराज इंडोर स्टेडियम में प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 10 के 108वें मैच में तमिल थलाइवाज के खिलाफ मैट पर उतरेंगे तो उनका लक्ष्य जीत के साथ दिल्ली लेग का समापन करना होगा। जीएमआर ग्रुप के स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी योद्धा ने अपने पिछले मैच में शानदार वापसी करते हुए यू मुंबा के खिलाफ 39-23 से बड़ी जीत हासिल की। दूसरी ओर तमिल थलाइवाज अपने पिछले मैच में गुजरात जायंट्स के खिलाफ 30-42 से हार गई थी। वर्तमान में योद्धा लीग स्टैंडिंग में 28 अंकों और -47 के स्कोर अंतर के साथ 11वें स्थान पर हैं। जबकि, थलाइवाज 40 अंकों और 17 के स्कोर अंतर के साथ तालिका में उनसे सिर्फ एक स्थान ऊपर हैं। दोनों टीमों का पीकेएल के इतिहास में 14 बार आमना-सामना हुआ है। जिसमें योद्धा ने पांच मैच जीते, जबकि तीन मैच टाई पर समाप्त हुए। मैच से पहले बोलते हुए यूपी योद्धा के मुख्य कोच जसवीर सिंह ने कहा, हमारे पिछले मैच को जीतने से टीम के आत्मविश्वास में काफी वृद्धि हुई है। हमारे सभी खिलाड़ी उत्साहित हैं और इस टूर्नामेंट के आखिरी चरण में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हैं।

# अबू धाबी ओपन के दूसरे दौर में रादुकानु

**अल रावदाह।**
ब्रिटेन की एम्मा रादुकानु ने अपने अबू धाबी ओपन अभियान की विजयी शुरुआत करते हुए पहले दौर के मुकाबले में चेक गणराज्य की मैरी बौजकोवा को सीधे सेटों में 6-4, 6-1 से हराया।

चोटों से जूझने के बाद साल की शुरुआत में एक्शन में लौटने के बाद रादुकानु को अपनी लय हासिल करने में कुछ समय लगा। जबकि, मैरी बौजकोवा शुरुआती चरण में अधिक आश्वस्त दिखीं और पहले दो गेम भी अपने नाम किए।

धीरे-धीरे 2021 यूएस ओपन चैंपियन ने कुछ बेहतरीन ड्रॉप-शॉट्स के साथ खेल में पैर जमाना शुरू कर दिया। जो इस बात का संकेत था कि वो धीरे-धीरे अपनी लय हासिल कर रही हैं। जब उन्होंने पहला सेट 4-4 से बराबर किया, तो मुकाबला रोमांचक होने लगा।

रादुकानु ने अगले दो गेम जीतकर पहला सेट जीत लिया और यहां से वो जीत से बस चंद कदम दूर थीं।

दूसरे सेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए रादुकानु ने कुछ बेस्ट शॉट्स खेले जिसका मैरी बौजको के पास कोई जवाब नहीं था।

रादुकानु ने अंत में पूर्व विंबलडन क्वार्टर फाइनलिस्ट बौजकोवा को 1 घंटे और 22 मिनट में हराकर दूसरे दौर में अपना स्थान हासिल किया।

सीज़न के पहले क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने की कोशिश में रादुकानु का अगला मुकाबला नंबर 2 सीड ट्यूनीशिया की ओन्स जाबेउर से होगा।

अरब स्टार जाबेउर का सामना करने की संभावना पर रादुकानु ने कहा, वह निश्चित रूप से यहां घरेलू पसंदीदा हैं, जो होना भी चाहिए। मैं वास्तव में ओन्स को काफी पसंद करती हूं, वह ऐसी व्यक्ति हैं जिनसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला है।

वाइल्ड-कार्ड रादुकानु, जो कई सर्जरी के कारण पिछले साल के अंतिम आठ महीने गायब रहने के बाद पिछले महीने ऑस्ट्रेलियाई स्विंग में एक्शन में लौटीं। उन्होंने इस साल अपनी वापसी में अब तक तीन इवेंट खेले हैं और उनमें से प्रत्येक में एक मैच जीता है।

# न्यूजीलैंड के खिलाफ मॉरिस के खेलने पर सस्पेंस

**नई दिल्ली ।**
**वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में गेंदबाजी करते समय दाएं हाथ के ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज लांस मॉरिस को साइड स्ट्रेन का सामना करना पड़ा। इसके बाद उनके इस महीने के अंत में ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम के साथ न्यूजीलैंड का दौरा करने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। लांस मॉरिस ने एक मेडन ओवर के साथ 13 रन देकर 2 विकेट लिए और वेस्टइंडीज को 86 रन पर समेटने में मदद की, जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में उनका दूसरा सबसे कम स्कोर था। लेकिन, तेज गेंदबाज ने मनुका ओवल में अपने पांचवें ओवर के दौरान खुद को चोटिल कर लिया जिससे ओवर की तीन गेंद शेष रहते हुए मैदान से बाहर जाना पड़ा।**

टीम अधिकारियों ने कुछ देर बाद चोट की पुष्टि की और तेज गेंदबाज को जांच के बाद डगआउट भेज दिया। चोट की गंभीरता का पता लगाने के लिए मॉरिस को स्कैन के लिए भेजा जाएगा। पहले वनडे में अपने अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू के बाद यह दूसरी बार था जब मॉरिस ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। मॉरिस पश्चिम ऑस्ट्रेलिया लौटने पर अपनी पुनर्वास यात्रा शुरू करने के लिए तैयार हैं। 29 फरवरी से वेलिंगटन में शुरू होने वाले न्यूजीलैंड के आगामी दो टेस्ट दौरे के लिए चयन के लिए पात्र होने के लिए उन्हें समय पर अपनी फिटनेस साबित करने की कड़ी समय सीमा का सामना करना पड़ सकता है। ऑस्ट्रेलियाई खेमे में पिछले तीन दिनों में यह चोट का दूसरा झटका था। इससे पहले मैट शॉर्ट को हैमस्ट्रिंग चोट के कारण तीसरे वनडे से बाहर कर दिया गया था।

# न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का एलान, टी20 वर्ल्ड कप टीम की तस्वीर भी साफ

**नई दिल्ली ।**
क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड दौरे पर खेली जाने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है. इसके साथ ही 2024 टी20 वर्ल्ड कप टीम की तस्वीर भी लगभग साफ हो गई है. न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए स्टार ऑलराउंडर मिशेल मार्श को कप्तान बनाया गया है. वहीं टी20 टीम में डेविड वॉर्नर, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क और पैट कमिंस को भी जगह मिली है।

इसी महीने ऑस्ट्रेलियाई टीम न्यूजीलैंड दौरे पर जाएगी. ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच 21 फरवरी से तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली जानी है. इस सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ने 15 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है. इस टीम के साथ ही 2024 टी20 वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलिया के 15 खिलाड़ियों के नाम भी लगभग साफ हो गए हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए कई बड़े नाम टी20 टीम में वापस आए हैं. पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क लंबे वक्त के बाद टी20 फॉर्मेट खेलते दिखेंगे. हालांकि, इसी साल 1 जून से 2024 टी20 वर्ल्ड कप खेला जाना है. ऐसे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए ही इस सीरीज के लिए टीम का चयन किया है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए डेविड वॉर्नर और स्टीव स्मिथ को भी चुना गया है. इससे यह साफ है कि यह दोनों दिग्गज खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के वर्ल्ड कप प्लान का हिस्सा हैं. वहीं टीम से ऑलराउंडर आरोन हार्डी, मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज बेन मैकडरमट और जोश फिलिप व लेग स्पिनर तनवीर सांघा गायब हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम- डेविड वॉर्नर, ट्रेविस हेड, मिशेल मार्श (कप्तान), जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), ग्लेन मैक्सवेल, टिम डेविड, मैथ्यू वेड, स्टीव स्मिथ, मैट शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क, नाथन एलिस और एडम जम्पा।

# डबल्यूपीएल से पहले गुजरात जायंट्स के मुख्य कोच बने माइकल क्लिंगर

**बेंगलुरु ।**
ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर माइकल क्लिंगर को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के सीजन 2 से पहले अदाणी स्पोर्ट्सलाइन के स्वामित्व वाली गुजरात जायंट्स के लिए मुख्य कोच नियुक्त किया गया है. डब्ल्यूपीएल का दूसरा सीजन बेंगलुरु और नई दिल्ली में खेला जाएगा. टूर्नामेंट का आगाज 23 फरवरी से एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा।

माइकल क्लिंगर टीम में पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज (मेंटॉर) और नूशिन अल खादीर (गेंदबाजी कोच) के साथ जुड़कर गुजरात जायंट्स को और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार करेंगे. 43 वर्षीय ने इससे पहले सिडनी थंडर के लिए सहायक कोच के रूप में कार्य किया. इस दौरान उनकी टीम महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में चौथे स्थान पर रही थी।

साथ ही उन्होंने 2019 से 2021 तक मेलबर्न रेनेगेड्स मेन्स टीम के मुख्य कोच और फोएबे लिचफील्ड के साथ भी काम किया. पुरुष बीबीएल में क्लिंगर एक बड़ा नाम रहे हैं. वह 2019 में रिटायर हुए और लीग के अब तक के सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप जाने जाते हैं. खेल के विभिन्न पहलुओं में उनका अनुभव गुजरात जायंट्स टीम के लिए फायदेमंद साबित होगा।

मुख्य कोच के रूप में अपनी नियुक्ति के बारे में क्लिंगर ने कहा, गुजरात जाइंट्स के पास महिला प्रीमियर लीग के सीजन 2 में कुछ खास करने का मौका है. मैं मिताली राज जैसी क्रिकेट की दिग्गज खिलाड़ी के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं. क्लिंगर की नियुक्ति की मिताली ने भी सराहना की. उन्होंने कहा, माइकल के साथ काम करने से गुजरात जाइंट्स के खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी. बल्ले के साथ उनकी विशेषज्ञता भी खास है और निश्चित रूप से कुछ युवाओं को फायदा होगा।

अदाणी स्पोर्ट्सलाइन के सीबीओ, संजय अडेसरा ने कहा: माइकल क्लिंगर गुजरात जायंट्स और अदाणी स्पोर्ट्सलाइन परिवार के लिए एक बहुत ही योग्य सदस्य हैं. उन्होंने बीबीएल में कोच और खिलाड़ी दोनों के रूप में शानदार प्रदर्शन किया है. इससे निश्चित रूप से हमारी टीम को भविष्य में मदद मिलेगी. गुजरात जायंट्स 25 फरवरी को अभियान के अपने पहले मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैदान में उतरेंगे।

## चोटिल डिफेंडर लिसेंड्रो मार्टिनेज आठ सप्ताह के लिए एक्शन से बाहर

**मैनचेस्टर।** प्रीमियर लीग क्लब ने बताया कि डिफेंडर लिसेंड्रो मार्टिनेज को घुटने की चोट के कारण कम से कम आठ हफ्ते तक एक्शन से बाहर रहना पड़ सकता है। मैच में विरोधी खिलाड़ियों से टैकल के दौरान मार्टिनेज़ चोटिल हो गए थे, जिसके कारण उन्हें 71वें मिनट में मैदान छोड़ना पड़ा। यूनाइटेड ने एक बयान में बताया, लिसेंड्रो मार्टिनेज के घुटने के मेडियल कोलैटरल लिगामेंट में चोट लग गई है और उनके कम से कम आठ सप्ताह तक मैदान से बाहर रहने की उम्मीद है। यह मार्टिनेज के लिए बड़ा झटका है। वो हाल ही में लंबी चोट के बाद वापसी कर रहे थे। उन्हें अप्रैल में सेविला के खिलाफ बार-बार होने वाली पैर की समस्या को ठीक करने के लिए सर्जरी करानी पड़ी थी। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मार्टिनेज़ ने फैंस के साथ एक मैसेज साझा किया। उन्होंने कहा, मुझे मिले समर्थन के लिए मैं सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं और आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि मैं जल्द ही वापसी करूंगा।

# आपका मन मोह लेगा खूबसूरत

दक्षिणी भारत का एक खूबसूरत और प्रसिद्ध पार्क है पेरियार पार्क। सन् 1895 में पेरियार नदी पर मुल्लापेरियार बांध बनाकर इस पार्क में बड़ी सी कृत्रिम झील बनाई गई जिसमें बोटिंग करते हुए पेरियार पार्क की सैर की जा सकती है। लगभग 485 वर्ग मील में फैले इस पार्क में घना जंगल है और 220 वर्ग मील में खाली जमीन। यह पार्क बाघ और हाथियों के लिए दुनिया भर में मशहूर है। यहां आने वाले पर्यटक आधे घंटे हाथी की सवारी कर जंगल की सैर कर सकते हैं। केरल के इडक्की जिले से चार किलोमीटर दूर थक्कड़ी स्थित इस पार्क के मनमोहक दृश्य के कारण पर्यटकों की यहां खासी भीड़ होती है। इसे पेरियार वाइल्ड लाइफ सेंचुरी भी कहा जाता है।

पेरियार जाने के रास्ते में बेहद आकर्षक दृश्य जैसे चाय बागान, मसालों के बगीचे दिखते हैं। शहर की भीड़-भाड़ से दूर हरियाली की गोद में बसा यह पार्क अपनी खूबसूरती से हर किसी मन मोह लेता है। पेरियार राष्ट्रीय उद्यान भारत के उन उद्यानों में से एक हैं, जिसे मानसून के दौरान भी खुला रखा जाता है। यहां कई चीजें मौसम पर निर्भर होती हैं पर बोटिंग का मजा आप मानसून के दौरान भी आराम से ले सकते हैं। अगर आप मानसून के दौरान ट्रेंकिंग के लिए मन बना रहे हैं, तो थोड़ा सावधानी जरूरी है। यहां मिलने वाले मोजे पहनना मत भूलिएगा वरना जोंक आपकी त्वचा से चिपक जाएंगे।

पेरियार पार्क को लोगों के लिए सुबह छह बजे से शाम सात बजे तक हर दिन खोला जाता है। इस पार्क की खूबसूरत झील में आप बोटिंग कर सकते हैं पर सिर्फ दो घंटे। सुबह सात बजे की जाने वाली बोटिंग के समय वहां मौजूद वन्यजीवों को भी देखा जा सकता है। इसके अलावा यहां बार्डर हाइक्स और बैम्बू राफ्टिंग का भी आनंद लिया जा सकता है पर यह सब वहां मौजूद गाइड की निगरानी में किया जाए, तो बेहतर होगा। पेरियार राष्ट्रीय उद्यान वैसे तो हाथियों के लिए प्रसिद्ध है मगर इसके अलावा यहां जानवरों की 62 विभिन्न प्रजातियां भी हैं। पेरियार बाघों और हाथियों के संरक्षण के लिए कई उपाय कर रहा है। यहां हाथियों की सैंकड़ों प्रजातियां हैं, जिसे देखने के लिए पर्यटकों की भीड़ पूरे साल रहती है। इसके अलावा 320 किस्म की चिड़िया, 45 तरह के रेपटाइल्स, विभिन्न तरह की मछलियां, मेंढक और कीड़े-मकौड़े भी देखे जा सकते हैं। पेरियार नेशनल पार्क आप कभी भी जा सकते हैं लेकिन सबसे बेहतर समय है अक्टूबर से फरवरी तक। मानसून के दौरान वहां की हरियाली और भी आकर्षक लगती है। मार्च-अप्रैल में हाथियों को झील में नहाते देखा जा सकता है। वीकेंड में यहां न ही जाएं तो बेहतर है क्योंकि भीड़-भाड़ में वन्य जीवों को आप नहीं देख सकते।

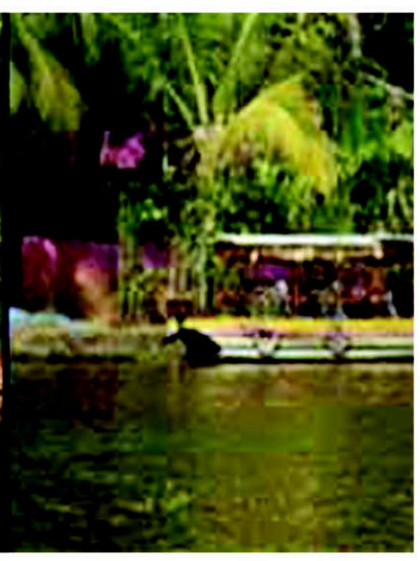

# ऐसे करें अपने नाखूनों की देखभाल

लंबे नाखूनों पर जब नेल पॉलिश लगती है तो उनकी खूबसूरती कई गुना तक बढ़ जाती है। स्वस्थ और लंबे नाखूनों पर नेल आर्ट निखरकर सामने आता है। सौंदर्य विशेषज्ञ ऐश्वर्या कपूर ने नाखूनों की देखभाल के लिए कुछ कमाल के टिप्स दिए हैं, जिनसे आपके नाखून लंबे, स्वस्थ और चमकदार बने रहेंगे।

कई लड़कियों के नाखून अच्छी तरह बढ़ नहीं पाते। वह जल्दी टूट जाते हैं। यह समस्या तब आती है जब आहार में पोषक तत्वों की कमी होती है। विटमिन सी, विटमिन ई, ओमेगा 3 फैटी एसिड्स और प्रोटीन को अपनी डाइट में शामिल करके आप स्वस्थ नाखून पा सकते हैं। ये तत्व नाखूनों को मजबूती भी देते हैं। याद रखने वाली बात यह है कि शरीर स्वस्थ रहेगा तभी बाल और नाखून भी स्वस्थ रहेंगे।

### नाखूनों पर लहसुन रगड़ें

लहसुन को दो टुकड़ों में काट कर अपने नाखूनों पर 10 मिनट तक रगड़ें। इससे आपके नाखून 10 दिन में अच्छे-खासे बढ़ जाएंगे। यह प्रक्रिया आपको रोजाना सुबह और शाम करनी है।

### संतरे का रस

अंडे के सफेद भाग को एक कटोरी में निकालें और उसमें 2 चम्मच संतरे का रस निचोड़ें। इस घोल को अपने नाखूनों पर 5 मिनट तक लगा कर रखें। इसमें विटामिन सी होता है जो कोलाजिन बनाता है जिससे नाखूनों में मजबूती आती है।

### जैतून का तेल

अपने नाखूनों पर जैतून के तेल से मालिश करें। इसमें विटामिन ई होता है, जो नाखूनों को पोषण देता है और खून का फ्लो नाखूनों तक बढ़ाता है जिससे वे बढ़ना शुरू हो जाते हैं।

### टमाटर

नाखूनों पर टमाटर की स्लाइस को 10 मिनट तक रगड़ें। इससे नाखून जल्दी बढ़ेंगे।

### अलसी का तेल

एक मुलायम ब्रश की मदद से अपने नाखूनों पर अलसी का तेल लगाएं। 5 मिनट तक इस तेल को लगाए रखें।

इससे आपके नाखूनों को प्रोटीन, विटमिन ई और ओमेगा 3 मिलेगा जिससे नाखूनों में मजबूती आएगी।

### नारियल तेल

नारियल तेल में फैटी एसिड और अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं, जिसे नाखूनों पर लगाने से फायदा होता है।

## सुबह-सुबह पीते हैं नींबू पानी तो संभल जाएं, होगा ये खामियाजा

मोटे लोगों को सुबह उठते ही सबसे पहले नींबू पानी पीने की सलाह दी जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये सेहत के लिए हानिकारक भी हो सकता है। जी हां, हैरान ना हों और आगे की स्लाइड्स में जानें इससे होने वाले नुकसान के बारे में।

■ अगर किसी को अक्सर ही गैस या एसिडिटी की समस्या रहती है तो उन्हें खाली पेट नींबू पानी के सेवन से बचना चाहिए। दरअसल, नींबू में एसिडिक गुण पाए जाते हैं जो इस समस्या को और बढ़ा देते हैं।

■ नींबू में ऑक्सलेट एसिड होता है जो शरीर में क्रिस्टल के रूप में जम जाता है। इससे किडनी और पित्त की थैली में स्टोन की समस्या हो सकती है।

■ नींबू पानी पीने के तुरंत बाद ब्रश ना करें क्योंकि नींबू में मौजूद एसिड की वजह से दांत कमजोर हो जाते हैं। इसलिए ब्रश करने से दांतो के टूटने का डर रहता है।

■ दिन में एक से दो गिलास नींबू पानी ही पिएं। ज्यादा नींबू पानी पीने से यूरीन ज्यादा आता है जिस वजह से डिहाइड्रेशन की समस्या बढ़ जाती है।

■ ज्यादातर लोग खाना पचाने के लिए नींबू पानी पीते हैं लेकिन ये नुकसान भी पहुंचा सकता है। पेट में एसिड की मात्रा ज्यादा होने की वजह से पाचन तंत्र खराब हो सकता है।

# अपनाएंगे ये टिप्स तो कभी नहीं बिखरेगी आपकी अलमारी

अलमारी घर का अहम हिस्सा होती हैं। व्यवस्थित अलमारी जहां लाइफ को आसान बना देती हैं, वहीं अव्यस्थित अलमारी मुश्किलें बढ़ा देती हैं। कामकाजी लोगों को अपनी अलमारी व्यवस्थित रखने में काफी परेशानी आती हैं लेकिन आप चाहें तो इन चिप्स की मदद से अपनी अलमारी को व्यवस्थित रख सकते हैं-

■ अलमारी में कपड़े रखने से पहले अलमारी और कपड़े दोनों अच्छी तरह सुखा लें। कपड़े रखने से पहले अलमारी की अच्छी तरह सफाई करें और उसमें पेपर बिछाकर ही कपड़े रखें।

■ आप अपनी कीमती साड़ियों और सूट को एक प्लास्टिक बैग में रखकर अलमारी में रखें। इससे कपड़े लंबे समय तक पहनने लायक बने रहेंगे।

■ सर्दी के कपड़ों को अखबार में लपेटकर अच्छी तरह रखें और कोशिश करें कि महीने में एक बार धूप दिखाएं।

■ लकड़ी की अलमारियों को दिन में थोड़ी देर के लिए खुला छोड़ दें, जिससे उनमें हवा जाएगी तो कपड़ों में महक नहीं आएगी।

■ कपड़ों में बदबू रोकने के लिए आप नेफ्थलीन की गोलियां भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

■ इस बात को सुनिश्चित करें कि आपके ऑफ-सीजन कपड़े फंगस, नमी और सील से पूरी तरह सुरक्षित हैं। बेहतर होगा कि अपनी अलमारी में एंटी-फंगल टेबलेट का प्रयोग करें।

■ अलमारी खोलते ही सारे कपड़े और रखा सामान आपके ऊपर ना गिर जाए, इसके लिए सबसे पहले अपनी अलमारी मे रखे जाने वाले सामान की एक सूची बना लें। ऐसा जरूरी नहीं है कि घर के सारे सामान को आप एक ही अलमारी में रखें।

■ अब सबसे जरूरी कपड़ों को ठीक से रखा जाना होता है। कुछ कपड़े तह किए जा सकते हैं तो कुछ को हैंगर में लटकाना पड़ता है। इसे समझते हुए कपड़े रखें।

■ अगर आप अपनी वार्डरोब में पर्स, परफ्यूम, क्रीम, जेल, लोशन, फेसवॉश और स्क्रब रखते हैं तो इनके लिए आप वार्डरोब में दिए कुछ अन्य छोटे खानों का इस्तेमाल कर सकते हो। इसी जगह आप अपनी घड़ी, जूलरी, मोजे को भी रख सकते हैं।

■ अलमारी के निचले हिस्से में अपने जूतों को भी जगह दे सकते हैं। जिन जूतों का प्रयोग आप कम करते हैं उन्हें डिब्बे में बंद करके पीछे की साइड लगा सकते हैं। रोजाना प्रयोग में आने वाले जूतों को आगे की ओर रखें।

# इन होममेड चीजों से डार्क सर्कल को कहें बाय-बाय

आजकल की हमारी लाइफस्टाइल कुछ ऐसी है कि हम घंटों कम्प्यूटर के आगे अपना समय बिताते हैं, जिसका तनीजा हमारी आंखों के नीचे काले घेरों के रूप में उभर कर सामने आते हैं. पके बाल या चेहरे की झुर्रियों से कहीं ज्यादा आंखों के नीचे के काले घेरे आपकी बढ़ी उम्र के परिचायक हैं. आप अगर काले घेरे से परेशान हैं, तो टी बैग या मलाई आजमाएं, यह इन्हें कम करने में मददगार हैं . राजधानी स्थित नेशनल स्किन सेंटर के निदेशक नवीन तनेजा ने आंखों के नीचे के काले घेरों से छुटकारा पाने के लिए कुछ सुझाव दिए हैं .

**टी बैग :** रेफ्रिजरेटर में आधे घंटे तक रखे गए दो ब्लैक या ग्रीन टी के बैग का इस्तेमाल करें.

उन्हें दोनों आंखों पर रखें और 10-15 मिनट तक वहीं रहने दें . इसके बाद उन्हें हटाएं और अपना मुहं धो लें इस प्रक्रिया को कुछ सप्ताह तक दो बार करें.

**ठंडकः** ठंडे पानी या दूध में भीगा हुआ साफ कपड़ा लें और कुछ मिनटों के लिए इन्हें अपनी पलकों के पास रखें . मुलायम कपड़े में बर्फ का टुकड़ा लपेटें और कुछ मिनटों तक इसे अपनी आंख के पास रखें .

**मलाईः** दो चम्मच मलाई और एक चौथाई चम्मच हल्दी मिलाएं. इसे काले घेरों पर लगाएं. इसे 15 से 20 मिनट तक रहने दीजिए, बाद में इसे गुनगुने पानी से धो लें .

**पुदीनाः** पुदीने की पत्तियों को हाथों से पीस लें. पुदीने की पत्तियों में नींबू का रस मिलाएं.

इसे 15 से 20 मिनट तक लगाएं . इसके बाद धो लें. इसे रोजाना दो बार करें.

# मधुमेह के रोगियों के लिए जामुन अमृत के समान

जम्बू, जामगाछ, जाम्बु और जंबु भाबल ये सभी जामुन के ही नाम हैं। बारिश का मौसम शुरू होते ही पेड़ों पर जामुन पकने लगता है। जामुन का पेड़ बहुत ऊंचा होता है। इसकी छाल सफेद होती है। बैशाख मास में इसमें मंजरियां आती हैं बाद में फल लगते हैं। इसके वृक्ष पूरे भारत में पाए जाते हैं परन्तु शुष्क स्थानों पर यह वृक्ष नहीं उगता।

जामुन कई तरह का होता है। जंगली जामुन का फल खट्टा और छोटा होता है जबकि अन्य प्रकार के जामुन आकार में बड़े और मीठे होते हैं। जामुन के गूदे में लगभग 84 प्रतिशत जल होता है। साथ ही इसमें लगभग 14 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट तथा अल्प मात्रा में प्रोटीन और वसा भी होता है। इसके अतिरिक्त इसमें विटामिन ए, बी, सी, मेलिक एसिड, गौलिक एसिड, आक्जेलिक एसिड तथा टैनिन भी होता है। अच्छे स्वाद के साथ-साथ जामुन में कई चिकित्सकीय गुण भी हैं। इसके गूदे, गुठली, वृक्ष की छाल तथा पत्तों का अनेक रोगों के इलाज में उपयोग किया जाता है।

जामुन के वृक्ष की छाल रूखी, कसैली, मलरोधक, पाक में मधुर तथा खट्टी होती है। यह पित्त के प्रकोप को दूर करती है तथा रक्त विकारों को दूर कर रक्त को साफ करती है। गले के रोगों तथा कफ को दूर करने में भी यह सहायक होती है। अतिसार होने पर भी इसका प्रयोग किया जाता है। फल के रूप में जामुन मंदाग्निकारक, बादी और कफ पित्त नाशक है। यूनानी चिकित्सा पद्धति के अनुसार जामुन दूसरे दर्जे में शीत और रूक्ष, उष्ण यकृत को बल देने वाला और गरमी को शांत करने वाला होता है।

वमन होने पर जामुन के कोमल पत्ते चबाने या उसके पत्तों का रस पीने से लाभ पहुंचता है। जामुन की छाल जलाकर उसकी राख को शहद के साथ चबाने से भी उल्टियों में लाभ पहुंचता है। जामुन के कोमल तथा ताजे पत्तों को पानी में घोटकर कुल्ला करने से मुंह के छाले ठीक होते हैं। इसकी कच्ची कोपलें चबाने या उनका रस निकाल कर मुंह में डालने से भी छालों में आराम मिलता है। यों तो जामुन की लकड़ी एक अच्छी दातुन है परन्तु इससे मंजन भी बनाया जा सकता है। इसके लिए जामुन के पत्तों की राख में थोड़ा सा सेंधा नमक पीसकर मिला लें। इस मंजन के प्रयोग से सभी दन्त विकार दूर हो जाएंगे। गला खराब होने पर जामुन की गुठलियों को पीसकर उसमें शहद मिलाकर गोलियां बना लें। दिन में चार बार दो-दो गोलियां चूसने से कुछ दिनों में गला ठीक हो जाता है। कण्ठ व्रण होने पर छाल के काढ़े से गरारे करने पर आराम मिलता है।

जामुन के फल को भोजन पचाने वाला तथा भूख बढ़ाने वाला माना जाता है। जामुन को नमक के साथ खाने या जामुन के रस में सेंधा नमक मिलाकर पीने से भोजन का पाचन ठीक हो जाता है। पेट दर्द, दस्त तथा पेचिश में भी इससे लाभ मिलता है। अरूचि में जामुन को नमक-मिर्च के साथ खाना चाहिए।

जामुन की पत्ती के रस में दूध, शहद और शहद की मात्रा से आधा घी मिलाकर पीने से खूनी दस्त में लाभ पहुंचता है। इस मिश्रण को बनाते समय ध्यान रखें कि घी की मात्रा शहद से आधी ही होनी चाहिए। घी और शहद भी बराबर मात्रा में न मिलाएं। जामुन यकृत को उत्तेजित करने वाला होता है। प्रतिदिन प्रातःकाल जामुन के दस ग्राम रस में सेंधा नमक मिलाकर लेने से बढ़ा हुआ यकृत ठीक हो जाता है। जामुन के वृक्ष की छाल के काढ़े से जख्म धोने से जख्म भरने में मदद मिलती है।

जामुन की गुठली को पीसकर मुंहासों तथा फुंसियों पर लगाने से लाभ होता है परन्तु इस दौरान गर्म तथा खट्टे खाद्य पदार्थों का सेवन नहीं करना चाहिए। श्वेत प्रदर के इलाज में भी जामुन की छाल का प्रयोग लाभकारी होता है। इसके लिए जामुन की 10 ग्राम छाल को 100 ग्राम पानी में उबालें, 25 ग्राम रहने पर दिन में दो बार दो चम्मच का सेवन करें।

### जामुन है अमृत के समान

मधुमेह के रोगियों के लिए जामुन अमृत के समान है। इसके बीजों में विद्यमान जम्बोलिन शरीर में पहुंचकर भोजन के साथ ग्रहण किए गए स्टार्च को शुगर में नहीं बदलने देता जिससे रक्त में शुगर सामान्य से अधिक नहीं हो पाती। जामुन की गुठली के चूर्ण की दो-दो ग्राम मात्रा दिन में दो बार पानी के साथ कुछ दिनों तक लेने से रक्त में शुगर सामान्य स्तर पर आ जाता है। पेशाब में शक्कर जाने पर जामुन के बीज और गुड़मार की पत्ती का चूर्ण ठंडे जल के साथ लेना चाहिए। जामुन के कोमल पत्ते, आम के कोमल पत्ते, कैथ कपास के फल को बराबर मात्रा में मिलाकर पीसें और निचोड़कर रस निकालें। इसमें शहद मिलाकर कान में डालने से कान का बहना रुक जाता है। जामुन में खट्टा और कसैला रस होता है इस कारण दूध के साथ इसका सेवन निषेध है क्योंकि इससे पेट में विकार उत्पन्न हो सकते हैं।

# इन 5 बहानों से नहीं मिल पाती है करियर में सफलता

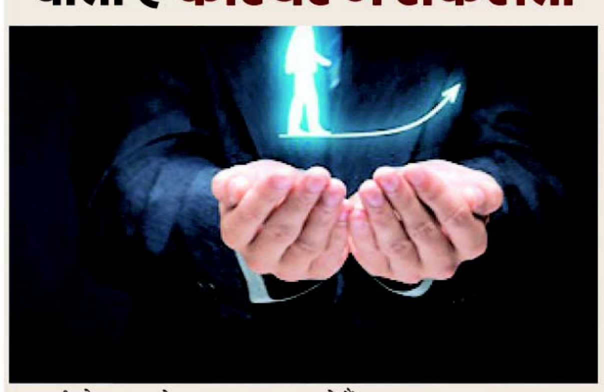

कई लोग जल्द से जल्द सफलता पाना चाहते हैं। करियर में तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं और उसके लिए पूरी मेहनत, लगन से कोशिश भी करते हैं। लेकिन ऐसी कौन सी गलतियां हो जाती है कि उन्हें वांछित सफलता नहीं मिलती और करियर ग्रोथ रुक सी जाती है। आइए जानते हैं ऐसे 5 कारण जिससे करियर प्रभावित होता है और आप पीछे रह जाते हैं।

### खुद को कम आंकना

अक्सर लोग सफलता तो पाना चाहते हैं लेकिन खुद को अंडरएस्टिमेट करते हैं। लोगों के पास एक बहाना होता है कि मैं काबिल नहीं हूं या मेरे पास इस काम को करने की योग्यता नहीं है। इसका मतलब यही है? कि या तो वे अपनी योग्यता को बहुत ही कम आंक रहे हैं। या फिर वे उस क्षेत्र में सफल लोगों की योग्यता को बहुत ज्यादा आंक रहे हैं।

### किस्मत को कोसना

किस्मत या नसीब को कोसने वाले कैसे आगे बढ़ सकते हैं। अगर आप किसी काम में असफल रहे या जो चाहते हैं नहीं मिल पाया तो वे किस्मत को ही दोष देते हैं। अगर आपकी यह आदत है तो समझ जाइए आप गलत ट्रेक पर है।

### फेल होने का डर

अगर आप पहले से ही असफल होने का डर मन में लेकर काम करेंगे तो यह सच होना ही है। पहले भी असफल होने के इस बहाने के कारण आगे प्रयास नहीं कर पाते हैं। अगर आप पहले कभी असफल हुए है तो इसका मतलब नहीं कि हर बार होंगे। आपको दोबार कोशिश करनी चाहिए जब तक कि आप सफल ना हो जाएं।

### पहले ही हार मान लेना

यह काम तो बहुत मुश्किल है मुझसे नहीं होगा। अब ये मजेदार बहाना है आगे नहीं बढ़ने का। कभी-कभी हम काम को शुरू किए बिना ही मान लेते हैं कि ये काम मुश्किल है, नहीं होगा। ऐसा कहने से काम और मुश्किल लगने लगता है या शुरू ही नहीं होता। इसलिए मेहनत और लगन से काम करें फ?र देखें कि काम कितना आसान हो जाता है।

### समय का रोना

यह एक आम बहाना है जिसे अक्सर लोगों को कहते हुए सुना जा सकता है। आप करना तो बहुत कुछ चाहते हैं लेकिन बस एक ही रोना कि समय नहीं है। अब अगर आप ऐसा ही करते रहे तो समय आपकी मुट्ठी से निकल जाएगा और पछताने के अलावा कुछ नहीं बचेगा।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**